He Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 28, 1976 (फाल्गुण 9, 1897)

No. 91

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 28, 1976 (PHALGUNA 9, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, ियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Ir dian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

मुद्रण निवेशालय

नई दिल्ली, विनांक 4 फरवरी 1976

(पूर्वाह्न) से प्रगले प्रादेश होने तक भारत सरकार मुद्रण।लय, मिटो रोड, तई दिल्ली के महाप्रधन्धक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

स० एस० (27)/ए-11---राष्ट्रपति भारत सरकार मुद्रणा-लय, नासिक के प्रबन्धक, श्री एस० ग्रार० सेठी को 12-1-76

श० म० जम्भोलकर, मृद्रण निवेशक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, विनांक

जनवरी 1976

स॰ प्र॰-6/76 (4)/58-XV—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के निम्नलिखित प्रधिकारियों को उनके नाम के प्रागे लिखी तारीख से भारतीय निरीक्षण सेवा, धातु-रासायन शाखा श्रेणी-1 के ग्रेड-101 में सहायक निरोक्षण (धातु-रासायन) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान पद	पद जिस पर स्थायी हुए	स्थायी होने की तारीख	ग्रभ्यु वित यां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. श्री एस० ए	ग्न ः दास गु प्त	. उप-निदेशक निरीक्षण (धातु- रासायन) सेवा निवृत्त	सहायक निदेशक निरीक्षण (घाषु- रासायन)	30-11-67	सेवा निवृत्त श्री जी० बी० हालवे के स्थान पर।
2. श्रीबी० वी	ि बनर्जी	. उप-निवेशक निरीक्षण (धातु-रासायन)	वही	23-12-69	पूर्ति विभाग द्वारा उनके पन्न सं० 42/ 28/68 ई० एस०-II दिनांक 23-12-69 द्वारा प्रस्थायी पद के स्थायी बनाए जाने पर ।
3. श्री के० एर	न० मू र्ति	वही	वही	23-12-69	वही
-476GI/75			(1693)		

(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4. श्री गम० एन० दत्ता गृप्ता	सहा यक निदेशक निरी क्षण (धातु- रासायन) सेवा निवृत्त	वही	1-3-73	श्री एस० एन० दाम गुप्त के स्थान पर जो दिनांक 28-2-72 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

सूर्य प्रकाश, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक

इ<mark>स्पात भ्रौर खान मन्</mark>त्रालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियन्त्रण

कलकत्ता-700 020, दिनांक 4 फरवरी 1976 सं० ई० I-12(58)/71—लोहा श्रोर इस्पात नियन्त्रक, कलकत्ता के कार्यालय में लेखा श्रधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति की श्रवधि समाप्त होने के बाद श्री एस० ग्रार० रायचौधुरी को 27-11-75 से प्रभावी 110 दिनों का श्रीजन श्रवकाण स्वीकृत किया गया है।

2. अवकाश-समाप्ति पर श्री एस० आर० रायचीधुरी की सेवायें आपके मूल कार्यालय—शाडिट श्रीर एकाउण्ट निदेशक, डाक-तार, भण्डार, कर्मेशाला श्रीर तार-पड़ताल, कलकत्ता के सुपूर्व कर दी गयी होंगी।

> टी० घोष, लोहा ग्रीर इस्पात नियन्त्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-7000 13, दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० 2222 (एस० सी० एन०)/19ए०—श्वी सतीस चन्द्र नीढियाल को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, ग्रस्थाई क्षमता में, भागामी भादेश होने तक 16 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (एस० एन० यू०)/19ए०—श्री सुरेन्द्र नागराज उपाध्ये को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी श्रादेश होने तक, 5 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्र से नियुक्त किया जाता है। सं० 2222 (पी॰ के॰ आर॰)/19ए०—श्री प्रसान्तो कुमार राय को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, 650 रु० प्रसिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 24 नवस्वर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (एस० एस० एस०)/19ए०--श्री एस० एस० महस्रमुद्धे को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 ६० मासिक के श्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, श्रस्थाई क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक, 22 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाना है।

दिनांक 3 फरवरी 1976

सं० 2251 (एम० एस० ग्रार०)/19 बी०—-खिनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री एम० एस० रामास्वामी ने भारतीय भूवै-ज्ञानिक सर्वेक्षण में, ब्रीलर के पद का कार्यभार उसी क्षमता में, 3 सितम्बर, 1975 के पूर्वाक्ष से ग्रहण किया।

सं० 2251 (एम० एस० सी०)/19बी०—भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ खनिक सहायक श्री मेहर सिंह चौधुरी को उसी विभाग में, ड्रीलर के रूप में वेसन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में, श्रस्थाई क्षमता मे, श्रागामी भावेश होने तक, 1-12-1975 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जाता है।

> वी० के० एस० वरधन, महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 27 जनवरी 1976

सं० ए०-19012(47)/72-सि०ए०---राष्ट्रपति श्री श्रार०एम० उमाटेको 8 जनवरी, 1976के श्रपराह्म से आगामी अ।देश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी केपद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> ए० के० राघकाचारी, वरिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी कृते नियन्त्रक

राष्ट्रीय प्रभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० फा० 11-17/75-ए०-1--श्री कबीर कौसर, सहायक पुरालेखाधिकारी (पदक्रम 1) (प्राच्य ग्रभिलेख) को दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 से श्रागामी ग्रादेण तक तदर्थ श्राधार पर पुरालेखाधिकारी (प्राच्य श्रभिलेख) नियुक्त किया जाता है। श्री श्रार० श्रार० श्रग्रवाल, पुरालेखाधिकारी (प्राच्य श्रभिलेख) जो अवकाश पर हैं के स्थान पर]। यह तदर्थ नियुक्त उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए कोई श्रधिकार नहीं प्रदान करती श्रौर विरिष्ठता के प्रयोजन तथा श्रगले उन्चे पदक्रम (ग्रेड) में पदोक्षत होने की पात्रता के लिए नहीं गिनी जाएगी।

श्रीनन्दन प्रसाद, श्रभिलेख-निदेशक

म्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1976

मं० 2/12/75-एस०-तीन—सहानिदेशक, श्राकाशवाणी एतद्द्वारा श्री एस० के० पंगासा, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, श्राकाशवाणी, जेपुर (उड़ीसा) को तदर्थ श्राधारपर 17-10-75 (पूर्वाह्न) मे दृरदर्शन, श्राकाशवाणी, लखनऊ में सहायक इंजी-नियर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिह, प्रशासन उपनिदेशक (ई०) कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० ए०-30014 (3)/75-एम०-छः — महानिदेशक, श्राकाशवाणी एतद्द्वारा श्री श्रार० एन० मांझी, विस्तार श्रधि-कारी को दिनांक 16-6-75 से विस्तार श्रधिकारी के पद पर स्थायीवत रूप में नियुक्त करते हैं।

ं सं० ए० 300 14 (3)/75-एस०-छ: —-महानिदेशक, भ्राकाशवाणी, एतव्द्वारा श्री चरणजीत सिंह को विस्तार प्रधि-कारी के पद पर 9-5-75 में स्थायिवत पदक्षमता में नियुक्त करते हैं।

> प्रेम कुमार सिन्हा, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

(योजना और विकास एकक)

नई दिल्ली, विनांक 30 जनवरी 1976

सं० 2 (8)/68-डी० (एस०)—महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के कार्यालय के लेखाधिकारी, श्री एम० बी० रामकृष्णन् की क्षेत्रीय इंजीनियर (उत्तर), श्राकाशवाणी, नई दिल्ली के कार्यालय में 15-4-75 से दो वर्ष की अवधि के लिए 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में लेखाधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति की गई है।

यह प्रधिसूचना प्राकाशवाणी महानिदेशालय की प्रधिसूचना संख्या 2/8/68-डी० (एस०), दिनांक 17-5-75 के प्रधिक्रमण में है।

दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० 16 (37)/डी० (एस०)-67-II—महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के कार्यालय में लेखाधिकारी, श्री आर० पी० घोष की 14-4-1975 से 2 वर्ष की भवधि तक 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में केन्द्र इंजीनियर केन्द्रीय भण्डार, आकाशवाणी, नई दिल्ली में लेखाधिकारी के पट पर प्रति नियुक्ति की गई है।

यह्र अधिसूचना इस महानिदेशालय की अधिसूचना संख्या के० $(37)_{77}$ ी० एस०-167-H, दिनांक 16-5-1975 के अधि- कमण में है।

तिलक राज सभरवाल, उप विकास प्रधिकारी (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिवेगालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1976

सं ० 1-11/75-एडमिन 1--राष्ट्रपति ने श्री सत्यवत डे का 7 श्रप्रैल 1973 से श्रिखल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकता, में स्वास्थ्य इंजीनियरी (केमिकल श्रापरेशन) के सहायक श्रीफेसर के स्वायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 27 जनवरी 1976

मं० 19-15/72-एडमिन-1--श्री बी० कृष्णत ने जबाहर-लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा प्रनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में भौतिकी में रीडर के पद का कार्यभार 14 जुलाई, 1975 पूर्वाह्न से छोड़ दिया।

 श्री बी० कृष्णन ने उसी संस्थान मे 15 ग्रक्तूबर, 1975 पूर्वाह्न से भौतिकी में प्राध्यापक के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 19-16/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० ग्रार० सुन्दरेसन को जवाहरजाल सनातोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं श्रनुसंधान संस्थान, पांडीचेरी में 6 ग्रनेल, 1974 से रसायनज्ञ (नान-मैडिकल सहायक) (जीवरसायन) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० 17-25/74-एडमिन-1--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० सी० गंगल को केन्द्रीय श्रीषध मानक नियंतण संगठन में तकनीकी श्रधिकारी के स्थायी पद पर 28 श्रगस्त 1973 से स्थायी रूप से नियुक्त किया है। सं० 16-2/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक श्रीमती गुरवीप सिहा को केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा श्रीधकारी (क्षेत्र सर्वेक्षण प्रदर्शन केन्द्र) के पद पर 29-12-75 पूर्वाह्म से तथा श्रागामी श्राहेशों तक तदर्थ श्रवार पद नियुक्त करते हैं।

शुद्धि-पक्ष

सं० 17-25/74-एडमिन-1---11 जनवरी, 1975 के भारत के राजात के भाग 3, खण्ड 1 के पृष्ठ 218 पर प्रकाशित इस निर्देशालय की 10 विसम्बर, 1974 की प्रधिसूचना संख्या 17-25/74-एडमिन-1 में "28 ग्रगस्त 1973" के स्थान पर "29 विसम्बर, 1972 पढ़े"।

दिनांक 2 फरवरी 1976

स० 18-12/72-एडमित-1--उप-महानिदेशक वाणिज्य सूचता एवं सांख्यिकी (वाणिज्य मंत्रालय), कलकत्ता, के पद पर नियुक्ति हेतु प्रपते चयन के फस्वरूप श्री के० ए० डी० सिह्ना ने 15 जनवरी 1976 के श्रपराह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य सूचनालय सांख्यिकीविद् के पद का कार्यभार कि छोड़ विया।

दिनांक 4 फरवरी 1976

स० 3-1/75-एडमित-1—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय स्थितियालय सेवा के अनुभाग अधिकारी (मंत्रीमंडल कार्य विभाग) श्री के० जी० मार्मा को 22 जनवरी 1976 के पूर्वाह्म से श्रागामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली मे प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर नियुक्त किया है।

श्री के उडी शर्मा की प्रशासनिक श्रिधकारी के पद पर नियुक्ति के फलस्वरूप श्री के एस पार्थासार्थी ने 22 जनवरी 1976 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली में प्रशासनिक श्रिधकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 5 फरवरी 1976

स० 19-19/75-एडमिन-1---राष्ट्रपति ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं श्रनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी, में निवर्शक श्री टी० के० नम्बीनारायणन को उसी संस्थान में 5 अनवरी 1976 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक भौतिकी के प्राध्यापक के पद पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1976

स० 40-2/75-सी० एच० एस० 1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद को ग्राने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० ग्री० ग्री० ग्रेड 1 के ग्रधिकारी डा० एस० चटर्जी ने 29 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से क्षेत्रीय समन्वय संगठन राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, हैदराबाद, में उप सहायक निदेशक (चिकित्सा) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> रवीख्रमाथ तिवारी, उन निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, विनांक 6 फरवरी 1976

स० 41-39/75-डी० — स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक ने एतद् द्वारा श्री कपिल भागेव को स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय के केन्द्रीय श्रीयध मानक नियंत्रण संगठन के पश्चिमी क्षेत्र कार्यालय, बम्बई में 6 जनवरी 1976 के पूर्वाह्म से तथा श्रागामी ब्रावेशों तक श्रीयध नियंत्रक के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

> एस० एस० गोधोस्कर, भौषध नियंत्रक

कृषि एवं सिचाई मंद्वालय (ग्राम विकास विभाग) विषणन एवं निरीक्षण निवेशालय (प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 27 जनवरी 1976

स० फाइल 4-5 (64)/75-प्रगा० III — संघ लोक सेवा आयोग, की संस्तुतियों के अनुसार श्री ए० जी० देशपाण्डे को विपणन श्रीर निरीक्षण निदेशालय बम्बई में दिनांक 2 जनवरी, 1975 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा स्थानापन श्राधार पर विपणन श्रिधकारी, वर्ग 1, नियुक्त किया गया है।

दिनांक 28 जनवरी 1976

स० फाईल-4-13 (36)/75-प्र० III ---संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री मुलखराज ग्रोवर को भारत सरकार के कृषि विभणन सलाहकार द्वारा विभणन और निरीक्षण निदेशालय, मंद्रांस में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 23 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाक्ष) से अगले आदेश होने तक स्थानापन आधार पर कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सं० फाईल-4-5 (65)/75-प्र० III---संघ लोक सेवा प्रायोग की संस्तृतियों के प्रनुसार श्री एम० श्रार० वेषपाण्डे, सहायक विदणन श्रीधकारी को प्रधिकृत प्राधिकारी द्वारा विदणन श्रीर निरीक्षण निदेशालय, बम्बई में दिनांक 18 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से ग्राले श्रादेश होने सक स्थानापन श्राधार पर विदणन श्रीधकारी वर्ग-II, नियुक्त किया गया है।

दिनांक 2 फरवरी 1976

स० फाईल-4-6 (92)/75-प्रणा० I — संघ लोक सेवा ग्रायोग, मई दिल्ली, की संस्तुतियों के अनुसार श्री विजय कुमार सिह्धा को भारत सरकार के कृषि विषणन सलाहकार द्वारा विषणन श्रौर निरीक्षण निदेशालय बम्बई में विनांक 15 नवम्बर, 1975, (अपराह्म) से श्रगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन ग्रिधकारी, वर्ग II, नियुक्त किया गया है।

दिनांक 3 फरवरी 1976

स० फाईल-4-6 (102)/75-प्र० I—संघ लोक सेवा प्रायोग नई दिल्ली, की संस्तुतियों के प्रनुसार श्री रूपेन्द्र कुमार शिवराज पिल्ले को भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विपणन और निरीक्षण निदेशालय मद्रास में विनाक 10 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाल्ल) से अगले आदश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारो, वर्ग I, नियुक्त किया गया है।

दिनांक 5 फरवरी 1976

स० फाईल -4-6 (106)/75 प्रणा०-III---सघ लोकं सेवा प्रायोग की संस्तृतियों के प्रनुसार श्री मोहम्मद हदिस को भारत सरकार के कृषि विभणन सलाहकार द्वारा विभणन और निरीक्षण निदेशालय, भोपाल में दिनांक 12 जनवरी, 1976 (पूर्वाह्म) से अगते प्रदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विभणन अधिकारी, वर्ग-I, नियुक्त किया गया है।

दिनांक 6 फरवरी 1976

म ० फाईल -4-6 (103)/76 प्रणा०-III--स्घ लोक सेवा आयोग की संस्तृतियों के अनुसार श्री बृजिबहारी सिंह को प्रिधिकृत प्राधिकारी द्वारा विषणन और निरीक्षण निदेशालय, भोपल मे दिनाक 12 जनवरी, 1976 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी, वर्ग-I, नियुक्त किया गया है।

वी० पी० चावला , निदेशक, प्रशासन

वन साधनो का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 2 फरवरी 1976

स० 4-5/71-प्रशासन—श्वी टी० के० टी० एस० समानुजा-चार्युलू साख्यिकी प्रधिकारी, वन साधनों के निवेगानूर्व सर्वेक्षण, देहरादून की सेवाएं अनुसंधान अधिकारी के पद पर प्रति-नियुक्ति के लिए 15 जनवरी 1976 की प्रपराह्म से पी० एल० 480 अनुसंधान परियोजना 01-658-2 'वर्ध कोइर्ट के उतरजीवी और नतीजे', पोडिशाटरिक्स विभाग, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली को सीप दी गई।

स० 4-8/74 प्रशासन—श्री हस राज मिश्र जो कि वित्त-मंत्रालय के श्रार्थिक मामलों के विभाग में स्थाई सांख्यिकी ग्रन्थेषक है श्रीर जो कि वन साधनों के निवेशपूर्व सर्वेक्षण के सांख्यिक ग्रधि-कारी की हैंसियत से कार्य कर रहे थे, की सेवाए वरिष्ठ साख्यिकी श्रिधिकारी के पद पर नियुक्ति के लिए 14 जनवरी 1976 की पूर्वाह्न से राष्ट्रीय एटलस मंगठन को सौंप दी गई हैं।

> रमेश चन्द्रा, मुख्य समन्थयक

भाभा परमाणु भ्रानुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400 085, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं० पी० ए०/81 (113)/75 स्नार० 4—भाभा परमाणु स्रनुसंधान केंद्र के निदेशक यहां के एक स्रस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री रामचन्द राणीजी रानसुभे को 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से स्नागामी सादेशों तंक के लिये स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक स्थिकारी/इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 जनवरी 1976

सं० पी० ए० 28 1 (138)/75-श्रार० 4—भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निवेशक यहां के एक श्रस्थाई फोरमैन श्री शतीश चदर सेठ को 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी आदेशों तक के लिये इसी अनुसंधान केंद्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/ इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

> पी० उन्नीकृष्णन, उपस्थापना ग्रधिकारी (भ)

परमाणु ऊर्जा विभाग

तारापुर, दिनांक 29 विसम्बर 1975

मं० टी० ए० पी० एस०/प्रशासन/ 735-ए०,—तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी के पद से नियुक्त श्री आर० श्रार० बनदनी ने, इस पद पर संवर्ग प्राधिकारी द्वारा नियमित श्राधार पर एक पदधारी की नियुक्त की जाने पर, 20 दिसम्बर, 1975 के अपराह्म से तारापुर परमाणु बिजनीयर में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड दिया।

के० वी० सेतुमाधवन, मुख्य प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय इंधन सम्मिथ

हैदराबाद-500762, दिनांक 20 जनवरी 1976

सं० ना० ई० स०/प्रणा०/22/12/10 1---मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंघन सम्मिश्र, निम्नालखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने लिखी गई तिथियों से आगामी आदेशों तक के लिए नाभिकीय ईंघन सम्मिश्र, हैदराबाद, में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक प्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

	नाम	नियुक्ति	की तिथि
(1)	श्री टी० एल० रामचंद्रन (वैयक्तिक सहायक, परमाणु ऊर्जा विभाग)	1-12-75	(पूर्वाह्न)
(2)	श्री के० रामचंद्रन (स्थानापन्न प्रश्नीक्षक, परमाणु खनिज प्रभाग)	2-12-75	(पूर्वाह्न)
(3)	श्री एस० ए० श्रीनिवासन (स्थानापन्न सहायक, भाभा परमाणु ग्रनुसंघान केंद्र)	9-12-75	(पूर्वाह्म)
(4)	श्री सी० बी० गोपालकृष्णन (स्थायी स्नाशुलिपिक, भाभा परमाणु स्ननुसंधान केन्द्र)	8-1-75	(पूर्वाह्म)

एस० पी० म्हात्ने, वरिष्ठ प्रणासनिक प्रधिकारी

भारी पानी परियोजना

वम्बई-400 008, दिनांक 28 जनवरी 1976

सं० 05000/न०-54/559---भारी पानी परियोजनाओं के. विशेष कार्य अधिकारी, श्री नटराजन नारायण को भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) में 1 जनवरी, 1,976 (पूर्वाह्म) से श्रागे श्रावेश होने तक के लिए श्रम-तथा-कल्याण श्रधिकारी श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सस्यकीर्ति, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांफ 4 फरवरी 1976

सं० ए० एम० डी०-1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री दिवाकर गोस्वामी को 26 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से लेकर श्रागामी श्रादेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन रूप से वैज्ञानिक श्रीधकारी/इंजीनियर ग्रेड 5 बी०, नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा श्रधिकारी

रिऐक्टर श्रनुसंधान केंद्र

कलपक्कम, दिनांक 13 जनवरी 1976

सं० आर० आर०-सी० II-I (25)/72-पी०-445—
रिएक्टर अनुस्थान केन्द्र के परियोजना निर्देशक, मद्रान परमाणु
विद्युत परियोजना के स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री राधवचार्य
रचुनाथन को परमाणु ऊर्जा विभाग के सहायक कार्मिक अधिकारियों/
सहायक प्रशासन अधिकारियों के केन्द्रीय संवर्ग में शामिल करने के
लिए चुने जाने पर, 17 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेण
तक के लिए रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से सहायक
प्रशासन अधिकारी नियक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन, वरिष्ठ प्रशासन-प्रधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलोर-560025, दिनाँक 27 जनवरी 1976

सं० 10/3 (86)/75-सि० इ० प्र० (एच०)—श्रंतिरक्ष विभाग, सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य श्रिमयंता, कार्यालय महालेखापाल, तमिलनाडु, मद्रास के श्रनुभाग श्रिधकारी श्री के० रामास्वामी को, श्रंतिरक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 1-12-1975 से प्रतिनियुक्ति पर श्रागामी श्रादेश तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

पी० म्राई० यू० नम्बियार, प्रशासन मिक्कारी कृते मुख्य मिमयंता

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 27 जनवरी 1976

सं० ई० (1) 04091—वैधशालाओं के महानिवेशक, बम्बई प्रावेशिक मौसम केन्द्र के निवशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री ए० के० बसु को 1-1-1976 के पूर्वाह्न से 31-1-1976 तक इकत्तीस दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषक, श्री ए० के० बसु बम्बई प्रादेशिक मौसम के ब्र के कार्यालय मे ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04261—-वैद्यालाम्रों के महामिदेशक, वैध-शालाभ्रों के उपमहानिदेशक (अलवायु विज्ञान भ्रौर भू-मौतिकी) के पूना कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री बी० गोपीनाथ राव को 1-1-1976 के पूर्वाह्म से 29-3-1976 तक नवासी दिन की भ्रविध के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्ति करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विश्लेषज्ञ श्री गोपीनाथ राव वैध-णालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान ग्रौर भू-भौतिकी) के पूना कार्यालय में ही तैनास रहेंगे।

सं० ई० (1) 04285—वैधणालाग्रों के महानिदेशक वैध-णालाग्रों के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी) के पूना-कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री ए न० वी० परमेश्चरन को 1-1-1976 के पूर्वाह्म से 13-2-1976 तक चवालीस दिन की ग्रविध के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री परमेश्वरन वैधशालास्रों के उप-महानिवेशक (जलवायु विज्ञान श्रीर भू-भौतिकी) के पूना कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 28 जनवरी 1976

स० ई० (1) 05853--वैधशालाओं के महानिदेशक मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री टी० वी० वैधनाथन की 1 जनवरी 1976 के पूर्वाह्न से और ग्रागामी ग्रादेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषक्ष, श्री टी० वी० वैधनाथन, महास प्रदिशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही सैनात रहेंगे।

दिनाक 3 जनवरी 1976

सं० ई० (1) 07161—-वैधशालाओं के महानिदेशक, वैधशालाओं के महानिदेशक, वैधशालाओं के महानिदेशक के नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री श्रोंकारी प्रसाद, की 1 जनवरी 1976 के पूर्वाह्न से 7-2-1976 तक ग्रठतीस दिन की भवधि के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ निमुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषन श्री श्रोंकारी प्रसाद, वैधशालाओं के महानिदेशक के नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिमांक 5 फरवरी 1976

सं० ई० (1)04318—वैधशलाम्रों के महानिदेशक, वेधशालाम्रों के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान मौर भू-भौतिकी), पूना के कार्याक्षय के व्यवसायिक सहायक श्री एच० श्रार० गनेसन को 2-1-1976 के पूर्वाह्म से 9-2-1976 तक उन्तालीस दिन की भवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषण नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम वशेषज्ञ श्री गनेसन वैधशालान्नों के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान श्रीर भू-भौतिकी) पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 07061—वैश्वशालाख्यों के महानिदेशक मद्रास प्रावेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के श्रधीन तिवेन्द्रम मौसम केन्द्र के व्यवसायिक सहायक श्री एस०रंगराजन को 7-1-76 के पूर्वाह्य से 15-2-1976 तक चालीस दिन की भवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषक नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री रंगराजन मद्रास श्रा देशिक मौसम केन्द्र के श्रधीम विवेन्द्रम मौसम केन्द्र में ही तैनात रहेंगे।

सं० ६० (1) 05132—वैधशालाओं के महानिवेशक कलकत्ता प्रावेशिक मौसम केन्द्र के निवेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री एम० एल० घोष को 3-1-1976 के पूर्वाह्म से 15-2-1976 तक चवालीस दिन की भवधि के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषक्ष श्री घोष कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

> एम० श्रार० एन० मनियन, मौसम विशेषज्ञ कृते वैधशालाश्रों के महानिदेशक

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1976

सं० ए० 32014/2/75ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखत 38 तकनीकी सहायकों को (जो तदर्थ प्राधार पर सहायक तकनीकी प्रधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं) 6 जनवरी, 1976 से तथा अगले श्रादेश होने तक नागर

विमानन विभाग में नियमित आधार पर सहायक तकनीकी श्रधि-कारी के पद पर नियमत किया है :---

कारी के पद पर नियुक्त किया है:	
कम नाम	तैनाती स्टेशन
मं०	
ा. श्री ए० राजगोपा लन .	अम्ब ई
 श्री मुख्यतियार सिंह 	क लक सा
3. श्री भार० राममूर्ती	कस् क ला
4. श्री सी० एन० महादेव	पालम
 श्री एम० राधवन , 	मद्रास
६ श्री एम० ग्रप्पाराव	मद्रास
 श्री सी० हरमन 	बेगम्पे ट
 श्री डी० सी० डब्गोला . 	जम्मू
9. श्रीएम०एल० डे	कलकता
10. श्री एम०पी० सामा	सी० ए० टी० मी०
11. श्री एस० के० भट्टाचा र्य	क लकत्ता
12. श्री एच एस० सरना .	पा लम
13. श्री एन० एस० ग्राप्टे .	नाग पु र
14. श्रीजी०एम०राव , .	कलकत्ता
15. श्री धार्ष्० एम० कृष्ण न .	कलकत्ता
16. श्रीके०सी०देवगण .	रे डियो निर्मा ण एवं
	विकास एकक
17. श्रीवी०पी०नारंग	स फदर जंग
18. श्री ए० के० डे	केल करा ।
19. श्री द्यार े विट्ट ल सिंह	यम्ब ई
20. श्री टी० एन० विश्वनाथन .	मद्रास
21. श्री पी० सी० जैन	स फद रजंग
22. श्री बी० के० शर्मा .	सफदरजंग
23. श्री हरभगवा न	भाव नगर
24. श्रीटी० डी० शर्मा	बम्बई
25. श्री एम० के० चटर्जी	इम्फाल
26. श्री पी० के० सेनगुप्ता	कलकत्ता
27. श्री जी० डी० कुलकर्णी .	वस्बई
28. श्री प्यारा सिंह	क लक त्ता
29. श्री इन्द्रजीत शर्मा	सी ० ए० टी० सी०
30. श्री टी० आर० मेनन	कलक त्ता
31. श्री जी० एस० कोचीकर .	बम्बई
32. श्री के० एस० बालासुब्रह्मण्यम .	बम्बई
33. श्री मनोहर सिंह	कुद
34. श्री पी० एन० नायर .	गोहाटी
35. श्री एम े डी० रंगनाय न .	मन्नास
36. श्री एच० एन० शर्मा .	पालम
37. श्री वाई० पी० भाटिया .	बारापानी
38. श्री बी० ग्रार० राव .	अम्बर्द

विनांक 23 जनवरी 1976

सं० ए० 32013/4/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्निलिखत 4 तकनीकी अधिकारियों, जो इस समय उनके नामों के सामने दिए गए देशों में प्रतिनियुक्ति पर है को 1 दिसम्बर 1975 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक प्रोफार्मा पदोक्षति प्रदान की है:---

क्रम नाम सं०	जिस देश में प्रति- नियुक्ति पर हैं	जिसतारीख से प्रति- नियुक्ति पर हैं।
1. श्री एम० ए० वेणुगोपाल	जाम्बिया	23-7-1975 (ग्रपराह्न)
2. श्री एस० वेंकटेश्वरन	येमन गणतंत्र	6-6-1974
3. श्री के० श्रीनिवासन	येमन गणतंत्र	1-6-1974
4. श्री डी० एस० श्रीवास्तव	जा म्बिया	14-5-1975 (भ्रपरा ह्न)

दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० ए०-38013/1/75-ई० सी०---महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एव० एस० भारद्वाज सहायक संघार अधिकारी वैमानिक संचार सेवा सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली को मूल नियम 56 (ट) के उपवन्धों के अनुसार 31-12-1975 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रवान कर दी हैं।

सं० ए० 32014/2/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री पी० सी० के० नायर संचार सहायक वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलीर को 24-12-1975 से झगले आदेश होने तक सहायक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

> हरबंस लाल कोहली उपनिवेशक प्रशासन कृते महामिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिमांक 31 जनवरी 1976

सं० ए०-32013/4/75-ई० सी०--राष्ट्रपति में श्री पी० के० बी० नायर सहायक तकनीकी श्रीधकारी वैमानिक संचार स्टेशन नागपुर को नागर विमानन विभाग में 9 जनवरी 1976 (अपराह्म) से अगले आदेश होने तक तकनीकी श्रीधकारी के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें निदेशक रेडियो निर्माण एवं विकास एकक नई विल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए०-38012/1/75-ई० सी०---निवर्तन आयु प्राप्त करने पर निम्निखित दो संचार श्रीधकारी 31-12-1975

(अपराह्न) से सरकासी सेवा से निवृते हो गए हैं:---

क्रम सं० नाम	तैनाती स्टेशन
1. श्री पी० बी० ह्यामरे	. वैमानिक संचार स्टेशन, क लकसा ।
2. श्री के० के० दास	. वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली ।

दिनांक 2 फरवरी 1976

सं० ए०-32013/2/75-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 26/28 जुलाई 1975 की मिधिसूचना सं० ए०-32013/2/75-ई० सीं० के कम में राष्ट्रपति ने श्री बी० बी० बंदोपाध्याय की नियंत्रक संचार कलकत्ता एयरपोर्ट दमदम के पद पर तदर्थ पदोन्नति की अवधि 1-9-1975 में 29-2-1976 तक बढ़ा दी है।

हरबंस लाल कोहली, उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-110022, दिनांक 4 जनवरी 1976

सं० ए०-41012/1/74-ई० एघ०—भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी एयर कमोडोर ए० एफ० गामा, जिन्हें 17 सितम्बर, 1973 से नागर विमानन विभाग में उड़ान परीक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया था, तथा भारतीय वायुसेना से उनके सेवानियृत्त होने पर 7 अक्तूबर, 1973 से पुनः उसी पद पर नियुक्त किया गया था, की सेवाएं 17 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से समाप्त कर दी गई हैं। एयर कमोडोर ए० एफ० गामा की केन्द्रीय सिनिल सेवा (अवकाश) नियमावली, 1972 के नियम 39 (7) के अनुसार 17 सितम्बर, 1975 से 15 नबम्बर, 1975 तक 60 दिन का अजित अवकाश स्वीकृत किया गया था।

विनांक 29 जनवरी 1976

सं० ए०-32013/15/75-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री ग्रार० नरसिंम्हन स्थायी वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रधकारी को नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली में तदर्थ श्राघार पर उपनिदेशक श्रनुसंधान एवं विकास के पद पर 22 जनवरी, 1976 की पूर्वाह्म से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा श्री पी० सार० चन्द्रसोखर, उपनिदेशक श्रनुसंधान एवं विकास, जिन्हें विभिन्न प्रकार के विमानों तथा हेली-काष्टरों के एफ० ए० ए० उड़नयोग्यता डिजाइन एवं परीक्षण श्रपेक्षाग्रों भौर कार्यविधियों संबंधी विषय पर श्रध्ययन के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए संयुक्त राज्य श्रमेरिका भेजा गया है, के प्रतिनियुक्ति से वापस श्राने पर कार्यभार ग्रहण कर लेने तक, इनमें जो भी पहले हो, नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन सहायक निद्रेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी, 1976

सं० ए०-32013/5/75-ई०ए०—राज्यपित ने निम्नलिखित श्रिधकारियों की विमानक्षेत्र श्रिधकारी के पद पर हुई नदर्थ नियुक्तिकी श्रवधि 31मार्च, 1976 तक अथवा इन पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने की स्वी-कृति प्रदान की है:—

- कम	 नाम	तैनाती स्टेणन
सं०		
1.	भीके पी वी मेनन .	मंगलौर
	श्रीवी ग्रार विग्वनाथन	भोपाल
	श्रीएम सी जोशी .	मुख्यालय वि० ग्रिधिकारी
	,	ँ(वै० सूचना मेवा)
4.	श्रीभ्रो पी ढीगरा .	मुख्यालय, वि० ग्रधिकारी
		् (योजना)
5.	श्रीएम पीखोसला .	<i>उ</i> धमपुर
6.	श्रीजे एस ग्रार के शर्मा	मद्राम
	श्रीके एम प्रसाद .	मोहनबाद्धी
8.	श्रीएन डी घोष .	दमदम
9.	श्रीरवितनखा	मफदरजंग
10.	श्रीसी ग्रार राव .	राजकोट
11.	श्रीकुदन लाल	ग्रौरंगाबाद
12.	श्रीजेके सरदाना .	श्रीनगर
	श्रीके सी मिश्र .	मांता ऋ ज
	श्रीजी बी के नायर .	साताऋुँज
	श्रीडी डी सरदाना .	सफदरजंग
	श्री के एम वेंकटच।लिहा	सांता ऋ ज
17.	श्रीएम दयाल .	मुख्यालय, विमानक्षेत्र ग्रधि-
		कारी (विमान सुरक्षा)
	श्रीएम सी सेखड़ी	उदयपुर
	श्रीएम पी जैन	सफदरजंग
	श्रीएस के जैन .	पालम
	श्रीडी रामानुजग .	सफदरजंग
	श्रीए टी०वर्गीज	कुंभीरग्राम
	श्रीके वी एस राव .	मद्रास
	श्रीएन पी शर्मा .	सफदरजंग
	श्रीएस के बनर्जी .	दमदम
26.	श्रीग्रार कोदण्डारमण . —:-	द्रिचिरापल्ली
		- चित्तरंजन कुमार वत्स,

विदेश संचार सेवा

सहायक निदेशक प्रशासन

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1976

सं॰ 1/403/76-स्था०--श्री विद्या णंकर पाण्डे को 1ली जनवरी, 1976 के पूर्वाल से और श्रागामी श्रादेश तक स्विचिंग समूह, बम्बर्ड में श्रस्थायी रूप से सहायक श्रीभयंता नियुक्त किया जाता है।

2-476 GI/75

सं० 1/399/76-स्था०—मद्रास शाखा के स्थायी ज्येष्ठ फोरमैन, श्रीपी० एन० सून्दरम् को 1ली जनवरी, 1976 के पूर्वाह्म से श्रीर श्रागामी श्रादेणो तक उसी गाखा में स्थानापन्न रूप से सुख्य मैकेनिशियन के पद पर नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले, महानिदेशक

बम्बर्ड, दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० 1/397/76-स्था०--विदेश संनार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा बम्बई शाखा के ज्येष्ठ फोरमैंन, श्री ई० सी० श्राफोन्सों को श्रल्पकालीन रिक्त स्थान पर 1ली दिसम्बर, 1975 से लेकर 3री जनवरी, 1976 (दोनों दिन समेत) तक की श्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में मुख्य मैंकेनिशयन के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० एम० वृद्ध्णस्थामी, प्रशासन श्रधिकारी, **कले** महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1976

सं० 1/395/76-स्था०- — महानिदेशक ने बम्बई शाखा के प्रस्थायी महायक श्रिभयंता, श्री जसबीर सिंह सादना का सरकारी सेवा से त्यागपत्र 17 जनवरी, 1976 के श्रपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

पा० कि० गोविन्द नायर, उप निदेशक (प्रशा०) इते महानिदेशक

नारकोटिक्स विभाग स्वालियर, दिनाँक 31 जनवरी 1976

मं० 39—-श्री ए० के० दाम, जिला श्रफीम श्रिशिकारी, मंदमीर-1 प्रभाग को, 1 सितम्बर, 1975 में क० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में, क० 810 00 के चरण पर दक्षतारोध पार करने की श्रनमित दी जाती हैं।

श्रभिलाष शंकर, भारत का नारकोटिक्स ग्रायुक्त

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली, विनांक 24 जनवरी 1976

सं० क०-19012/558/75-प्रशा० 5---विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-2) की सिफारिशों पर ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग ग्रपने प्रमाद से श्री डी० के० गर्मा जो इस श्रायोग में श्रनुसंधान महायक हैं, को केन्द्रीय जल ग्रायोग में सहायक श्रनुसंधान श्रधिकारी (वैज्ञानिक-रसायन ग्रुप) के पद क्षम में 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 स्पर्य के

वेतनमान मे 15 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से जब तक आगे आदेश नहीं होते, स्थानापन्न क्षमता में नियमित रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री डी० के० शर्मा उपर्युक्त तारीख ग्रर्थात् 15-12-1975 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय जल ग्रायोग में सह।यक ग्रनुसधान ग्रधिकारी (रसायन) के पदकम में दो वर्ष की श्रवधि के लिए परिवीक्षा पर होगे।

स० क०-19012/557/75-प्रशा० 5--- प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल प्रायोग प्रपने प्रमाद से श्री जी० एम० कोटावार इस प्रायोग के श्रनुसंधान महायक को केन्द्रीय जल श्रीर विद्युत् श्रन्मधानशाला, पूना मे महायक श्रनुसंधान श्रिधकारी (वैज्ञानिक-भौतिकी ग्रुप) के पदक्रम मे स्थानापन्न क्षमता में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 रुपये के बेतनमान में 17 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्र) से 29-2-1976 तक श्रथवा जब तक इस ग्रेड के रिक्त स्थानो को नियमित रूप में भरा जाएगा, जो भी पूर्व हो, पूर्णत श्रम्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनाक 27 जनवरी, 1976

स० क-19012/197/70-प्रशा० 5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-19012/197/70-प्रशा० 5 दिनाक 6 मई 1970 का प्राशिक आशोधन करके अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (इस समय केन्द्रीय जल आयोग) अपने प्रसाद से श्री जी० सी० वधवा, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध) इस समय केन्द्रीय जल आयोग मे श्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियता/महायक अनुस्धान अधिकारी (इजीनियरी) के पदकम मे अप्रयोगम्लक रूप मे स्थानापन्न क्षमता मे 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रुपये (संशोधन पूर्व) के वेतनमान मे 22-1-1969 मे नदर्थ रूप में नियक्त करते हैं।

श्री जी जी निष्या को उपर्युक्त तारीख से केन्द्रीय जल श्रीर विद्युत् श्रायोग (जल स्कध), नई दिल्ला मे श्रतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार सभाले हुए माना जाए।

> कें० पी० बी० मेनन, श्रवर सचिव कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनाक 2 फरवरी 1976

स० क-19012/546/75-प्रणा०-5-संघ लोक सेवा भायोग द्वारा चयन किए जाने के परिणामस्वरूप भ्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्रपने प्रसाद से श्री नथी सिंह को केन्द्रीय जल श्रायोग में सहायक भ्रनुसधान भ्रधिकारी (भौतिकी-मुप) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 हपये के वेतनमान में 5 जनवरी 1976 के पूर्वाह्र से नियुक्त करते हैं। 2 श्री नथी सिंह उपर्युवत तारीख तथा समय से दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर होगे।

> के० पी० बी० मेनन, श्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनाक 5 फरवरी 1976

स० 3-368/75-सी० एच० (६०) --श्री डी० एम० रामा राय को महायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० वी०-35-880-40-1000-ई० वी०-40-1200 के प्रन्तर्गत श्रम्थाई व तदर्थ श्राधार पर उनके मुख्यालय बैंगलोर के साथ दिनाक 10-3-75 (पूर्वाह्म) से 24-10-75 (श्रपराह्म) तक नियुक्त किया जाता है।

स० 3-350/74—सी० एच० ई०—सघ लोक सेवा आयोग की चयन के फलस्वरूप श्री डी० बी० गोटी को सहायक जल भू-विज्ञानी वर्ग-II (राजपितत) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय शोलापुर के साथ दिनाक 1-1-76 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख, मुख्य जल भू-विज्ञानी

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग प्रमुख इजीनियर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनाक 28 जनवरी 1976

स० 5/6/75-ई० सी०-I—-राष्ट्रपति, 1974 में हुई इजीलियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के श्राधार पर निम्नलिखित श्रभ्यांथयों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इजीनियरी सेवा श्रेणी-I/केन्द्रीय विद्युत् इजीनियरी सेवा श्रेणी-I में सहायक कार्यपालक उजीनियर (सिविल/विद्युत्) के श्रस्थायी पदो पर उनके नाम के श्रागे दी हुई तिथि से नियुक्त करते हैं —

केन्द्रीय इजीनियरी सेवा श्रेणी-J

1.	श्रीराकेश	मिश्र	26-12-75
2	श्री एन०	के० सिनहा	6-1-76
3	श्री रणवीर	र सिह	6-1-76

केन्द्रीय विद्युत् इजीनियरी सेवा श्रेणी-।

श्री ए० सी० सूरी 3-1-76

2 श्री जी० नेलसन राज 9-1-76

दिनाक 2 फरवरी 1976

स० 27-ई०/पी० (14)/70-ई० सी०-II--केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित श्रीधकारी वार्धक्य की श्रायु प्राप्त करने पर 31-1-1976 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए:

न	ŗ	H
	٠	-

वर्तमान पदनाम

- 1. श्रीपी० म्रार० पुरी
- कार्यपालक देजीनियर, श्राकाण्-वाणी (सिविल निर्माण विग) बम्बई में प्रतिनियुक्ति पर ।
- 2. श्री डी० भ्रार० चौपड़ा

कार्यपालक इंजीनियर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली मे प्रति-नियुक्ति पर ।

- 3. श्री आई० जे० खपानी
- निर्माण गर्वेक्षक, ग्रधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (विमानन) कार्यालय के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली।

पी० एस० <mark>पारवानी,</mark> प्रशासन उप निदेशक

केन्द्रीय विजली प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1976

स० 6/2/75-प्रशासन-2---प्रध्यक्ष , केन्द्रीय विजली प्राधि-करण, एतद्वारा, श्री एग० ए० खान, तक्तीकी सहायक को 31-12-1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय विश्वत् इंजीनियरी श्रेणी-दो सेवा के ग्रतिरिक्त सहायक निदेशक/महाया श्रीभयन्ता के ग्रेड में निक्कत करते हैं।

जंगणेर मिह, श्रवर सचिव

रेल मवः लय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनाक 27 जनवरी 1976

सं० 74/ब्रार० ई०/161/1---सर्ग-माधारण की सूचना के लिए यह अधिस्चित किया जाता है कि खुर्जा जक्शन (छोड़कर) से गाजियाबाद (मिहत) तक के खण्ड पर, सरचना सं० 1371/23-24 से डाउन मुख्य लाटन पर सरचना सं० 18/24 तक और अप मुख्य लाइन पर संरचना सं० 18/29 तक (नई दिल्ली की ब्रोर में कि० मी०) 25 किलोवाट ए० सी० बिजली कर्पण चालू करने के सम्बन्ध में, सभी समपारों पर उंचाई के ब्रामान लगाये गये हैं जिनकी भड़क के स्तर से स्पष्ट उचाई 4.67 मीटर (15 फुट 4 इंच) है, तािक श्रत्यधिक उचाई के लोड्म को बिजलीयुक्त कर्षण तारों के सम्पर्क में श्राने अथवा खतर की परिधि में श्राने से रोका जा मके। जनता को एतद्वारा श्रिधस्चित किया जाता है कि बाहनों का लदान करने के उद्देश्य से उपर बिनिदिष्ट उंचाई का ध्यान रखे और यह स्निष्चित करें कि सड़क बाहनों में ले जाये जाने बाले लोड्स किसी भी हालत में उंचाई के श्रामानों का उल्लंघन न करें।

ग्रत्यधिक ऊंचाई के लोड्स ले जाने में निम्नलिखित खतरे हैं:---

(i) ऊंचाई का ग्रामान उखाड फेका जायेगा जिससे सडक एवं रेलवे लाइन पर क्कावट हो जायेगी।

- (ii) ढोया जाने वाला सामान या उपकरण (ग्रथवा स्वयं वाहन भी) क्षतिग्रस्त हो सकता है ।
- (iii) बिजलीयुक्त कण्डक्टरो के साथ सम्पर्क हो जाने श्रथवा खतरेकी परिधि में ग्राजानेके कारण श्राग लगसकती हैं जिससे जीवनको जीखिम हो सकता हैं।

स० 74/प्रार० ई०/161/1--रेलवे लाइनों थ्राँर परिमरों के सभी उपभोक्ताओं की प्राम सूचना के लिए एतदब्वारा , अधिसूचित किया जाता है कि अजायबपुर संक्षानिंग पोस्ट से गाजियाबाद (सिहत) खण्ड पर संरचना सं० 1403/17-18 से डाउन मुख्य लाइन पर संरचना सं० 18/24 तक श्रौर थ्रप मुख्य लाइन पर संरचना सं० 18/24 तक श्रौर श्रप मुख्य लाइन पर संरचना सं० 18/29 तक (नई दिल्ली की ग्रोर से कि० मी०) ए० सी० ऊपरी वर्षण तारों में 2-2-76 को श्रथवा इसके बाव 25 किलोबाट बिजली प्रवाहित कर दी जायेगी। इसी तारीख से ऊपरी वर्षण लाइन को हर समय बिजली-युक्त माना जायेगा श्रौर कोई भी ग्रनधिकृत व्यक्ति उसके पाम नहीं जायेगा श्रौर नहीं उसके निकट काम करेगा।

दिनाक 28 जनवरी 1976

सं० 74/म्राप्० ई०/161/1--रेलवे लाहनो म्रीर परिसरो के सभी उपयोगकतिमों की म्राम सूचना के लिए एतद्हारा म्रिधस्चित किया जाता है कि खुर्जा (छोड़कर) से प्रजायबपुर सेकणनिंग पोस्ट (सिहत) खण्ड पर (संरचना सं० 1371/23-24 से सरचना सं० 1403/17-18 तक) ए० सी० ऊपरी कर्षण तारों पर 12-1-1976 से म्रथवा इसके बाद 25 के० वी० बिजली प्रवाहित कर दी जायेगी। इसी तारीख से, ऊपरी कर्षण लाहन को हर समय विजलीयुक्त माना जायगा म्रीर कोई भी म्रनिधकृत व्यक्ति उसके पाम नही जायेगा म्रीर न ही उसके निकट काम करेगा।

श्रमृत लाल गुप्त, सचिवः, रेलवे बोर्ड

उसर रेलवे

नई विल्ली, विनांक 17 विसम्बर 1975

म ० 17---- जतर रेलवे के याहिक इंजीनियरी विभाग के निम्नलिखित ग्रधिकारी प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से रेल सेवा से ग्रन्सिम रूप से सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

- 1. श्री भीम सन शर्मा सहायक निर्माण प्रबन्धक, 30-11-74 कालका में
- 2. श्री सत लाल मिल कि स्थानापन्न महायक यात्रिक 31-10-75 हजीनियर (एम० श्रार०) से प्रधान कार्यालय

वी० पी० साहनी, महापत्रन्धक

पृर्वोत्तर सीमा रेलर्वे पाण्ड, दिनाक 20 <mark>जनवरी 7</mark>6

सं० $$6/55/11^{1}/94$ पं० \$26(0)—-सिविल \$30-6

उनके नाम के सामने उल्लिखित दिनाक से प्रवर वेतनमान में स्थायी क्षिया जाता है ।

(1) श्री तीरथ प्रकाश

18-6-73

(2) श्री एस० के० काजी लाल

15-7-73

(3) श्री बी० डी० गुह विश्वाम

1-4-74

एच० एल० वर्मा

महाप्रबन्धक

मध्य रेल

बम्बई बी० टी०, दिनांक 29 जनवरी 76

स० एव० पी० बी०/220/जी०/फाई० (डब्ल्यू०) - भारतीय रेल इंजीनिपरी सेवा के परिवीक्षाधीन ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त श्री ग्रार० के० सिह को दि० 17-4-1975 से श्रवर वेसनमान में सहायक इंजीनियर के रूप में स्थायी किया गया है।

> बसंत द<mark>याल मेहरा,</mark> महाप्रबन्धत्र

वृति ग्रीर पूनकोस मंत्रासय

(पुनर्वास विभाग)

ं मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय पुनर्वास भूमि उद्घार संगठन

जयपुर-764003, दिनाक 24 जनवरी 1970

रा० पी० 3¹1---श्री राम प्रकाण चन्दर को के द्वीय लोक सेवा श्रायोग को मिफ्रिश पर दिनाक 16 जनवरी 1976 के पूर्वाह्म से सहायक श्राभियता के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेलन मान मे श्रगला आदेश जारी होने तक पुनर्वास भूमि उद्घार संगठन, में नियुक्त किया जाता हैं।

2. श्री चन्दर ने दिनाक 16 जनवरी 1976 के पूर्वाह्म से पूनर्वास भूमि उद्घार संगठन, के यूनिट 14 हटबे लिटिल श्रंडमान में गहायक श्रीभयंता के पद पर कार्यभार संभाला।

एन० सन्यम्ति, प्रचालन अभियंता

कम्पनी कार्यविभाग

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1975

. सं० 7935/टी० ए० / 247 (5):—-पतः स्रीरियंट चिटफड लिमिटड, जिसका रिजस्ट्रीकृत कार्यालय रूम नं० 62 बांम्बे म्युचुम्नल बिल्डिंग पस्ट फलोर हार्नेदी रोड बम्बई-1 में है, का समापन किया जा रहा है। श्रौर यतः श्रधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नही हो रहा है श्रौर यह कि लेख (विवर्णयां समापक ढारा दिये जाने के लिए श्रपेक्षित है, छह कमवर्ती मास के लिये नही दी गई हैं,

श्रतः श्रव कम्पनी श्रीधनियम, 1973 (1973 का 1) की धारा 247 की उपधारा (5) के उपबधों के श्रनुगरण में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की ठारीख में तीन मास के श्रवसान पर श्रीरियंट चिटफंड लिमिटेड का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दिशत नहीं किया जाता है तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विषटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अघिनियम 1956 एवं होटल पैलेस अजंठा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनाक 23 जनवरी, 1976

सं० 14573 (560) (5) —-कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि होटल पैलेस अंजंठा प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भ्रीर उक्त कम्पनी विघाटड हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं सालार स्ववेशी कर्माशयल बैंक लिमिटेच के विषय में।

बम्बई, दिनाक 2 फरवरी 1976

स० 259 / 560 / (3) :---- कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सालारा स्वदेशी कर्माणयल बैंक लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष्ण कारण दिशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विविद्त कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं वैंक श्राफ नागपुर लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1976

स० 72089 | 560 (3) :— कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर बैंक श्रॉफ नागपुर लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिष्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्, कम्यनियो का ऋतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र

कम्पनी प्रधिनियम 1956 ग्रीर दी पटियाला गुड्स बुकिंग एजेन्सी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1976

सं० 3127/328 :---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एत-द्वारा सूचना दी जाती है कि दि पटियाला गुड्स बुंकिंग एजेन्सी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

भ्रार० के० जैन, सहायक राजिस्ट्रार म्राफ कम्पनीज, दिल्ली कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956, श्रीर काश्मीर पाँवर इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड नीलोफर मन्जिल, वरजन्ना, श्रीनगर,।

श्रीनगर, दिनां क 9 जनवरी 1976

सं० पी० सी० /369 :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर काण्मीर पाँवर इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कमनी विघटित कर दी जायेगी।

जं० एन० कौल, कम्पनियो का रजिस्ट्रार, जम्मृ ग्रौर काश्मीर, श्रीनगर

कर्मनी प्रधिनियम, 1956 और मैं० रोशिनी हायर परचेजिंग कम्पनी एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनाक 17 जनवरी 1976

स० साख्यिकी/1477/:— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एत-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसान पर रोशिनी हायर परचेजिंग कम्पनी एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विवटित कर दी जाएगी।

कम्पनी स्रोधनियम, 1956 स्रौर मै० श्री गंगानगर जनरल एक्सचेज लिमिटेड के विषय में ।

जयपूर, दिनाक 17 जनवरी 1976

स० साख्यिकी | 1343|:--कम्पनी प्रधिनिथम, 1956 की धारा 560 की उत्थारा (3) के अनुसरण में एत-दृहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारी ज से तीन माम के अवसान पर श्री गगानगर जनरल एक्सचेज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात नहीं किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

रामदयाल कुरील, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, राजस्थान, जयपूर

कम्पनी श्राधिनियम, 1956 एवं सिटी टैंक्सी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनाक 28 जनवरी 1976

सं० 1058 टीं० (560) :---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सिटी टैक्सी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिज-टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

श्रो० पी० जैन, कम्पनी रजिस्ट्रार, श्राध्न प्रदेश, यभ्यती अधिनियम, 1956 श्रीर करूर श्री लक्ष्मी नारायण प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 29 जनवरी 1976

सं० डी॰ एन० / 1281 / 560(3)/75:— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनु-सरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर करूर श्री लक्ष्मी नारायण प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत वारण व्हित न विद्या गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एम० श्रीनिवासन्, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, तमिलनाडु, मद्रास

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर दी विनोद दाता प्रौसे-सिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वा लियर, दिनांक 30 जनवरी 1976

सं० 1969-टेक/2397: - कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दी विनोद दाता प्रौरंक्षिण सिवसेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

महेण प्रसाद, कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 श्रौर न्यू श्रंगरपथरा कौलियरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनाक 2 फन्वरी 1976

सं० 1 (900) 75-76/ 8509 :— कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के म्रवसान पर न्यू म्रगरपथरा कौ लियरी कम्पनी प्राइवेट लिमि-टेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिखाया नहीं गया तो रिजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाण तायल, कम्पनी निबंधक, बिहार, पटना

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर लामरिन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

एरणाक्लम, दिनांक 3 फरवरी 1976

सं० कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधःरा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लामरिन प्राइवेट लिमि- टेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणित न किया गया तो रिल-स्टर से काट दिया जाएगा श्रीरकम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर वेणाड बेग लिमिटेड के विषय में।

एरणाकुलम, दिनाक 4 फरवरी 1976

सं ० 1249/लिख/--/76:--कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, वेणाड बेग लिमिटेड का नाम धाज रिज-स्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956, श्रौर वेणाङ एफ्रिकलचरल ग्रेईन कम्पनी लिमिटेड के विषय में ।

एरणाकुलम, दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० :---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956, की धारा 560 की उपधारा(5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि, वेणाड एग्निकलचरल ग्रेईन कम्पनी लिमिटेड का नाम रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

पी० एस० घ्रन्वार, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल एरणाक्लम

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं गौहाटी बैंक लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 4 फरवरी 1976

सं० 317/560/4916:— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के उपबंधो के श्रनुसरण में एतद्बारा मूचित किया जाता है कि गौहाटी बैंक लिमिटेड का नाम रजिस्टर से काट दिया गया है क्यों कि यह बैंक पूर्वचिल बैंक लि० के साथ बैंकिंग श्रिधिनियम, 1949 की धारा 44ए० के श्रन्तर्गत मिल गया है।

एस० पी० विशष्ट, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, श्रसम, मेघालय, मणीपुर, स्निपुरा, नागांलैंड, श्ररुणाचल प्रदेश व मिजोरम, शिलांग.

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के श्रन्त-गत सूचना और सागरमल स्पिनिग एण्ड वीविग मिल्स लिमि-टेड, इन्दौर के संबंध में।

ग्वालियर, दिनांक 7 फरवरी 1976

म० 228/लिक्यू/2455.—-कम्पनी ग्रिधिनियम की धारा 445 (2) के ग्रन्तर्गत सूचित किया जाता है कि सागर मल स्पिनिंग एण्ड बीविंग मिल्स लिमिटेड इन्दौर को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, बैच इन्दौर के ग्रादेश दिनांक 20-10-75 के द्वारा परिसमापन करने का ग्रादेश दिया है तथा शासकीय समापक, इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया है।

> महेश प्रसाद, वस्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश,ग्वालियर

त्रस्पनी अधिनियस. 1956 ग्रीर ताह नासुरवेट भवन ब्राइसेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनाकः 4 फरवरीः 1976

सं० 237/87/560 (3) :---कम्पनो श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर व्रम्ह आयुरवेट भवन प्राइवेड लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्मनी मधिनियम,1956 और प्रिमियर स्ट्रांक एण्ड सेयारस जिलारस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 4 फरवरी 1976

सं 12435/560 (3) :— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचनादी जाती हैं कि इस तारीख से तीन माम के श्रवमान पर प्रिमियर स्टाक एण्ड सेयारस् डिलारस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणित न क्या गया तो रिजरट्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956, श्रीर एपिजय कसमोटिकस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनाक 4 फरवरी 1976

सं० 25680 / 560 (3) .—-कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर एपिजय कसमोटिकस् प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उकत कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर वैस्टर्न श्रार्ट प्रासेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनाक 4 फरवरी 1976

सं० 25823/560 (3) र-कम्पनी श्रिधिनियस, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान गर वैस्टर्न श्रार्ट प्रासेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> एस० मी० नाथ, कम्पनियों का महायक रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल कलकत्ता

कार्यालय, म्रायकर म्रायुक्त दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1976 श्रायकर

1/स्पेशल सिकल (वृत्त) - 15 (श्रतिरिक्त,) नई दिल्ली।

फ० मं० : जुरि०-दिल्लीं/1/75-76/33012:—-श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस मंबध में प्राप्त धन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदण देते हैं कि श्रायकर श्रधिकारी स्पैणल सिक्ल-15 (श्रतिरिक्त) नई दिल्ली के मामलों के मंबंध में श्रपना कार्य करेगे जो श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 127 के श्रन्तर्गत उन्हें सौंपे गए हैं।

यह श्रिधसूचना 20-1-76 से लागू हुई मानी जाएगी।

फि० मं० जुरि०-दिल्ली /1/75-76/ 33462 ---- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों तथा इस सबंध में प्राप्त अन्य सभी शिक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेण देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयकत उसी अनसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट/ सर्किल के आयकर अधिकारी के क्षेत्र में पड़ने वाले ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग अथवा आय या आय के वर्ग और मामले या मामलों के वर्ग अथवा आय या आय के वर्ग और मामले या मामलों के वर्ग अथवा और के नभी कार्य करेंगे।

श्रनुसूची

रेंज	भ्रायकर डिस्ट्रिक्ट/सकिल
1	2
निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त मुख्यालय-1, नई दिल्ली ।	1. स्पेशल सकिल-15, नई दिल्ली
	 स्पेशल मिकल-15 (प्रतिरिक्त) नई दिल्ली

यह प्रधिसूचना दिनांक 20-1-76 से लाग् होगी। यवतारे सिंह, प्रायकर प्रायुक्त, दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी, 1976

सं० जुरि०-दिल्ली/2/75-76/34362:— श्रायकर ग्रिध-नियम, 1961 (1961 का 43वा) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों तथा दिनांक 20-8-75 के इस कार्यालय के श्रादेश सं० जुरि०-दिल्ली/2/75-76/11852 में संशोधन करते हुए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देने हैं कि जिन निर्धारितियों के नाम अंग्रेजी के 'एस०' श्रक्षर से शुरू होते हैं तथा जिनका श्रधिकार क्षेत्र 20-8-75 से पहले श्रायकर अधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (10) (श्रतिरिक्त) नई दिल्ली के पास था तथा जिनका श्रधिकार क्षेत्र ऊपर बताए गए 20-8-75 के श्रादेशों की गर्तों के श्रनुसार श्रायकर श्रधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (9) को स्थानांतिरत कर दिया गया था, श्रव उस श्रधिकार-क्षेत्र के बारे में श्रायकर श्रधिकारी डिस्ट्रिक्ट-6 (10) (श्रतिरिक्त), नई दिल्ली श्रपने कार्य करेगे, किन्तु श्रायकर श्रधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-6 (9) उस श्रधिकार क्षेत्र के बारे में श्रपने कार्य करेंगे।

यह प्रादेश 20-1-76 से लाग् होगा।

सं० जुरि०-दिल्ली/2/75-76/33912:—-प्रायकर ग्रिधि नियम, 1961 (1961 का 43 वा) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियो तथा इस कार्यालय के दिनांक 13-11-75 के प्रादेण सं० जुरि०-दिल्ली/2/74-75/20556 में संगोधन करते हुए आयकर प्रायुक्त, दिल्ली-2. नई दिल्ली निदेश देते हैं कि जिन निर्धारितियों के नाम श्रग्नेजी के ग्री० पी० या क्यू० श्रक्षरों से शुरू होते हैं तथा जो 15-11-75 से पहले प्रायकर श्रधिकारी डिस्ट्रिक्ट - 6 (10), नई दिल्ली के श्रधिकार क्षेत्र के श्रन्तर्भत थे उनके बारे में उपर बताये गये दिनांक 13-11-75 के श्रादेणानुसार जिनका श्रधिकार क्षेत्र श्रायकर श्रधिकारी डिस्ट्रिक्ट - 6 (1) नई दिल्ली को स्थानातरण कर दिया गया था उम श्रधिकार क्षेत्र के बारे में अब श्रायकर श्रधिकारी डिस्ट्रिक्ट - 6 (12) श्रपने कार्य करेगे किन्सु श्रायकर श्रधिकारी डिस्ट्रिक्ट - 6 (1) नई दिल्ली श्रव उनके बारे में श्रपने कार्य नहीं करेगे ।

यह प्रादेश 20-1-76 से लागू होगा।

दिनांक 2 फरवरी, 1976

आयकर

फ० सं० जुरि--दिल्ली/2/75-76/38087:---ग्रायकर ग्रिधि-नियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिक्तयों तथा इस विषय पर जारी किए गए पिछले सभी ग्रादेशों/ग्रिधिसूचनाग्रों का ग्रातित्रमण करते हुए ग्रायकर ग्रायुक्त दिल्ली-2 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई ग्रनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट ग्रायकर ग्रिधिकारी उक्त ग्रनुसूची के कालम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गो, ग्राय या ग्राय के वर्गो ग्रीर मामलों या मामलों के वर्गों के संबंध में ग्राप्त कार्य करेगें। इनमे वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग शामिल नही होंगे जो उक्त अधिनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को मौपे गण हों या इसके बाद सौपे जाये:----

क्रम सं०	म्रायकर	श्रिधिकारी का नाम	पद-	ग्रधिकार-क्षेत्र
1		2		3

- 1. ग्रायकर ग्रधिकारी, ठेकेदार (क) ऐसे सभी व्यक्ति या सिकल वार्ड 'ए', नई दिल्ली व्यक्तियों के वर्ग, ग्राय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जो ग्रायकर ग्रिधकारी ठेकेदार सिकल दिल्ली के ग्रायकार क्षेत्र में प्राते हों तथा जिनके नाम ग्रंग्रेजी के 'ए' से 'एम' (दोनो ग्रक्षर) को ग्रायकर) ग्रक्षर के ग्रन्तर्गत हों।
 - (ख) ऊपर मद (क) के ब्रन्त-र्गत ब्राने वाली फर्मों के सभी साझेदार व्यक्ति।
- 2. ग्राय पर ग्रधि धारी, ठेकेदार (क) ऐसे सभी व्यक्ति या सिकल वार्ड 'बी' नई दिल्ली व्यक्तियो के वर्ग, ग्राय या ग्राय के वर्ग तथा गामले या मामलों के वर्ग जो ठेकेदार मिकल दिल्ली के ग्रधिकार-क्षेत्र में ग्राते हों तथा जिसके नाम ग्रंग्रेजी के 'एन' से 'जेड' (दोनों ग्रक्षर के ग्रन्तर्गत हों।
 - (ख) ऊपर मद (क) के प्रन्त-र्गत भ्राने वाली फर्मी के सभी माझेदार व्यक्ति।
- अग्रयकर अधिकारी ठेकेदार सर्किल वार्ड 'सी', नई दिल्ली

ऐसे मभी व्यक्ति या व्य-क्तियों के वर्ग, प्राय या श्राय के वर्ग तथा मामले या मामलो के वर्ग जो श्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौपे गण

1	2	3	

4 श्रायकर श्रिधः शरी, ठेकेदार सक्तिल

णेसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, प्राय या प्राय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जो प्रायकर अधि-नियम 1961 की धारा 127 के प्रन्तर्गत सौपे गएहैं।

यह ग्रधिसूचना 2-2-76 से लाग् होगी।

सं० जुरि-दिल्ली/2/75-76/37886:— प्रायंकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियो तथा इस सबंध में प्राप्त प्रन्य सभी शक्तियों तथा प्रधिसूचना संख्याः जुरि०-दिल्ली/2/75-76/ 20924 दिनांक 14-11-75 में आशिक मशोधन करते हुए प्रायंकर प्रायुक्त दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि ठेक-दार सर्किल, दिल्ली में निम्नलिखित दो नए वार्ड बनाए गए हैं:—

- 1 ठेकेदार सिंकल वार्ड 'सी'
- 2. ठेकेदार मिकल वार्ड 'डी'

यह प्रादेश 2-2-76 से लागू होगा।

जगदीभ चन्द, द्यायकर श्रायुक्त, दिल्ली-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1976

ग्रायकर

सं० जुरि-दिल्ली/3/75-76/35849:— आध-नियम, 1961 (1961 का 43 वा) की धारा 124 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस कार्यालय के दिनाक 30-10-74 के प्रादेश/ग्रिधिसूचना स० जुरि०-दिल्ली/3/74-75/ 15 में प्राशिक संशोधन करते हुए ग्रायमर श्रायुदत, दिल्ली-3, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई तालिया के वालम-3 में निर्दिष्ट सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्गी, आय या श्राय वर्गी तथा मामले या मामलों के वर्गी के अधिकार क्षेत्र के बार में निम्त तालिया को कालम-1 में निर्दिष्ट धायकर श्रिधकारी इस बारे में कार्य नहीं करेगे।

লালিকা

सभी नए मामले जिनका कर-निर्धारण श्रमी तक नहीं हुआ है किन्तु जिनका कर-निर्धारण श्रायकर श्रीधकारी मर्वे मिकल द्वारा किया जाता, ऐसे मामले जिनमे नवीनतम कर-निर्धारण वर्ष 1975-76 मे 31-12-75 तक कुल विवरणी श्राय

3

- 1. पजीकृत फर्म के सबध में 30,000/- रुपए है
- व्यष्टि हिन्दु ग्रविभक्त परिवार व्यक्तियो के समृह श्रपजीकृत फर्म ग्रादि के मामले मे 15000/- रुपण है तथा
- 3 उपर मद सख्या 1 मे बताई गई फर्मों के सभी नए भागी-दारों के मामले चाहे उनकी श्राय वुछभी हो और जिनका श्रभी तक कर-निर्धारण नहीं हुआ है।

यह म्रधिसूचना दिनाक 24-1-76 से लागू होगी।

एस० एस० सेठ, श्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 2 फरवरी 1976

ग्रायकर

स० जुरि-दिल्ली/5/75-76/37209—-आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43 वा) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियो तथा इस सबध मे प्राप्त अन्य सभी शक्तियो का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5 नई दिल्ली निदेश देने हैं कि डाक्टर सिकल, दिल्ली को निम्नानुमार दो सिकलो मे बाट दिया जायगा —

- 1 डाक्टर मिकल-1
- 2 डाक्टर मिकल-2

यह ग्रादेश 2-2-76 से लागू होगा।

म० जुरि-दिल्ली/5/75-76/37410 — म्रायकर प्रिधिन्यम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस विषय पर जारी किए गए पिछले सभी आदेशों / अधिस्चानाओं को श्रातिक्रमण करते हुए आयकर आयकत, दिल्ली-5. नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के काराम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के काराम-3 में उल्लिखिन व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गी आय या आय के वर्गी और मामलों या मामलों के वर्गी का मबध में अने कार्य करेगे। इनमें व व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या अथि क वर्ग, मामले जा मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त अधिनियम की धारा 127 वे अन्तंगत किसी अन्य अथिकर अधिकारी का सौषे गए हो या इसके वाद सौषे जाये। 3—476 GI/75

म∘ म∘	श्रायकर श्रधिकारी का पदनाम	श्रधिकार-क्षेत्र
ङाव	कर श्रधिकारी, टर सर्किल-2 दिल्ली ।	मेडिकल प्रेक्टिशनरो रेडियो- लोजिस्ट तथा पैथोलोजिस्ट (जिनमे एलोपैथिक, होम्यो- पैथिक, यूनानी श्रायुर्वेदिक श्रथवा श्रोषिध की श्रन्य पैथो भी शामिल हैं) के सभी मामले जिनमे व्यापार श्रथवा पेण शीर्ष के श्रन्तर्गत इनकी कर-योग्य फर्में तथा हिस्से- दार भी शामिल हैं। किन्तु इनमे श्रायकर श्रधिकारी डाक्टर सॉकल - 2 नई दिल्ली को सौपे गए मामले नहीं श्राते।
2 ग्राय	कर श्रिधनारी, डाक्टर	ग्रायकर ग्रधिनियम 1961

यह श्रधिसूचना 2-2-76 से ताग् होगी।

सक्तिल-2 नई दिल्ली ।

ग्र० मीं० जैन क्रायकर क्रायुक्त, दिल्ली-5 नई दिल्ली

की धारा 127 के अन्तर्गत

सौपे गए मामले ।

कोच्चीन-16, दिनांक 4 नवम्बर 1975 आयकर

आदेश सं० 1/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/75-76/ 1--- आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) और (2) के अनुसार मुझे प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1 का आयकर आयुक्त में निदेश देता हूं कि अधिसूचना मं० 18/74-75 दिगांक 4-3-75 द्वारा मंणोधित इस कार्यालय के आदेश मं० 1/73-74 सि०स० 1 (19) बी०/जी० एल०/73-74 दिनाक 12-7-73 के संलग्न अनुसूची में निम्तलिखित संणोधन किये जायेंगे। यह आदेण 10-11-75 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

(1) कोलम (3), पृष्ट 8,पद सं० 12 (त्रिवेन्द्रम) के नीचे "आयक्तर अधिकारी-बसूली" के स्थान पर "आयकर अधिकारी ई-वाई" जोडिये ।

श्रादेश सं० 2/75-76

- सी० सं० 1 (9) (बी०) / जी० एल०/75-76/ आय-कर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 (2) के अनुसार मुझे प्रदत्त श्रिधिकारी का प्रयोग करते हुए, केरल-1 का श्रायकर आयुक्त में निदेश देता हूं कि ग्रिधिसूचना सं० 2/74-75 दिनाक 4-3-1975 हारा संशोधित इस कार्यालय के ग्रादेश संख्या 2/73-74, दिनांक 12-7-73 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/73-74] में निम्नलिखित संशोध्या कार्योगे। यह आदेश 10-11-75 में पूर्वाह्म से प्रकृत होगा।
- (1) पृष्ठ (4), श्रायकर सर्विल त्निवेन्द्रम के नीचे "श्राय-कर ग्रिधकारी, वसूली, श्रायकर सर्विल, त्निवेन्द्रम के स्थान पर "श्रायकर ग्रिधकारी, ई-वार्ड, द्रिवानष्ट्रम जोड़िए।
- (2) आयकर सिंकल, त्रिवेन्द्रम के सभी आयकर अधि-कारी उक्त आदेण सं० 2/73-74 में अनुसूची के कालम (2) और (3) ये विनिधिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगें।

दिनांक ।1 दिसम्बर, 1975 ग्रादेण सं० 5/75-76

सी० सं० 1 (19) (बी०)/ जी० एल०/75-76/1 — आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 में उपधारा (2) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1 का आयकर आयुक्त में निर्देश देता हूं कि, समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय के आदेश स० 1/73-74 [सी० सं० 1 (9) बी०/जी० एल०/ 73-74 दिनांक 12-7-73] के संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायोंगे। यह आदेश 10-12-75 के अपराह्म से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (6),पद सं० (9) (श्रालप्पी). कोलम (3) के नीचे पद IV के रूप में ''ग्रायकर श्रिधकारी डी०-वार्ड'' जोड़िये।

श्रादेण पं० 6*|15-*76

- 73-74] में संलग्न अनुसूची में निम्नलिश्वित संशोधन किये जायेंगे । यह आदेश 10-12-1975 में अधास्त्र से प्रवृत्त होगा।
- (1) पृष्ठ (3) स्नायकर सर्विल, शालप्पी के नीचे. स्नायकर स्निधिकारी सी-वार्ड, श्रालप्पी के बाद "ब्रायकर स्निधिकारी डी-वार्ड स्नालप्पी" जोड़िये ।
- (2) ब्रायकर सर्किल ब्रालप्पी के सभी श्रायकर ब्रिधकारी प्रादेश सं० 2/73-74 की ब्रनुसूची में कोलम (2) ब्रौर (3) में विनिद्दिष्ट सभी नार्यों का पालन करेंगे ।

दिनांक 14 जनवरी 1976

म्रादेश सं० 9/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/75-76/1 :—-श्राय- कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 में उपधारा (2) के श्रनुभार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1 का श्रायकर श्रायुक्त में निदेश देता हं कि, समय समय पर संशोधित इस कार्यालय के श्रादेश सं० 1/73-74 |सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/ 73-74 | दिनांक 12-7-73, के संलग्न श्रनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह श्रादेश 19-1-76 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

- (1) पृष्ठ (4), कोलम (3), पद सं० (6) (एरना-कुलम) के नीचे पद सं० $\mathbf{l} \mathbf{X}$ के रूप में ''श्रायकर अधिकारी डी-वार्ड'' जोड़िये।
- (2) वर्तमान पद $({}^{1}V)$ से $({}^{1}X)$ के स्थान पर पद $({}^{V})$ से (X) पढ़ा जायेगा।

आदेश सं० 10/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल० /75-76/I—-श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124(2) के अनुसार मुझे प्रदत्त श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1 का श्रायकर श्रायुक्त में निदेश देता हूं कि समय समय पर संशोधित इस कार्यालय के श्रादेश सं० 2/73-74, दिनांक 12-7-73 [मी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/ 73-74] में मंलग्न प्रमुस्ची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह प्रादेश 19-1-1976 के पूर्वाह्म से प्रवृत्त होगा।

- (1) पृष्ठ (2), ग्रायकर मिकल, एरणाकुलम के नीचे ग्रायकर ग्रिधकारी, सी०-वार्ड, एरणाकुलम के वाद "ग्रायकर ग्राधकारी, डी-वार्ड, एरणाकुलम" जोडिये।
- (2) ध्रायकर सिंकल, एरणाकुलम के सभी ध्रायकर प्रधिकारी उक्त आदेश सं० 2/73-74 की ध्रनुसूची में कोलम (2) और (3) में विनिद्धिट सभी कार्यों का पालन करेगे। पी० सदगोपन

ग्रायकर ग्रायुक्त केरल-1

कोच्चीन-16 दिनाक 4 नवस्बर 1975

धनकर

श्रादेश सं० 3/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) / जी० एल०/75-76/1:—धन-कर ग्रांधनियम, 1957 की धारा 8 (ग्र) के ग्रानुसार मुझे प्रदत्त ग्रांधकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1, ना धनकर आयु-कामे निदेश देता हूं कि ग्रादेश सं० 20/74-75, दिनाक 4-3-75 द्वारा संशोधित इस कार्यालय के श्रादेश स० 3/73-74, दिनांक 12-7 1973 सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/

73-74] में निम्नलिखित मंशोधन किये जायेंगे। यह ऋदिश 10-11-75 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

- (1) पृष्ट (4), आयकर सर्किल, तिवेन्द्रम के नीचे ''आयकर अधिकारी, वसूली, आयकर सर्किल, तिवेन्द्रम'' के स्थान पर ''आयकर आधिकारी ई-वार्ड, दिवानकुम'' जोड़िये।
- (2) प्रायकर सिंकल व्रिवेन्द्रम के सभी ग्रायकर ग्रीध-कारी उक्त ग्रादेश सं० 3/73-74 में ग्रनुसूची के कॉलम (2) ग्रीर (3) में निर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे।

दिनांक 11 दिसम्बर 1975 श्रादेश सं० 7/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एन०/ 75-76/1--धनकर प्रधिनियम 1957 की धारा (8) के प्रनुसार मुझे प्रदत्त प्रधि-कारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1, का धनकर प्रायुक्त मैं निदेश देता हूं कि समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय में प्रादेश सं० 3/73-74, दिनाक 12-7-73 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल० /73-74] के सलग्न प्रनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे । यह ग्रादेश 10-12-75 के प्रपराह्म से प्रवृत्त होगा।

- (1) पृष्ठ (4) ग्रायकर सिंकल, ग्रालप्पी के नीचे ग्रायकर प्रधिकारी, सी-वार्ड, ग्रालप्पी के बाद "ग्रायकर ग्रधि-कारी डी-वार्ड, ग्रालप्पी" जोड़िये ।
- (2) प्राप्तर मिकल, ग्रालप्पी के सभी ग्रायकर ग्राध-कारी, आदेण मं० 3/73-74 की श्रनुसूची के कोलम (2) ग्रौर (3) में निादेष्ट कार्यों का पालन करेगे।

दिनांक 14 जनवरी 1976 श्रादेश सं० 11/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल० | 75-76 | 1 ---धन-कर श्रधिनियम 1957 की धारा (8) के अनुसार मुझे प्रदत्त श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1, का धनकर श्रायुक्त में निदेश देता हूं कि समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय में श्रादेश सं० 3 | 73-74 दिनांक 12-7-73 सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल० | 73-74] के संलग्न श्रनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह श्रादेश 19-1-76 म पूर्वाह्न से प्रवृत्न होगा।

- (1) पृष्ठ (2), ग्रायकर सकिल, एरणाकुलम के नीचे ग्रायकर ग्रधिकारी, सी-वार्ड, एरणाकुलम के बाद ''ग्रायकर ग्रधिकारी, डी-बार्ड, एरणाकुलम'' जोड़िये।
- (2) ब्रायकर सर्किल, एरणाकुलम के सभी ब्रायकर श्रधि-कारी उक्त ब्रादेश सं० 3/73-74 में ब्रनुसूची के कालम (2) ब्रौर (3) में निर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंग । पी० सदगोपन,

धनकर श्रायुक्त, केरल-1

कोचीन-16, दिनांक 4 नवम्बर 1975

उपहार कर

आदेश सं० 4/75-7_€

सी०सं० 1(9) (बी०) जी०एल०|75.76| 1--- उपहार कर प्रधिनियम की धारा 7(9) के अनुसार मुझे प्रदत्त प्रधि-

- कारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1, का उपहार कर भ्रायुक्त में, निदेश देता हूं कि श्रादेश सं० 21/74-75, दिनाक 4-3-75 हारा संशोधित इस कार्यालय के श्रादेश सं० 4/73-74, दिनांक 12-7-73 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/-73-74] में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे । यह आदेश दिनांक 10-11-75 के पूर्वाह्म से प्रवृत्त होगा।
- (1) पृष्ठ (4) ग्रायकर सर्किल, त्रिवन्द्रम के नीचे "ग्रायकर ग्रधिकारी वसूली, ग्रायकर सर्किल, ट्रिवानष्ट्रम" के स्थान पर "श्रायकर श्रधिकारी ई-वार्ड, त्रिवेन्द्रम" जोड़िये।
- (2) ग्रायकर सिंकल द्विवानड्रम के सभी श्रायकर ग्रिध-कारी उक्त ग्रादेश सं० 4/73-74 में श्रनुसूची के कालम (2) श्रौर (3) में निर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे।

दिनांक 11 दिसम्बर 1975 ग्रादेश सं० 8/75-76

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/75-76/ l — उपहार कर अधिनियम, 1958 की धारा (7) के अनुसार मुझे
प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1 का उपहार कर
आयुक्त में, निदेश देता हूं कि समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय के आदेश सं० 4/73-74, दिनांक 12-7-73 [सी० सं०1 (9) (बी०) जी० एल० / 73-74] के संलग्न अनुसूची में
निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे। यह आदेश 10-12-75
के अपराह्न से प्रवृत्त होगा।

- (1) पृष्ठ (3), आयकर सर्किल, श्रालप्पी के नीचे आयकर अधिकारी सी-वार्ड, श्रालप्पी के बाद ''आयकर ऋधि-कारी, डी वार्ड'' जोड़िये ।
- (2) प्रायकर सिकल ग्रालप्पी के सभी ग्रायकर प्रधिकारी उक्त ग्रादेश सं० 4/73-74 में श्रनुसूची के कोलम (2) श्रौर (3) में निर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे।

विनांक 14 जनवरी 1976

ग्रादेश सं० 12/75-76.

सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल० /75-76/1 — उप-हार कर श्रिधिनयम, 1958 की धारा (7) के अनुसार मुझे प्रदत्त श्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1 का उपहार कर आयुक्त (एरणाकुलम) मैं, निदेश देता हूं कि समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय में आदेश सं० 4/73-74 दिनांक 12-7-73 [सी० सं० 1 (9) (बी०) जी० एल०/73-74] की संलग्न श्रनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे । यह आदेश 19-1-76 के पुर्वाह्य से प्रवृत्त होगा।

- (1) पृष्ट (2) भ्रायकर सिंकल, एरणकुलन के नीचे आयकर श्रिधकारी, सी-वार्ड, एरणाकुलम के बाद 'भ्रायकर भ्रिधकारी, डी-वार्ड, एरणाकुलम' जोड़िये।
- (2) श्रायकर सर्किल एरणाकुलम के सभी श्रायकर श्रिधिकारी उक्त आदेश सं० 4/73-74 के श्रनुस्ची के कालम (2) श्रीर (3) में निर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेगे।

पी० सदगोपन, उपहार कर ग्रायुक्त, केरल-1

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 31 जनवरी 1976

निदेश स॰ 280/ए०सी० क्यू०-23-631/6-1/75-76-यत. मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी संवटीका नव 2 सवनव 12-केव प्लाट नंव 1, 2 ग्रीर 3 है तथा जो नवाबवाडा रावपुरा बड़ोदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बड़ोदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्सरण से हुई किसी श्राय की बाबत उनत श्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात :---

- 1. श्रीमती इल्सी बेगम डा० सैयद फखरुदीन की विधवा नवाबवाडा रावपुरा बड़ोदा (श्रन्तरक)
- 2. मैं ॰ मोतीभाई पटेल एण्ड कं ॰ भागीदार : पटेल मीतीभाई छोटाभाई कुमार वाडा नाका मलारवाडा बडोदा (श्रन्तरिती)
- 4. श्रीमती बली यूनिसा बेगम डा० सैयद फखरदीन हसेनखान की लड़का नवाबवाडा रावपुरा बड़ोदा (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व पुराना मकान जिसका टीका नं० 10-2 सर्वे नं० 12-के प्लाट नं० 1, 2 भ्रौर 3 कुल माप 5400 वर्ग फुट है तथा जो नवाबवाडा रायपुरा बडोदा में स्थित है जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी बड़ोदा के जून 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3424, 3425 भ्रौर 3427 में प्रदर्शित है।

> पी० एन० मित्तल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज II ग्रहमदाबाद

नारीख : 31-1-1976 मोहर:

प्रकृष आई० टी० एम० एस०---

भ्रायकर अग्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश स० 281/ए०सी०क्यू० 23-632/6-1/75-76-अतः मुझे पी० एन० मित्तल श्रायकर श्रधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है
श्रीर जिसकी स० सेन्सस न० S4-153 श्रीर न्यू सी० नं० 13357 है तथा जो शास्त्रीबाग बड़ोदा कालेज के सामने एल० एम०
पी० मकान के पीछे मयाजी गंज बड़ोदा में स्थित है (श्रीर इससे
उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908
(1908 का 16) के श्रधीन जून 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने भेः अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री शान्तिलाल मगनलाल पटेल शास्त्री बाग बड़ोदा कालेज के मामने सयाजीगंज बड़ोदा (श्रन्तरक)
- 2. श्री शनीराम मौजीराम यादव याकुतपुरा पटेल फालिया बड़ोदा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकेंगे!

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जिसका म० नं० S-4-153 ग्रीर न्यू स० नं० S-13-357 हैं तथा जो श्री जी० कोग्रापरेटिव हाउसिग सो० लि० ब्लॉक नं० ए०-1 शास्त्रीबाग बड़ोदा कालेज के सामने मयासी गंज बड़ोदा में स्थित है ग्रीर जिसका क्षेत्रफल 760 वर्गफुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी बड़ोदा के जून 1975 के रजिस्ट्री-कृत नं० 3583 ग्रीर 3586 में प्रदर्शित है।

> पी० एन० मित्तल मक्षम प्राधिकारी महायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II ग्रहमदाबाद

तारं**ख**: 31-1-1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1976

निदेश सं० 282/ए०मी० न्यू० 23-467/6-1/75-76---यतः मसे पी० एन० मित्तल म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), के सक्षम घारा 269-অ अधीन को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर भौर जिसकी सं० बी० टीका नं० 10-2 स० न० 12-सी प्लाट नं० 4 फ्रीर 5 है तथा जो नवाबवाडा रावपुरा बड़ोदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णिन है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी क कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :—

- श्रीमती एत्सी बेगम सैयद फखरुदीन हुसेनखान की विधवा, नवाबवाडा, बडोदा (ग्रन्तरक)
- मै० शैलेश चेम्बर्स को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० नवाबवाडा बडोदा की श्रोर से:
- 1. प्रमुख :- भाईलाल भाई एन० पटेल कृष्णकृपा हाउसिंग सोसायटी, जूना पादरी रोड़, बड़ोटा (श्वन्त रिती)
 - (2) सेक्रेटरी .--कंचनलाल हीराभाई पटेल 8-बी, हरी सोसायटी, श्राजवा रोड़, बड़ोदा।
- 4. श्रीमती वली यूनिसा बेगम डा० सैयद फखरदीन हुसेन-भाई (स्वर्गीय) की सुपुत्नी, नवाबवाडा बड़ोदा (वह व्यीक्त जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पक्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन व मकान जो नवाबवाडा, बड़ोदा कसवा, बी-टीका नं॰ 10-2 स० नं॰ 12-सी प्लाट नं॰ 4 थ्रीर 5 पर स्थित कुल माप 4356 वर्ग फुट है जैसा कि रिजस्ट्रेकर्ता श्रिधिकारी बड़ोदा के जून 1975 के रिजस्ट्रीकृत विलेख न॰ 3407 श्रीर 3409 में प्रदिशित है।

पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, ग्रहमदाबाद

ना शेखः - 2 - 2--1976 मोहरः परूप म्राई० टी० एन० एस०-----

आयवर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) वी धारा 269-घ (1) के म्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1976

निदेश स० 283/ए०सी० क्यू० 23-467/6-1/75-76-प्रतः मुझे पी० एन० मित्तल
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इममें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम ग्रिधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० मे ग्रिधिक है ग्रौर
जिसकी सं० बी० टीका

न ० 10-2 स० नं० 12-बी है तथा जो नवाबवाडा, बडोदा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्न अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किशी स्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ग) ऐसी किसी प्राय था किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रत: श्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग क श्रनुसरण में, में, उन्त श्रधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रयोत.——

 श्रीमती वली यूनिसा बेगम, তা० सैयद,फख हदीन हुमेनखान (स्वर्गीय) की सुपुत्री नवाबवाडा, बड़ोदा (श्रन्तरक)

- मैं० शैंलेश चेम्बर्स को-म्रापरेटिव हार्जासग सोसायटी लि०, नवाबवाडा, बड़ोदा की श्रोर से उसके:
 - प्रमुख: भाईलाल एन० पटेल, कृष्णकृपा हाउसिंग भोसायटी, जूना गादरी रोड़, बड़ोदा।
 - 2. सेक्रेटरी: कंचनलाल हीराभाई पटेल, 8-बी, हरी सोसायटी, ग्राजवा रोड़, बड़ोदा। (ग्रन्तरिती)
- 4. श्रीमती एल्सी बेगम, सैयद फखरुदीन हुसेनखान की विधवा, नवाबवाडा, बडोदा। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति मे
 हितबद्ध किमी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो नवाबवाडा, बड़ोदा कस्बा, बी-टीका न ॰ 10-2, स॰ नं॰ 12-बी पैकी कुल माप 3960 वर्ग फुट है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के जून 1975 के रिजस्टी कृत विलेख न ॰ 3410 और 3412 में प्रदर्शित है।

> पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-11, ग्रहमदाबाद

तारीख: 2-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एम०----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1976

निदेश सं० 284/ए०सी० क्यू० 23-633/6-1/75-76---भ्रत: मझे पी० एन० मित्तल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्थ 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० स० न० 78, प्लाट नं० 53 बडोदा कसबा है, तथा जो हरीभवती कालशोनी, रेस कोर्स सर्कल के पास, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकिती श्रिधकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकिरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून 1975 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है थ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

ध्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मै, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् .--

- (1) श्री सरिवन्द डाह्याभाई पटेल, 127-129, गागदीन स्ट्रीट, वभ्वर्ध-4000031 (प्रन्तरुक्त)
- मैं० तेजास फ्लेट श्रोनर्स को-ओप० हार्जिसग सोसायटी लि०, मारफत बाम्बे णापिग सेन्टर, रेस कोर्स, बटोदा। (श्रन्तरिती)
- 4. विनोद सुरा, यस्वई। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में स्रधी-हस्ताक्षरी जागता है कि वह गंगत्ति में हितवेख है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जेतलपुर, बड़ोदा कसवा, प्लाट न० 53 सर्वे नं० 78 (जूना सर्वे नं० 82) पर स्थित अचल संपत्ति जिसका क्षेत्रफल 10710 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी बड़ोदा के जून 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3778 में प्रदर्शित है।

> ए० के० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-2-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन०एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यानय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-800(263)/1-1/ 75-76--- ग्रतः मुझे जे० कथूरिया श्रायकर श्रधिनियम, (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है और जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 517-2-बी०, टी० पी० एस० न० 3, है, जो नेहरू क्रिज के पास, श्राश्रम रोड़, अहमदाबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम' या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रब 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतु:----4--476GI/75

- 1. मेसर्स साधुराम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथा उसकी ग्रोर से:---
 - (1) श्री साध्राम बी० म्रांदानी,
 - (2) ,, गोरधनलाल एस० ग्रंदानी,
 - (3) ,, कीशनलाल एस० ग्रंदानी,
 - (4) कुमारी भाग्यवंती एस० ग्रंदानी,

नेताजी क्लाथ मारकेट, कालुपुर कोटनी रांग, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्सरक)

मेसर्स रैन्सन्स कारपोरेणन, की स्रोर से भागीदार:—
 श्री ज्योतिष ए० शाह, 426—चोक्खा बाजार, ग्रहमदाबाद।
 (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं स्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

एक ग्रचल संपत्ति जिसका ग्राफिस नं० ए०-52 है तथा जो केपीटल कमर्गल सेन्टर के चौथे मंजल पर ब्लाक ए में स्थित है ग्रौर जिसका फायनल प्लाट नं० 517-2-बी०, टी० पी० एस०, नं० 3 है तथा जो नेहरू बिज के पास, ग्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-76

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1976

घ्रायकर ग्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी संव सर्वे नंव 24 एकव पी्व 29 एसव पीव नंवण टीव पीव एसव नंव 18 है जो राजपुर हीरपुर श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्सरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (धा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिविनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- दि ग्रहमदाबाद न्यू काटन भिल्म कं० लि० की और में :---
 - (1) श्री रमेश चंद्रलाल--डायरेक्टर
 - (2) बिपित चंद्रलाल--डायरेक्टर
 - (3) एस० के० भीमवाला—सेक्रेटरी ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरक)
- श्री महाबीर क्लाथ मर्केट ग्रोनर्स एसोसियेणन की ग्रोर से:---

प्रधान :—श्री रिमकलाल वालाभाई शाह
उप-प्रधान—श्री रिसकलाल दोलचंद शाह
सेकेटरी:—श्री जितेन्द्र कुमार जीथभाई कान्तीलाल
पटेल ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तिरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भ्रचल संपत्ति जो 2942 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 24 टी० पी० एस० नं० 18, एफ० पी० नं० 29 सब प्लाट नं० ए है तथा जो राजपुर हीरपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 24-6-75 वाले दस्तावेज नं० 8774 में दिया गया है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^I, ग्रहमदाबाद

तारी**ख** 5-2-1976 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-- I ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 5 फरवरी 1976

निदेश म० ए० सी० क्यू-23-l-670(265)/1-1/75-76--प्रत जे० कथरिया मुझे भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है ग्रौर जिसकी संव सर्वे न व 336 टीव पीव एसव नंव 2 एफव पीव न० 24 तथा 25 एम० पी० न० 2 है जो राजपुर हीरपुर ग्रास्टॉ-डिया दरवाजे के बाहर ग्रहमदाबाद में स्थित है (फ्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय स्रहमदावाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1906 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है ग्रीर ग्रन्तरक (थन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुतिधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ध्रतः ध्रव उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, ध्रधीन :--

- 1 श्री वीतूभाई अपाभाई पटेल रन्छोड भवन प्राणकुज सोसायटी काकरीया रोड़, मणीनगर, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
 - 2. (i) श्री राजकुमार गंगाराम वीजाणी, (ii) श्रीमती किरण प्रेम वीजाणी, प्रेम कुटीर 34 मेन एवेन्यू शान्ताश्रूज बम्बई-54 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यक्षाहियां सुरू करता हुँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सर्पात्त का एक तिहाई भाग जो 487 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे न० 336 टी० पी० एस० नं० 2 एफ० पी० नं० 24 तथा 25 एस० पी० न० 2 है तथा जो राजपुर हीरपुर आस्टोडिया दरवाजे के बाहर अहमदाबाद से स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 17-6-75 वाले दस्तावेज न० 5000 में दिया गया है ।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेज-। ग्रहमदाबाद

नारीख: 5-2-1976

मोहर

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

ग्रायकर श्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–I श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-670(266)/1-1/ कथ्रिया 75-**7**6-**-श**त: जे० मुझ का 43) (जिसे म्रिधिनियम, **1961** (1961 इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रस्ति, जिसका इचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी स० सर्वे नं० 336 टी० पी० एम० न० 2 एफ० पी० नं० 24 तथा 25 एम० पी० नं० 2 है जो राजपुर हीरपुर ग्रास्टोडिया दरवाजे के बाहर श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ब्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 17-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और के बीच ऐसे अन्तरण (अन्तरितियो) के तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ते भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रब उक्त ग्रांधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण मे, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निनिवित व्यक्तियों, ग्रथीत :—

- 1. श्री श्ररविन्द भाई श्रपाभाई पटेल रन्छेड भुवन प्राणकुंज सोनायटी काकरीया रोड़, ग्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
 - 2.)i) श्री राजकुमार गंगाराम वीजाणी,
- (ii) श्रीमती किरण प्रेम वीजाणीप्रेम कुटीर 34 मेन ऐवन्यु जान्ताकूज बम्बई--54

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अविधिया सत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मर्कों।

स्पद्धीकरण--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रचल संपत्ति का एक तिहाई भाग जो 487 वर्ग गज भूमि पर स्थित है नथा जिसका सर्वे नं० 336 टी० पी० एस० नं० 2, एफ० पी० नं० 24 तथा 25, एस० पी० नं० 2 है नथा जो राजपुर हीरपुर धास्टोडिया दरवाजा के बाहर श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 17-6-75 वाले दस्तावेज नं० 5001 में दिया गया है।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1976

(जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संव सर्वे नव 336, टी पीव एसव नंव 2, एफव पीव नंव 24 तथा 25, एसव पीव नंव 2 है, जो राजपुर हीरपुर, ग्रास्टो-डिया दरवाजा के बाहर, ग्रहमदाबाद मे स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसुची मे और पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 17-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशह से अधिक है प्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपद्वारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित :—

- श्री जेसूमाई ग्रयाभाई पटेल, रन्छोड भुवन, प्राण-कंज सोमायटी, कांकरीया रोड, श्रहमदाबाद। (ग्रन्तरक)
 - 2. (i) श्री राजकमार गंगाराम वीजाणी,
- (ii) श्रीमती किरण श्रेम वीजाणी, प्रेम कुटीर, 34 प्रेमेन एवेन्य, णान्तात्रूज, वम्बई-54। (স্रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके</mark> पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल मंपत्ति का एक तिहाई भाग जो 487 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 336, टी० पी० एस० नं० 2, एक० पी० न० 24 तथा 25, एस० पी० नं० 2 है तथा जो राजपुर हीरपुर, आस्टोडिया दरवाजे के बाहर अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 17-6-75 वाले दस्तावेज नं० 4999 में दिया गया है।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-2-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा . 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रंज-1, ग्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1976

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है ग्रीर जिसकी हैं० सर्व

नं 39, 40, 52 से 55 तक, 62, 60-1, ग्रसल प्लाट न 38, 38-ए सर्व नं रेकार्ड के ग्रनुसार 39-ए प्लाट नं 75, टी पी ० तम ० नं 22, एफ ० पी ० नं ० 172 है, जो पालडी, ग्रहमदा-वाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसुची मे ग्रीर पूर्ण हप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकरी ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 17-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक हैं और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीन :---

1. (1) श्री वाडीलाल दलसुख भाई गाधी, पालनी पोल, माणेक चौक, ग्रहमदाबाद।

- (2) श्री हिम्मतलाल, चिमनलाल गांधी, स्वयं तथा हिम्मत लाल चिमनलाल गांधी, एच० यू० एफ० के मैंनेजर की हैमियत से— ग्राम्ली नी पोल, रायपूर, श्रहमदाबाद।
- (3) श्री.प्रवीण चंद्र चिमनलाल गाधी, स्व्य तथा प्रवीण चंद्र चिमनलाल गांधी, एच० यू० एफ० के मैंनेजर की हैंसियत से, पृणिमा पार्क सोसायटी, पासडी, श्रहमदाबाद।
- (4) श्री राजेन्द्रभाई चिमनलाल गांधी, स्वयं तथा राजेन्द्र भाई चिमनलाल गांधी, एच० यू० एफ० के मैनेजर की हैिसियत से, नागजी भूदर भी पोल, माणेक-चौक, श्रहमदाबाद।
- (5) श्रीमती भूरीबेन विधवा चिमनलाल दलसुख भाई गाधी, ग्रहमदाबाद।
 - (6) श्रीमती संवीतावेन चिमनलाल गाधी, श्रहमदाबाद।
 - (7) श्रीमती नीरूबेन चिमनलाल गांधी, ग्रहमदाबाद।
 - (8) श्रीमती पन्नावेन चिमनलाल गांधी, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सेवक णाह् धनजी णाह् ग्रीन, ''ग्रीन विल्ला'', मिरजापुर, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री बलवंत राई नर्मदाशकर विवेदी, नर्मदा कालोनी, णातीवाग, श्रहमदाबाद। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ता-अरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी म्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 932 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे न० 39, 40, 52 से 55 तक, 62, 60-1, ग्रसल प्लाट नं० 38, 38-ए, रेकार्ड के ग्रनुसार सर्वे न० 39-ए प्लाट नं० 75, टी० पी० एस० नं० 22, एफ० पीर्वे नं० 172, है तथा जो पासडी, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 17-6-75 वाले दस्तावेज न० 8018 में दिया गया है।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी महायक क्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजेन रेज-1, ब्रहमदाबाद

तारीखा: 6-2-1976

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 जनवरी, 1976

निदेण सं० ए० सी० क्यू०-23-1-695 (260) / 1-1/ 75-76--श्रतः मुझे, जे० कथ्रिया, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- ए० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 88, 89 तथा 100, याडज गांव, टी० पी० एस० नं० 2, एस० पी० नं० 3, है, जो शंकर सोसायटी, नाराणपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-1975 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का **कार**ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्सरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय 'पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रध-नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; स्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 新 11) या 'उन्त श्र**धिनिय**म', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रब 'उस्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, 'उन्त श्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत् :---

- ा श्री रामप्रसाद प्रह्लादजी पटेल, उ शंकर को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० नाराणपुरा चार रास्ता भ्रहमदाबाद। (ग्रन्सरक)
 - (1) श्री हरीण श्रम्बालाल कपासी.
- (2) हेमन्त श्रम्बालाल कपासी, 4 नवीन पार्क, रेलवे कासिंग के पास, श्रहमदाबाद-13 (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के मंबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी <mark>श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर</mark> पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के ग्रध्याय 20-年 परिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजला मकान, जो 480 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं ० 88, 89 तथा 100 है तथा जो बाडज गांव, टी० पी० एस० नं० 29, नया सब प्लाट नं० 3, शकर सोसायटी नाराणपूरा चार रस्ता, श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथुरिया, मक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 27-1-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन नुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाक 7 फरवरी 1976 निदेश मं० ए० मी० क्यू०-23-1-802(269)/1-1 75-76--श्रतः मुझे जे० कथुरिया,

श्रायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अर्घान प्राधिकारी सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, िरसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 3 एफ० पी० नं० 931 सब प्लाट नं ० 3, है, जो एलिस ब्रिज पालडी ब्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्र**पी**त् :---

- श्रीमती शान्ताबेन जेठालाल, स्वामी नारायण मंदिए, टावर वाला खांचा मणीनगर श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
 - 2. (1) श्रीमती मगुन्नेन रतीलाल,
- (2) ,, कमलाबेन नटवरलाल, जोलापुर गांव ता०---माणंद, डिस्ट्क्ट:---ग्रहमदावाद। (श्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्</mark>त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अविभक्त श्रवल संपत्ति का तीन चौथाई भाग (604 वर्ग गज भूमि का तीन चौथाई भाग) जिसका क्षेत्रफल 453 वर्ग गज है तथा जिसका टी० पी० एस० नं० 3, एफ० पी० नं० 931, सब प्लाटनं० 3 है तथा जो एलिम ब्रिज, पालडी, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 18-6-75 वाले दस्तावेज नं० 8545 में दिया गया है।

जे० कथूरियः सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-2-1976

प्ररूप माई • टी० एन० एस०----

ष्ट्रायकः प्रधिनियम, 1961 (1961 का 42) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदावाद, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निदेश स० ए० सी० क्यू०-23-1-803(270)/1-1/75-76--ग्रत: मुझे जे० कथूरिया.

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है भौर जिसकी संवटी व्याव एसवनंव 3, फायनल प्लाट नंव 931, सब प्लाट नंव 3है, जो एलिस-ब्रिज, पालर्डा, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 18-6-1975

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है श्रीर मुझी यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती
(श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिग्तित मे वास्नविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी श्राय की वाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या,
- (स्त्र) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रन श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त रुधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियो श्रथीत्:—~ 5—476GU75

- श्री रिनकलाल पुरषोत्तमदास, स्वामी-नारायण मंदिर वाला खांचा, मणीनगर, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरा)
 - (2) (1) श्रीमती मंगूबेन रतीलाल,
- (2) श्रीमती कमलाबेन नटवरलाल, जोलापुर गाव. ता० साणंद, डिस्ट्रिक्ट :-ग्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिनडड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक श्रविभक्त श्रवल संपत्ति का एक चौथाई भाग (604 वर्ग गज भूमि का एक चौथाई भाग) जिसका क्षेत्रफल 151 वर्ग गज है) तथा जिसका टी० पी० एस० न० 3, फायनल प्लाट न० 931, सब प्लाट नं० 3है तथा जो एलिस ब्रिज, पालडी, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 18-6-75 वाले दम्तावेज न० 8546 में दिया गया हैं।

जे० कथूरिया. मक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर सायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~1, श्रहमदाबाद

तारीख: 7--2-1976 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेज, कलकता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० टी • श्रार०-57/सि०-69/कल०-1/75-76---- अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती,

प्रायकर प्रिधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/ ह० से अधिक है भौर जिसकी सं० 16 है तथा जो तिरीहा बाजार स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, 5-गवर्नमेंट प्लेस नार्थं में, रजिरट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 28-6-75 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उपत धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 प्रयोजनार्थ के द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: श्रव 'उनत श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269- घकी उपधारा (1) के प्रधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :---

श्रीमती रमा साहा

(भ्रम्तरक)

2. श्रीमती म्० जारिणा बेगम

(भ्रन्तरिती)

 जनाव भ्राम महम्मद (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस युचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

16, तिरिहा बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता मे अवस्थित, 6 कट्टा 3 छटाक 22 वर्ग फिट अमीन पर श्राधा तैयार एक तल्ला, मकान का प्रविभाजित 1/6 हिस्सा।

> एस० के० चक्रबर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, 54 रफी श्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 4-2-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

वार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० टि॰ग्रार०-43/सी०-32/कल-1/75-76---श्रतः मुझे, एस० के० चकबर्ती,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भौर जिज्ञकी सं० 34/1, 34/1बी० एण्ड 35 है तथा जो प्राचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड ग्रौर 46, सुर्भ सेन स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंटप्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 11-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार श्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर यह कि श्रन्तरक (अन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिख न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' को धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :-

- 1. श्रीरिएन्ट एस्टेट एण्ड मैनुफक्चर्स शाइबेट लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- 2. (1) मरेन्द्र नाथ साहा, (2) बीरेन्द्र नाथ साहा (3) रतन लाल साहा (4) सेलेन्द्र नाथ साहा (5) मानिक लाल साहा (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के संबध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त मन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईटका स्टाक भार जो 34/1, 34/1बी ० एण्ड 35 श्राचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड म 17 कट्टा 11 छटाक 13 वर्ग फिट जमीन पर श्रीर 461, सूर्य सेन स्ट्रीट मे 3 कट्टा 2 छटाक 37 वर्ग फिट जमीन पर श्रवस्थित है।

एस० के० चक्रबर्सी सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, 54, रकी ग्रहमद किवचई रोड, कसकत्ता-16

तारीख: 4-2-76 मोहर. प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज-1, कलकना

कलकत्ता-16, दिनाक 4 फरवरी 1976

निर्देश म० टि॰ग्रार०-60/मी०-72/कल०-1/75-76--श्रतः मृद्धे, एस० के० चक्रबर्ती,

भायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- म० से श्राधिक है

ग्रीर जिसकी मं 166 है तथा जो बैटकखाना रोड, कलकत्ता में स्थित (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेट प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 25-6-75

को पृत्रीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार
पूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है
ग्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक
(ग्रन्तरकों)भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत
ग्रन्तरण लिखित में वारतिवक रूप से किथत नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उन्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः धव उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनु-गरण में, मैं उक्त ध्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ब्रधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों श्रधीत — 1. श्रीमती कृष्णा चटर्जी

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती कल्याणी घोष

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—— इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रिमिसेज नं० 166 बैटकखाना रोड् कल०-9।

एस० के० चक्रबर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड़, क्लक्ता-16

तारीख: 4-2-76

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनाक 3 फण्वरी 1976

निदेश सं० टी • श्रार०-62/सी०-74 कल०-1/75-76—-श्रतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती, **प्रा**यकर म्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्राधिक है और जिसकी सं० 6 है तथा जो टट्टी लेन कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेश्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ह और अन्तरक

(क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबस उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए , ग्रीर/या

(म्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच ऐसे म्रन्तरण

के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही

किसा गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- सर्वंश्री (1) चिण्डिका प्रसाद बनार्जी (2) गौरी बनार्जी (3) तारा बनार्जी (4) सङ्गरी बनार्जी (5) भगवती बनार्जी कृपामयी मुखार्जी (7) गीक्षा चटार्जी (8) रानु चटार्जी (9) ग्रन्नपूर्ण देबी (ग्रन्तरक)
- 2. (1) ग्रम्बिका प्रसाद बनार्जी (2) ग्रमल कुमार बनार्जी (3) ग्रशोक कुमार बनार्जी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्राजन के संबंध में कोई भी प्रापेक्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जा उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 टट्टी लेन में भ्रवस्थित लगभग 16 कट्टा जमीन पर पक्का दो तल्ला श्रीर श्रांशिक एक तल्ला मकान 1 श्रन्तरक का उस पर 1/6 हिस्सा है।

> एस० के० चक्रबर्ती, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, 54,रफी ग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 3-2-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस •----

ा श्रीमती शान्ति देवी गुप्ता

(भन्तरक)

2. श्रीमती गंगा देवी कुल्यिया

(भ्रन्मरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 3 फरवरी 1976

निदेश सं० ए०सी०-232/ग्रार०-IV कल०/75-76---- प्रतः मुझे, ए० के० बटब्याल,

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/रूपये से मिधक है श्रीर जिसकी संख्या 38-ए हैं तथा जो चोरबागान लेन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, कलन ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 16-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से धिक है ग्रोर यह कि प्रन्तरक (ग्रन्तरको) ग्रोर प्रन्तरिता (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भीर/या
- (म्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

्रथत: ग्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

38-ए घोरबागान लेन, कलकत्ता-7 में 9 1/2 कट्टा जमीन श्रौर उस पर मकान।

> ए० के० बटब्याल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 3-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेण मं० ए०सी०-40/ग्रार०-II/कल०/75-76--ग्रतः मझे, प्रार० वी० लालमीया श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 22/1-ए० है तथा जो मोहन चांद रोड़, पीं एस बयाटगंज, कलकत्ता-23 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार आलीपुर सदर 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-9-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविज रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; ग्रीक/या
- (ध) ऐसी िसी आप यह किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 या 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः —

- 1. श्री कमल कृष्ण घोष, श्रिभभावक- देवरती घोष 22/1ए, मोहन चांद रोड़, कल \circ -23 (अन्तरक)
- 2. श्री भोला नाथ घोष ग्रौर श्रीमित शान्तिलता घोष, 44/सी० सरकुलर गार्डन रीच रोड, पी०एम० इकबालपुर, कलकता-23। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन का अविधि या नन्सवंधी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूजना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दी और पदां का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

22/1-ए मोहन चाद रोड, कल०-23 में श्रवस्थित 5 कट्टा 11 छटाक खाली अमीन पर रट्टी मचान है।

ग्रार० बी० लालमीया मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II. कलकत्ता -1 6

तारीख: 4-2**-**76

प्ररूप धाई०टी०एन०एस०----

ा मेजर सचिन्द्र नारायण राई देख बर्मा ((ग्रन्तरक)

श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ·269-घ(1) के श्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 फरवरी 1976

निवेश सं ०ए०सी ०-233/प्रार०-IV/कल०/75-76-प्रातःमुझे, ए० के० बटब्याल ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र० से श्रविक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० -267 है तथा जो लेकटाउन, दमदम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रालीपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 25-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से प्रधिक है पीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रश्नीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियां को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, 'उक्त ग्रिश्वितयम' की घारा 269-ग के भनुसरण मे, मैं, 'उक्त ग्रिश्वितयम' की घारा 269-थ की उब-धारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- 2 ग्रमिताभ बामु (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की ध्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधीहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-कः में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुचो

मौजा—पातिपुकुर, प्लाटसं०-267, व्लाक-बी०, लेक टाउन, थाना—दमदम, जिला 24-परगना में 5 कट्टा 5 छटाक 13 स्कोयर फिट खाली जमीन।

> ए० के० बटब्याल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 54, रफी अहमद किदबई रोड, श्रजन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 4-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------

1. श्रीमती ग्रमिता राय

(ग्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० टी०ग्रार०-58/सी०-70/कल०-I/75-76--श्रत: मक्षे, स० क० चक्रवर्सी ध्रधिनियम, भायकर 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 16 है तथा जो टिरिट्टा बाजार स्ट्रीट, कल० में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्न-मेंट प्रैस नाथ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) ने प्रधीन, तारीख 28-6-75 को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीम कर देने के अन्तरक के टायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:— 6—476GI/75 2. महम्मद सलीम

(अन्तरिती)

 ϵ . जनाव ग्रास महम्मद (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप्रक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी भण्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पटिकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16,, टिरिट्टा बाजार कलकत्ता में भ्रवस्थित 6 कट्टा 3 छटाक | 22 वर्ग फिट जमीन पर भाधा तैयार एक तल्ला मकान का श्रविभाजित 1/6 हिस्सा।

> स० क० चक्रवर्सी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-154, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 4-2-76

मोहर;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

> भारत सरकारे कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

> > प्रर्जन रेंज-IV, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० टी०श्रार०-59/सी०-71/कल०-I/75-76---- अत: म्झे, स० क० चऋवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है भ्रौर जिसकी स० 16 है तथा जो टिरिट्टा बाजार स्ट्रीट कल-कत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्मेंमेट प्रैस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-75 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अर्धान कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के निपः

अतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, म, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा(1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्धात् :— 1. श्रीमती कमला राणी साहा

(भ्रन्तरक)

2 मु: सुलताना बेगम

(ग्रन्तरिती)

3. जनाब स्राम महम्मद (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को प्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपक्क में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पदिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उमत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16, टिरिट्टा बाजार स्ट्रीट, कलकता में श्रवस्थित 6 कट्टा 3 छटाक 22 वर्गफिट जमीन पर श्राधा तैयार मकान का श्रविभाजित 1/6 हिस्सा।

स० क० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, कलकत्ता

तारीख: 4-2-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269(व) (1) के अधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1976

श्रीर जिसकी सं० 49 बीघे 17 बिस्वे भूमि है तथा जो गांव रनवीर पुरा तहसील पटियाला म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- श्री बलबीर सिंह पुत श्री काहना सिंह गांव रनबीर पुरा, तहसील पटियाला।
 (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री (1) गुरमीत सिंह (2) ग्रमरजीत सिंह (3) हरमीत सिंह (4) हरजीत सिंह पुत्र श्री बलबीर सिंह, गांव रनबीर पुरा, तहसील पटियाला, (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के गर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्याध या धत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

49 बीघे, 17 बिस्वे भूमि जो कि गांव रनबीरपुरा, तहसील पटियाला में स्थित हैं।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2873, सितम्बर, 19.75 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाण मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, चण्डीगढ़

ता**रीख: 4-2-7**6

मो**ह**रः

त्रक्ष भाई० टी० एन० एस०-----

मायकर मिश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
156, सैक्टर 9 बी, ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़
चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० पी०टी०ए०/317/75-76—म्प्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, ग्रायकर ग्रिधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत धिसियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 78 कनाल 17 मरले भूमि ट्यूबबैल, कमरे ग्रीर इन्जन के सहित है तथा जो गांव बख्शीवाला, तहसील पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुन, 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरिवियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भ्रौर
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में. में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269भ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित ्रव्यक्तियो, ग्रर्थात् क्र. क

- 1. सर्बक्षी (i) गुरवीप सिंह, (ii) महिन्द्र सिंह, (iii) जिंगन्द्र सिंह (iv) स्वर्ने सिंह (v) परदुमन सिंह पुत्र ईशर सिंह निवासी गांव बख्शीवाला, तह० तथा जिला पटियाला। (श्रन्तरक)
- 2. (i) श्री महिन्द्र सिंह (ii) श्री जिंगन्द्र सिंह पुत श्री मोहन सिंह निवासी गांव बखशीवाला, तहसील तथा जिला पटियाला। (अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

₹. ५<mark> उक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के सबध में</mark> कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की ग्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (छ) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के
 े पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण --इंसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

धनसन्त्री ः

78 कनाल 17 मरले भूमि ट्यूबवैला कमरे और इन्जन के सिहत जोकि गांव बखशीवाला, तहसील पटियाला में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1259, जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है)।

> विवक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 4-2-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं०पी०टी०ए०/1150/75-76---श्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित **बा**जार मूल्य 25,000/- र० से श्रधिक है श्रौर ग्रौर जिसकी सं० 44 बीघे 10 बिस्वे भूमि है तथा जो गाव कौली, तहसील पटियाला में स्थित (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, पटियाला मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अगस्त, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिशीत् :---

- 1. श्रीमती कुन्दन कौर, विधवा श्री साधू सिंह नियासी गांव कौली, तहसील पटियाला। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह निवासी गांव झील, तहसील, पटियाला। (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

44 बीघे 10 बिस्वे भूमि जो कि गांच कौली, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2422, ग्रगस्त, 1975 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है)।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

तारीख: 4 फरवरी, 1976

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०--

ग्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरवरी 1976

निवेश सं० पी०टी०ए०/1151/75-76—-ग्रतः मुझे, विवेक

प्रकाश मिनोचा, धायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 44 बीचे 9 बिस्वे भूमि है तथा जो गांव कौली, तहसील पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी क्षाय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विया जाना चाहिये था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव उक्त श्रिष्ठितयम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः—

- श्रीमित गुरबचन कौर, पुत्री श्री बखतीर सिंह निवासी गांव कौली, तहसील पिट्याला। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरिदयाल सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, गांव झील, पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

44 बीघे 9 बिस्वे भूमि जो कि गांव कौली तहसील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2423 श्रगस्त, 1975 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है)।

> विवेक प्रकाण मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 4-2-1976

٠.*

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 फरबरी 1976

ष्मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है श्रोर जिसकी सं० 103 कनाल 10 मरले भूमि ट्यूबवेल पांच हार्स पावर की मोटर श्रीर कर्नकशन के सहित है तथा जो गांव बखगीवाला तहसील पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रिजस्ट्रीकरण श्रधि-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरितो द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भ्रव उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—

- 1. श्रीमती ग्रमर कौर विधवा श्री हरदयाल सिंह निवासी नाभा गेट पटियाला। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री भूषिन्द्र सिह पुत श्री गज्जन सिंह (2) श्रीमती नछतर कौर, पानी श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री गज्जन सिंह (3) श्री वीरेन्द्र सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह निवासी पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

103 कनाल 10 मरले भूमि, ट्यूबवैल, 5 हासं पावर की मोटर श्रीर बिजली के कनैक्शन के सहित, जोकि गांव बखशीवाला, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1420 जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है)।

> विवेह प्रकाश मिनीचा सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रज, चण्डीगढ़

तारीख: 4-2-1976

प्ररूप श्राई०टी०एन०एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रा<mark>युक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनाक 4 फरवरी 1976

निदेश स॰ पी॰टी॰ए॰/1499/75-76—श्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'उथत ग्रधिनियम' कहागया है), पश्चात इसमें इसके श्रधीन सक्षम प्राधिकारी 269-ख के को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-- रुपये से ग्रधिक है श्रीर श्रीर जिसकी सं० 97 कनाल 8 मरले भूमि है तथा जो गांव बखशोवाला, तहसील पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्टिनयम, या धनकर श्रिष्टिनयम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब, उक्त म्रधिनियम, की धारा 269-ग क मनुसरण में, में, उक्त म्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थातः :--

- श्रीमती ग्रमर कौर, विधवा श्री हरिदयाल सिंह निवासी नाभा गेट, परियाला। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री भूपिन्द्र सिंह, पुत्न श्री गज्जन सिंह (2) श्रीमती नछतर कौर पत्नी श्री गुरनाम सिंह (3) श्रीवीरेन्द्र सिंह, पुत्र श्री गुरनाम सिंह, निवासी पटियाला। (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं:---

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुवत ग्रब्दो और पद्यो का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रद्धाय 20-क मे परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

97 कनाल 8 मरले भूमि जोकि गाव बखशीवाला, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1421 जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी पटियाल। के कार्यालय में लिखा है)।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्र≀धिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, चण्डोगढ़

तारीख . 4 फरवरी, 1976 मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोंज. चण्डीगढ़ चण्डीगढ़ दिनाक, 4 फरवरी 1976

निदेश स० सी०एच०डी०/226/75-76—ग्रतः मझे. विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 8 है, तिथा जो सैक्टर 19-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1975 को पूर्वोक्त सम्पति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ कि उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित श्र्यक्तियों, श्रथीत् :7-476GI/75

- 1. श्रीमती सर्सवती देवी, पत्नी श्री जुगल किशोर मारफत मैं० कन्हेंया लाल जुगल किशोर कपड़े के व्यापारी गांधी चौक हिमार, द्वारा उसके मस्तयार स्नाम श्री जगल विशोर, पुत्न श्री कन्हेंया लाल (अन्तरक)
- 2. (1) मेजर गुरमीत इन्द्र सिंह गरेबाल, पुत्र श्री दिवन्द्र सिंह, गरेबाल (2) श्रीमती सुखलीन गरेबाल, पत्नी मेजर गुरमीत इन्द्र सिंह गरेबाल, निवासी वसी श्रफगाना (बसी पठाना) तहसील सरिहद, जिला पटियाला । (श्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री किशन सिंह, पुत्न श्री बलवन्त मिह 683 सैक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़ (2) श्री सुरेन्द्र कुमार (3) श्री फिलिप्स मारफत एस०सी०एफ० ने० 8 सैक्टर 19-डी०, चण्डीगढ़। (वह ब्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारम ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितक स
 िकसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किये जा मर्केंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

जाप क्रम फ्लैट न० 8, सैक्टर 19-डी०, चण्डीगढ़।

विवेक प्रकाश मिनोचा मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, वण्डीगढ

तारीख: 4-2-1976

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०——— ग्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भारत सरकार

श्चर्जन रेंज, धारवाड

धारवाढ़-580004, तारीख 31 जनवरी 1976

निदेश सं० 99/75-76/ए०सी०क्यू०--यतः, मुझे, पी० सत्यनारायण राव. सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन धारवाढ़ म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है भ्रौर जिसकी प्लाट सं० 6 जो मारिया पेरैरा नामक है जो🌶 पंजिम म्युनिसीपलिटी के हद्द में गास्पर डयास् में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पंजिम में भारतीय रजिस रजिस्ट्रोक्तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 2-6-1975 के दिन , डाक्युमेंट सं० 383 के भ्रन्तर्गत को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उ चित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी स्राय की वायत, उक्त स्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रर्थात :---

- 1. कन्क़िरियास रूनिदास डा इग्रेजा डी, पंजिम श्रपने प्रेसीडेंट, श्रटानीं श्रीर ट्रैजरर से प्रतिनिधिख ग्रीर सभी पंजिम के वासी। (श्रन्तरक)
- $2\cdot$ (1) मि० फिदा हुसैन (2) मिसज फातिमा मर्चेंट, (3) मि० फिरोज हुसैन मर्चेंट सभी प्लाट ने० 12, बिल्डिंग 2, 5 स्टार अपार्टमेंट्स, बंद गार्डन रोड, पूना-1 के वासी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उपत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिशितियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

पंजिम म्युनिसीपिलिटी के हुँद में गास्पर ख्यास में रिथत "मारिया पेरैरा" नामक ब्रास्ती के प्लाट सं० जी०-6 नामक जमीन का टुकड़ा जो 500 चंदर मीटर मापन का है और जिसकी सीमाएं:

पूरब—प्लाट नं० जी०-5 पश्चिम —प्प्लाट नं० जी०-7

> पी० सस्यनारायण राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंजे, धार**वाड़**।

तारीख: 31-1-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्वर्जन रेंज, धारवाड़ सवजूर बिल्डिंग
धारवाड़-580004, दिनांक 31 जनवरी 1976
निदेश सं० 100/75-76/एक्यू०--यतः, मुझे, पी०
सत्यनारायण राव
धायकर श्रिधनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत श्रिधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है और जिसकी प्लाट सं० जी०-3 है जो मारिया पेरैरा नामक है तथा जो पंजिम म्युनिसिपॉलिटी के हद में गास्रपर डयास में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप, से विणत है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रिधिवारी के वायंत्य, रजिम में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिवियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, तारीख 13-6-1975 के दिन डाक्युमेंट नं० 438 के श्रन्तर्गत को पूर्वीकर सम्पत्ति के उथित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत स्म्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यन्तियों, अर्थात्:——

- कन्फ़्रेरियास रूनिदास डा इग्रेजा डी पंजिम, प्रपने प्रसीडेंट, घटानी श्रीर ट्रेजरर से प्रतिनिधित श्रीर सभी पंजिम के वासी। (श्रन्तरक)
- 2. (1) फ्रॉको अगोस्टिन्हो भेनेझेस, सेंट एस्टेबाम् गोवा के वासी (2) मिसेज सबीना रिमा रोड्रिग्, सेंट एस्टेबाम, गोवा के वासी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तन्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रवाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दो और पदो का जो 'उस्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूखी

पंजिम म्युनिसिपिलिटी के हुई में गांस्पर इयास में स्थित "मारिया पेरेरा" नामक श्रास्ती का प्लाट नं० जी०-3 नामक जमीन का टुकड़ा जो 500 चंदर मीटर मापन का है श्रीर जिसकी सीमाएं:

उत्तर---इन्टर्नल रोड; दक्षिण--बुझा जगह पूरब--प्साट नं० जी०-2, पश्चिम --प्लाट नं० जी०-4।

> पी० सत्यनारायण राव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख: 31-1-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्मस, सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) धारवाड-580004, श्रर्जन रेज, धारवाङ

धारबाड 580004, दिनाक 31 जनवरी 1976

ानदेण म० 101/75~76/ए क्य्०~~श्रत. मुझे. पी० सन्यनारायण राव,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से स्रधिक है

यौर जिसकी प्लाट स० सी०-8 है जो मारिया पेरेरा नामक पंजिम म्युनिसिपिलिटी के हद में गास्पर डायस में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय, पंजिम में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्चीन, ता० 13-6-1975 के दिन डाक्युमेंट नं० 439 के अन्तर्गत को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्दह प्रतिशत से श्रधक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उम्त श्रधिनियम, की धारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की स्पधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रमीत्:--

- कन्फोरियास रूनिदास डा इंग्रेजा डी पंजिम ग्रपने प्रैसिझेंट, श्रटानीं श्रौर ट्रेजरर मे प्रतिनिधित श्रौर सभी पंजिम के बासी। (श्रन्तरक)
- 2. मिसेम् फिलोमिना फनडिंम, जाए श्रावियर श्रनमेडा के बेटे कोलवा के नामी (गोवा) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येनाहियों करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पंजिम म्युनिसिपिलटी के हद्द में गास्पर जायस में स्थित 'मारिया पेरैरा नामक श्रास्ति का प्लाट न० जी०-8 नामक 'जमीन काट्यकड़ा जो 500-चंदर मीटर मापन का है श्रीर जिसकी सीमाएँ ---

उत्तर--प्लाट नं० सी०-7 दक्षिण--प्लाट नं० सी०-9 पूर्व--इंटर्नल रोड पश्चिम--खाली जगह

> पी० सत्यनारायण राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख: 31-1-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, धारवाड

धारबाइ-580004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निर्देश म० 102/75-76/ए-क्यू०—यतः मुझे, पी० मत्यनारायण राव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी प्लाट मं० डी०-6 है जो मारिया पेरेरा नामक है जो पंजिम म्युनिसिपिनटी के हृद् में गास्पर डायस में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, पंजिम में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-7-1975 के दिन डाक्युमेंट नं० 545 के अन्तर्गत को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत ग्रिधक है ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रान्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनयम,' के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उन्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उन्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- कन्क्रेरियास रूनिदास डा इग्रेजा डी पंजिम अपने प्रैसिडेट, अटार्नो और ट्रैजरर मे प्रतिनिधित श्रीर सभी पंजिम के वासी (अन्तरक)
- 2. मिसेस मिर्या मकाल्डा डिसोजा, बागा में रहने वाली वेलिम सलसेंटे (गोवा) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पंजिम म्युनिसिपिलटी के हद् में गाँस्पर डायस में स्थित "मारिया पेरैरा नामक श्रास्ति का प्लाट न० डी०-6 नामक जमीन का टुकडा जो 480 चदर मीटर मापन का है श्रीर जिसकी सीमाएं:--

उत्तर---प्लाट नं० डी०-7 दक्षिण--प्लाट नं० डी०-5 पूरब--मेरिया पेरैरा श्रास्थि का बाकी जगह पश्चिम--इंटर्नेल रोड

> पी० सत्यनारायण राव सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज, धारवाड़

तारीख: 31-1-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

थ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, धारवाड

धारवाड-580004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निर्देश सं० **--**यत . मुझे, पी० सत्यनारायण राव ग्रधिनियम, 1961 (1961 和 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), प्राधिकारी को, की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है **ब्रौर** जिसकी सं० प्लाट सं० सी०-5 है जो मारिया नामक पेरैरा नामक है जो पंजिम म्युनिसिपलिटी के हुइ में गॉस्पर डायात में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यानय, पजिम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 18-6-1975 के दिन डाक्यमेट मं० 465 के ग्रन्तर्गत

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत :——

- कन्फे। रियास रूनिदास डा इग्रेजा डी०पिजम, श्रपने प्रेसिडेंट श्रटानी और ट्रेजरर से प्रतिमिधित श्रीर सभी पंजिम (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स जोसेफिन सोइफ-रॉय, जोनायास वाज, टींचर के बेटी (2) श्री ग्रंथोनी जॉन सोझा-रॉय, कासटेटियानो डिसोझा, वकील के बेटा 3. कुमारी अश्विन पीटर सौझा राय, मभी पंजिम के वासी (ग्रंथ बंलेमें) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सबध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जी उनत श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क मं परिभाषित है, वहीं शर्थ होगा, जी उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पंजिम म्युनिसिपिलिटी के हृद्द में गास्पर डायस में स्थित "मारिया पेरैरा" नामक श्रास्ति का प्लाट नं० सी० 5 नामक जमीन का टुकड़ा जो 578 चदर मापन का है।

> पी० सत्यनारायण राव सक्षम प्राधिकारी ्सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवाड़ ।

तारीख: 31-1-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवाट

धारवाङ्-580004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० 104/75-76/ए०सी०क्य०—–यत⁻, मुझे, पी० सत्यनारायण राव

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक हैं ग्रीर जिसकी प्लाटसं० सी०-14 है जो मरिया पेरैरा नामक है, जो पंजिम म्युनिसिपिलिटी के हद्द में गॉम्पर डायस में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पंजिम में र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 19-6-1975 के दिन डाक्युमेंट नं० 466 के ग्रम्तर्गत को,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत:---

- कन्फ्रेरियास रूनिवास डा इग्रेजा डी पंजिम, श्रपने ग्रेसिडेंट, ग्रटानी और ट्रेजरर से प्रतिनिधित श्रौर सभी पंजिम के वासी। (श्रन्तरक)
- 2. श्री डोमिंगो मन्यूर्ल रोड्डिग्स श्री हिलारिथो रोड्डिग्स के बेटा संताना इल्हास (गोवा) के वासी (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पंजिम म्युनिसिपिलटी के हद्द में गॉस्पर डायस में स्थित "मिरिया पेरेरा" नामक श्रारैस्थी का प्लाट नं श्री०-14 नामक जमीन का टुकड़ा जो 500 चंदर मीटर मापन का है श्रीर जिसकी सीमाएं :--

उत्तर--खाली स्थल दक्षिण --इंटर्नेल रोड ; पूर्व--खाली जगह ; पश्चिम--प्लाट नं० सी०-15

> पी० मत्यनारायण राव सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, धारवाड

तारीखा: 31-1-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, धारवाड

धारवाइ-580004 दिनांक, 31 जनवरी 1976

105/75-76/ए०सी०क्य०--यतः मुझे, पी० मध्यनारायण राव 1961 (1961 का श्रधिनियम, श्रायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' नहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रौर जिसकी प्लाट सं० सी०-15 जो मरिया पेरैरा नामक है, जो पंजिम स्पनिसिपलिटी के हृद्द में गॉस्पर डायस में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची मेग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पंजिम मे रजिस्ट्रीकरण म्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 21-6-1976 के दिन डाक्सेंट सं० 478 के अंतर्गत,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तियक क्ष्य मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव 'उक्त श्रिष्ठिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रिष्ठिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिष्ठीत् :—

- 1. कन्फ्रेरियाम रानिदाम टा इग्रेजा डी० पंजिम, श्रपने प्रैसिडेट, श्रटानी और ट्रेजरर से प्रतिनिधन श्रीर सभी पंजिम के वासी। (प्रन्तरक)
- श्री शेख हुमैन शेख ईमाक त्रिसिनेमन का बेटा
 पिजम (गोवा) (भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पंजिम म्युनिसिपलिटी के हद्द में गास्पर डायस में स्थित "मरिया पेरैरा" नामक श्रास्ती के प्लाट स० सी०-15 नामक जमीन का टुकड़ा जो 500 घटर मीटर मापन का है श्रीर जिसकी सीमाएं:—

उत्तर--खाली जगह श्रीर प्लाट न० मी०-17 दक्षिण--इंटर्नल रोट पूर्व--प्लाट न० मी०-14 पश्चिम--प्लाट न० मी०-16

> पी० मत्यनारायण राव सक्ष म प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. धारवाड

तारीख . 31-1-1976 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-581004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० 106/75-76/ए०सी०नयू०---यतः, मुझे, पी० सस्यनारायण राव प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार

मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी प्लाट सं० ए०-7 जो मरिया पेरेरा नामक है, जो पंजिम म्युनिसिपिलटी के हृह में, गॉस्पर डायस में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पंजिम में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 26-6-1975 के दिन डाक्युमेंट सं० 498 के ग्रन्तर्गत,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उन्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित् 8—476 GI/75

- 1. कन्फ्रेरियास रूनिदास डा इग्रेजा डी० पंजिम श्रपने प्रेसिडेंट, श्रटानीं श्रीर ट्रेजरर से प्रतिनिधित श्रीर सभी पंजिम के सभी वासी ! (श्रन्तरक)
- 2. श्री मरियो रोबरटो मंसिपवटा जोसे रोबरटो एव-रिस्टो एफ० एन० डो० एस्पिरिटो एस० मेसिपवटा का बेटा ग्राल इंडिया रेडियो श्राफिस, पंजिम (गोवा) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रिविनयम' के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

पंजिम म्युनिसिपिलिटी के हद्द में गॉस्पर डायस में स्थित मरिया पेरैरा नामक श्रास्ति के प्लाट सं० ए०-7 नामक जमीन का टुकड़ा जो 550 चदर मीटर मापन का है श्रीर जिसकी सीमाएं:---

उत्तर—-कोट्टा कझेटा का डा० श्रलेक्सो एक्स मार्टिन्स का सपत्ति ।

दक्षिण--इंटर्नल रोड । पूर्व--प्लाट सं० ए०-6 पश्चिम--कोट्टा कझेरा का डा श्रालेक्सी एक्स मार्टिन्स का सपत्ति।

> पी० सत्यन।रायण राव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख: 31-1-1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० 107/75-76/ए०सी०क्यू०--यतः, मुझे, पी० सत्यना रायण श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सम्पत्ति, जिसका कारण है कि स्यावर अधिक बाजार मृत्य 25,000/- रु० से भ्रौर जिसकी प्लाट सं० एफ०-4 जो "मरिया पेरैरा" नामक है, जो पंजिम म्युनिसिपलिटी के हद्द में गॉस्पर डापस में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पंजिम में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 28-6-1975 के दिन डाक्युमेंट नं० 499 के ग्रंतर्गत को पुर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अन्तरित की गईहै और मुझे यह प्रतिफल के लिए विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- तन्फेरियास रूनीदास डा इग्रेजा डी पजिम, श्रपने प्रेसीडैंट, ग्रटानी ग्रीर ट्रेजरर से प्रतिनिधित, सभी पंजिम (ग्रीवा) के वासी।
 (ग्रन्तरक)
- 2. मि० फिडेलिस कालिस्टो पेरैरा, पुत्न दियोगे फॉन्सिस्को पेरैरा, मर्चेंट नेवी ग्राफिसर, सेंट एस्टावेम (गीवा) के वासी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

पंजिम, म्युनिसिपिलिटी के गाँस्पर डायस् में स्थित 'मिरिया पेरैरा'' नामक आस्ती का प्लाट नं० एफ-4 नामक जमीन का टुकड़ा जो 500 चंदर मीटर मापन का है स्रोर जिसकी सीमाएं :---

उत्तर : प्लाट, एफ-3, दक्षिण : प्लाट एफ-5, पूर्व : इंटर्नेक्ष रोड;

पश्चिम : मारिया पेरैरा श्रस्ती का सम्र भाग का बंद श्रौर डा० ग्रलेक्सो शेवियर मार्टिन्स का धान का खेत ।

> पी० सत्यनारायण राव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज धारवाड

तारीख: 31 जनवरी 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज धारवाड

धारवाड-580004, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० 108/75-76/ए० सी० क्यू०:--यतः, मुझे, पी० सत्यनारायण राव भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), सक्षम प्राधिकारी को की धारा 269-ख के अधीन यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० ग्रास्ती है, जो पंजिम् मुनिसिपालिटी के हद में साटा इनेइन् में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबढ श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, पंजिम् 28 जुन, 1975 के दिन डाक्युमेंट नं० 497 के अन्तर्गत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 (को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित के मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित उपक्तियों, अर्थात :---

- 1. (1) मिसेस नीना रेबेलो पिटों.
 - (2) मिसेस्, शक्तला पिटों मखीजा श्रीर
- (3) मि० फर्नाडी पिटों, सभी कंपाल, पंजिम् (गोवा), के वासी ।

(ग्रंतरक)

 मिसोस् बेमिरा रिटा सौझा गोम्स, "सी ब्रीझ" बिल्डिंग मीरामार, पंजिम् (गोवा) के वासी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उषत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अमुसुची

28 जून, 1975 के दिन रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पंजिम् में रिजस्ट्रीकृत डाक्युमेंट नं० 497 में वर्णित ग्रास्ती ।

> पी० सत्यनारायण राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज धारवाड

तारीख: 31-1-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भागकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं अति आर 62/4408/75-76/एक्यू०/बी०:--यतः मुझे भ्रार० कृष्णमूर्ति,

भायकर भिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रीर जिसकी सं० 143 है, तथा जो ${f V}$ वां ब्लाक, 7 मैनरोड, जयनगर, बंगलूर-II में स्थित है (श्रौर इससे उपाब*ह* श्रनुसूची मे स्रौर पूर्ण रूप से वाणत है) रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जयनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ता० 5 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्त-रकों) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रत: श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्सरण में, में, उक्त ग्रिंघिनियम की घारा 269-ध की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :---

- (1) बी० विश्वेण्यरय्या, प्रधान अध्यापक, सरकारी हाई स्कूल, गुडिबंडा, कोलार जिला ।
 - (2) श्रीमती ललितम्मा पत्नी स्व० श्री बी०र।मकृष्णया
 - (3) बी० ग्रार० सत्यानारायण
 - (4) बी० द्यार० कृष्णमूर्ति

- (5) बी० ग्रार० प्रसाद (ग्रत्पवयस्क, प्रतिनिधि व रक्षा-कर्त्ता माता श्रीमति ललितम्मा, नं० बी०-80 समीरपुरम, केंपेगीड नगर, बंगलूर-18। (भ्रन्तरक)
 - (1) श्री बी० एस० माधव.
 - (2) श्रीमती कमला माधव पत्नी श्री माधव
- (3) कुमारी सुभा माधव सुपुत्री श्री बी ० एस० माधव नं ० 78 राणोनीराव रोड, बसवनगुड़ी बंगलूर-4
- श्री बी० ग्रार० भगवान पिता स्व० श्री बी० रामकृष्णय्या नं० ई-262, ग्रमर कोलोणी नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 4.5 दिन की भ्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ट, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में 'प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन, त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य 🐔 अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्णे. होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 886/75-76 ता० 5 जून, 1975) खाली भवन प्रवस्थान नं ० 143 Vञ्लाक, जयनगर एक्स-टेशन, बंगलूर (7 मैन रोड)।

अवस्थाम स्रेत्रफल :~-

पूर्व से पश्चिम : 90' } 4050 वर्ग फीट उत्तर से दक्षिण : 45'

सीमाएं :---

पूर्व : सड़क

पश्चिम : भ्रवस्थान नं० ८८

उत्तर: ग्रवस्थान नं० 44 भीर दक्षिण : भ्रवस्थान नं० 142

> श्रार० कृष्णमृति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, बंगलुर

तारीख: 22 जनवरी 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० भ्रार० 4414/75-76/एक्यू० बी०--यतः मुझे ग्रार० कृष्णमूर्ति:--म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 145 सर्वे० नं० 87/1 है, तथा जो ग्राडु-गोडि, बंगलुर (डिवीजन नं० 62) में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन ता० 13 जून, 1975 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की काबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब 'उम्त अधिनियम' की घारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, 'उम्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती मुनियम्मा पत्नी चित्रकरांमय्या सुद्दगुण्टप्पालया नवरकरे, बंगल्र ।

(अन्तरक)

 श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री सम्पतराज नं० 17 वेलीं स्ट्रीट, लांगफोर्ड रोड बंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूघना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया भग्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1013/75-76 ता० 13 जून 1975 ग्रयस्थान नं० 145-सर्वे० नं० 87/1 में जो श्राहुगोडि बंगलूर डिबीजन नं० 62 में स्थित हैं।

क्षेत्रफल:---

पूर्व से पश्चिम : 60' } 2700 वर्ग फीट उत्तर से दक्षिण 45' }

सीमाएं :---

पुर्व: सङ्क

पश्चिम : र्मको फाक्टरी भूमि उत्तर : रामरेड्डी का ग्रवस्थान ग्रौर

दक्षिण: येल्लम्माकाघर

श्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगसूर

सारीख: 20 जनवरी 1976

मोहरः

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०**-**--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं ० सी० भ्रार० 62/4484/75-76/एक्यू० बी०:—— यतः मझे श्रार० कृष्णमृति

ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 22/9 है तथा जो ग्रांट रोड सविलि स्टेशन बंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ता० 27 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत 'उक्त ध्रिधिनियम', के ध्रधीन कर देने के घ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रौर
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, 'उक्त भ्रधिनियम'. की धारा 269-घ की उपघारा (1) भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत् :—

- (1) श्री ग्रन्तोणी ग्रलेक्सिस डिजोजा पिता श्री पी० जी० डिजोजा
- (2) श्रीमती डीरोनी सबिता डिजोजा परनी ए० ए० डिजोजा नं० 22 ग्रांट रोड बंगलूर में रहने वाले

(अन्तरक)

(1) कुमारी जयशीला पिल्लै

(2) कुमारी जयमाला पल्ले (म्रल्पवयस्क) प्रतिनिधि पिता व रक्षाकर्त्ता श्री के० पी० पिल्ले।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सभ्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: -- हसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1115/75-76 ता० 27 जून 1975)

सम्पत्ति जो कोने में खाली श्रवस्थान जो 22/9ग्रांटरोड सिविल स्टेशन बंगलूर (पुराना नं० 31 ग्रांट रोड बंगलूर 'ऊरगम हाऊस' का भाग)

अवस्थीन क्षेत्रफल

पूर्व से पश्चिम : 77' } 7546 वर्ग फीट उत्तर से दक्षिण: 98'

सीमाएं :---

उत्तर : पडोस की जमीन दक्षिण : भ्रवस्थान नं० 22/8

पूर्व: सङ्क

पश्चिम: पडोस की जमीन

ग्नार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बंगलुर

तारीख: 22 जनवरी 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 26 9-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/4498/75-76/एक्यु० बी०:--यत: मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति, ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० खाली ग्रवस्थान नं० 11/1 व 11/1-2 है तथा जो बिल्सन गार्डन बंगलूर - 27 में स्थित है (श्रौर इससे उपा-बद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता ग्राध-कारी के कार्यालय जयनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्राधनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ता० 10 जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुग्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के धनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री ए० रामकृष्ण S/o श्री के० अप्पा रेड्डी
- (2) प्रापा रेड्डी उर्फ वाबु उर्फ प्रानिल कुमार
- (3) म्रानन्द
- (4) अरुण-प्रत्पवस्क-प्रतिनिधि उनके पिता व रक्ष कर्त्ता श्री ए० रामकृष्ण जो हरपनहल्ली गांव जिगनी होब्ली श्रानेकल तालूका बंगलूर जिला, तथा नं 119 से 1124 इस्ट एण्ड रोड (राष्ट्रीय विद्यालय सड़क) विश्वेषवरपुरम बंगलूर-4 में रहते हैं। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती डी० मनोरांजितम्मा पन्नी डी० वेनुगोपाल नं० 43-10वां क्रासपार्क के एरिया विल्सण गाइंन बंगलूर-27 या नं० $62 \, V$ मैन विल्सन गाईंन बंगलूर-27

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों, का जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 933/75-76 ता॰ 10 जून 1975)

खाली श्रवस्थान नं० 11/1 श्रौर 11/1-2 जो विल्सन गार्डन बंगलूर (पुराना नाम श्ररेकम्पन हल्ली) में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम: 70' } 1960 वर्ग फीट उसर से बक्षिण 28'

सीमाएं :---

पूर्व: सरकारी जमीन

पिष्चम : रामय्या की जमीन उत्तर : नरसिंहय्या की जमीन

दक्षिण : सड़क

न्नार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज बंगलूर

तारीखा: 22 जनवरी 1976

प्ररूप आई। टी० एन० एस∙

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगल्र; दिनाक 22 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० भ्रार० 62/4541/75-76/एक्यु० बी०:---यतः मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति, भायकर ग्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रिधिनियम' कहा गया है) परचात् 'उक्त की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है, श्रीर जिसकी सं० 49/3 खाली श्रवस्थान है तथा जो चर्लस कांपल रोड काक्स टाउन सिविल स्टेशन में स्थित है (श्रौर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ता० 16 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रसिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत अधिनियम के अधीन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या,
- (खा) ऐसी किसी आयया किसी अनिया म्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम अधिनियम, या धन-कर 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

धतः अव, सकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रिवित्यम की धारा 269-व की उपधारा (1) में ग्रधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों. अर्थात्:--

- श्री ए० एस० वेणुगोपाल S/O स्वा० ए० एस० श्रीनिवासन श्रय्यर नं० 28 सिधी कालोनी बंगलूर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ए० एम० श्रीनिवासन S/o स्व० ए० के० शिवारम श्रय्यर
- (2) श्रीमती राधा श्रीनिवानस पत्नी श्री ए० एस० श्री-निवासन दोनों नं० 6 डा कास्टा ले भ्राउट कूक टाउन बंगलूर-5 में रहने वाले।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टोकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1172/75-76 ता० 19 जून, 1975)

खाली भ्रवस्थान मुनिसिपल नं० 49/3 जो चालीस काम्पल रोड़ काक्स टाउन सिविल स्टेशन बंगलूर (डिवीजन नं० 49) में स्थित है।

अवस्थान क्षत्रफल पूर्व से पश्चिम 50'. 6" उत्तरसे विक्षण 40'

सीमाएं :---

पूर्वः मकान नं० 49/4 पश्चिम : मकान नं० 49/2 उत्तर: दक्षिण रेल

दक्षिण : 25 फीट सड़क

श्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ष्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 22 जनवरी 1976

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जनवरी, 1976

निर्देश सं० सी० श्राप्त 62/4.627/75-76/ क्यू०/ बी०:—-धतः मुझे, भ्राप्त० कृष्णमृति,

श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रु० से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० 13-ए, नं० 1/21 का भाग है, तथा जो राजमहल विलास एक्सटें शन, बेल्लारी रोख, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ना० 16 जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घ्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए।

श्रत: ग्रब उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों. श्रम्वति:—

1. मैसर्स विश्वराम होटल्स लिमिटेंड नं ० -1/21, बेल्लारी रोड, बंगलूर -6

(भ्रन्तरक)

रजिस्टर्ड ग्राफिस : नं० 1 हनुमान रोड, मार्गल हाउस, नयी दिल्ली -1 ।

9-476 GI/75

2. श्री एम० एस० रामचन्दा S/० स्व० श्री ए० श्रीरंगय्या शेटी नं०: 1137 इस्टेर्ण एक्सटेंशन, मंडया।

(भ्रन्तरिती)

4. मैसर्स रेडरोस नं. 42 कस्तूरबा रोड कास, बंगलूर-1 (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हतिबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उवत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी म्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1250/75-76 ता० 16 जून 1975)

सपत्ति जो कोने में खाली ग्रवस्थान है जिसका नं 13-ए है भौर जो नं 1/21 राजमहरू विलास एक्सटेंशन का भाग है ग्रीर जो वेल्सारी रोड, बंगलूर में स्थित है।

ग्रवस्थान क्षत्रफल:

पूर्व से पश्चिम 45

2700 वर्ग फीट

उत्तर से दक्षिण 60'

सीमाएं:--

पूर्व : जमीन नं० 14

पश्चिम : सड्क

उत्तर: जमीन नं० 13-की व

दक्षिण : सड्क

ग्रार० कृष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगसूर

तारीख 20 अन्धरी, 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बगलूर,

अजग रज, बगलूर.,

बगलूर दिनाक 20 जनसरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4628/75-76/ एक्य० बी०:—यत: मुझे आर० कृष्णमृति,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिष्ठीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कर से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी स० 13-बी० नं० 1/21 का भाग है, तथा जो राज-महल विलास एक्सटेंशन, बेल्लारी रोड, मे स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय , गांधीनगर बंगलूर मे रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1909 का 16) के श्राधीन ता० 16 जन, 1975

1908 (1909 का 16) के अधीन तार 16 जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त भश्चित्तियम' के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधनियम', या धनकर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

श्रतः अब 'उन्त श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में 'उन्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्णातः—

1. मैंसर्स विश्वराम। होटल्स लिमिटेड 1/21, बेल्लारी रोड, बंगलूर - 6

रिजस्टर्ड दक्तर : नं० 1 ह्नुमान रोड, मार्णेल हाउस नयी दिल्ली -1। 2. श्रीमती पी० सत्यकुमारी पत्नी ए० वी० पर्माणवन नं० 573, पालस अध्यर श्रोरचर्डम बंगलूर-6।

(ग्रन्तिरती)

4. मैं मर्स रेड़ोस न० 42 कस्तूरबा रोड कास बंगलूर-1 (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में इतिबद्ध है)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के निये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपझ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज स॰ 1252/75-76 ता॰ 16 जून 1975)

खाली श्रवस्थान नं० 13-बी०, जो मकान न० 1/21 का भाग है श्रीर नं० 1/21 राजमहल विलास एक्सटेंशन बल्लारी रोड बंगलूर-6 में स्थित है।

ग्रवस्थान क्षे<mark>त्र</mark>फलः⊢

पूर्व से पश्चिम 45' उत्तर से दक्षिण: 60' 2700 वर्गफीट

सीमाएं :---

पूर्व: जमीन का दुकड़ा नं० 14

पश्चिम : सड़क

उत्तर: जमीन का दुकड़ा नं० 12 व दक्षिण: जमीन का दुकड़ा नं० 13-ए

> श्रार० कृष्णममूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 20 जनवरी, 1976

मोहर:

(ग्रन्तरक)

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/4630/75-76/ए० सी० क्यू०/वी०---यतः मुझे ग्रार० कृष्णमूर्ति ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग्र के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह

विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० ---- है, तथा जो पुराना नं० 27 व 39 नया नं० 58 व 61 चौड़ेण्वरी मन्दिर

स्ट्रीट, बंगलूर-2, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वॉणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर, बगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तार 17 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया ग्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में मै, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रथीतः—

- 1. श्री के० नारायणसा पिता श्री चिक्ककृष्णसा मालिक कबाड़ी टैक्सटैल्स नं० 58-चौडेश्वरी टेंपल स्ट्रीट, बंगलूर-2। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती रुकमणी बाई लड़की श्री हबीब हरिसा नं० 10 दर्जीपेट, बंगलूर-53 । (ग्रन्तरिती)
 - (1) भैंसर्स कवाड़ी टेक्सटाइल्स
 - (2) एम० पी० शाह,

- (3) बेलगांव बैंक (I मंजिल)
- (4) बेलगांव बैंक (II म जिल),
- (5) प्रकाश टेक्सटेल्स),
- (6) सुब्बय्य शास्त्री, (III) मंजिल),
- (7) श्याम सुन्दर (III व IV मंजिल)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

| दस्तावेज सं० 1267 | 75-76 ता० 17 जून, 1975 | संमाति पुराना म्युनिसिपल नं० 27-व 39 स्रोर नया नं० 58 व 61 जो नं० 61 चौडेश्वरी टेंपल स्ट्रीट, बंगलूर-2 (डिवीजन न० 41) में स्थित है।

अवस्थान क्षेत्रफल :---

पूर्व से पश्चिम : 33′ 9″ } विक्रय पत्न के ग्रनुसार उत्तर से दक्षिण : 29′ 6″ }

भवन संवन क्षेत्र

निचली मंजिल : 550 वर्ग फीट पहला मंजिल : 550 वर्ग फीट पत सि मंजिल : 550 वर्ग फीट (श्रन्तरिती का)

सीमाएं :---

पूर्व चामण्डेश्वरी टेंपल स्ट्रीट

पंक्रिचम : कोंणसखन्सी रोड व निजी सम्पत्ति

उत्तर : चौडेश्वरी टेपल स्ट्रीट व

दक्षिण : सीताराम सेट्ठी, नीलमंगला की दूकाने ।

ग्रार० कृष्णमित सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण</mark>) श्रजैन रेज, बंगलूर

तारीख . 20 जनवरी, 1976 भोहर: प्ररूप भाई ०टी ०एन ०एस ०----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जनवरी 1976

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/4639/75-76/ए० सी० एक्यू०/ बी०:--यतः, मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे 43) इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधनियम' कहा गया की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० 1075/36 है, तथा जो 12 कास, कोदण्डराम-पूरम, वैयालिकाविल एक्सटेंशन बंगलूर-3 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगसर-3 में रजिस्दीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ता० 24 जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए

पूर्यमान प्रातंभल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफंल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रिधिक है भीर अन्तरक (भ्रन्तरकों), और भ्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनयम,' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्स धिधिनयम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त घिधिनयम की धारा 269-ध की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :-

श्री ए० एस० चिन्तस्वामी राजु S/O ग्रक्कल राजु, नं० 294 ग्रप्पर पालस ग्रोमंडस बंगलूर-6। (ग्रन्सरक)

श्रीमती शारम्मा पत्नी श्री के० नारायणशेट्टी नं० 1572,
 श्रीमती शारम्मा फ्लाक, श्रीरामपुरम, अंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

- (1) तोड़ानी राव
 - (2) तोमस
 - (3) भानु नायर
 - (4) पी०एस०दास
 - (5) वीर राजु
 - (6) शांतकुमार
 - (7) एन० आर० माने
 - (8) काशीनाथ शास्त्री
 - (9) एम० ए० सुब्बाराया

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो 'उक्त श्रिधिनयम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1361/75-76 ता० 24 जून 1975) सम्पत्ति मुनिसिपल नं० 1075/36-12 क्रास, कोदण्ड-रामपुरम वैयालिकाविल एक्सटेंशन, बंगलूर-3।

अवस्थाम क्षेत्रफल

मवन संवत क्षेत्र :

निचली मंजिल : 1120 वर्ग फीट पहली मंजिल : 1120 वर्ग फीट दूसरी मंजिल : 1120 वर्ग फीट

सीमाएं :---

पूर्व: श्रीमति अलदल मादप्पा की संपत्ति परिचम: अवस्थान नं ० 13 पर बनाया घर

उत्तर: सङ्कः व

दक्षिण: श्री वेंकटराय्या की संपत्ति ।

श्रार० क्वष्णमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

ता**रीख 20 जनव**री, 1976 मो**ह**र: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकरअधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अ**धीन सू**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/365/1041/75— 76—-प्रतः मुझे, एस० एन० एल० भ्रम्रवाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरुय 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० 89 (122-39, प्लाट नं० 34) है, जो एंकर नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ता० जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मे, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयित:—

- 1. श्री मसा सिंह, सुपुत्न श्री भगत सिंह, जी०-16, राधे पुरी, गोंदली नगर, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सत्या पाल मलहोत्रा (2) नन्द किशोर मलहोत्रा (3) श्रशोक कुमार मलहोत्रा (4) विनोद कुमार मलहोत्रा (5) राजिन्दर कुमार मलहोत्रा (6) सतीश कुमार मलहोत्रा मभी सुपुत श्री लाल चन्द्र मलहोत्रा, निवासी 1255, सुभाष रोड, गोंदली नगर, शाहदरा, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

एक मजिला मकान जोकि 120 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 89 (122-39 प्लाट नं० 34) है, शंकर नगर, आजाद नगर के पास, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० अग्रवाल मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी, 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

अप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43**) की धारा** 269-**घ**(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, 4/4-ए, ग्रासफ ग्रली रोड, दिल्ली--1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2195ए/1042/ 75-76---- प्रतः मुझे, एस० एन० एल० प्रग्रवाल श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० बी०-3/8 है, जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ਰੈ1−−

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुपरण मे, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री प्रीतम सिंह लामबा, सुपुत्र एस० सुन्द्र सिंह, एफ० 9/ 5, माडल टाउन, दिल्ली-9, श्रपने तथा श्रीमती सनेह लता पत्नी, श्री राजिन्दर सिंह के लिए जनरल पायर श्राफ श्रटारनी (श्रन्तरक)
- 2. नारेश कुमार जैन, सुपुस्न श्री प्रकाश चन्द्र जैन, निवासी बी--3/8, माडल टाउन, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त घ्रधि-नियम', के ध्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसुद्धी

एक ढ़ाई मंजिला मकान जो 82.2 वर्ग गज प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं ० बी-3, (बी-3/8) है, माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एन० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

ताराध: 4 फरवरो, 1976

प्ररूप आईउ टीव एनव एसव---

भायकर <mark>प्रचिनियम, 1</mark>961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, 4/14-ए, श्रासफ ग्रली रोड, दिल्ली--1 नई दिल्ली--1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2117/1043/75-76--म्रतः मुझे, एस० एन० एल० म्रयवाल म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र० से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 6/18 का 1/4 भाग है, जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुन 1975 को

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी स्राय की बाबत 'उक्त श्रिष्ठिनियम', के श्रद्यीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—

- श्री कुन्दन लाल सहगल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री राय बहादुर एल० चम्मन लाल सहगल, निवासी 6/18, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जगदीश्वर लाल सहगल, सुपुत्र श्री कुन्दन लाल सहगल. 6/18, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रिक्षिनयम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्ये होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक मंजिला मकान का 1/4 भाग जो 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, भौर नं० 18, ब्लाक नं० 6, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्वः मकान नं० 6--ई/19 पश्चिमः मकान नं० 6--ई/17

उत्तरः **रोड** दक्षिणः सर्विस लेन

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-2/दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी, 1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

ष्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/2, 4/14-ए, आसफ श्रली रोड, दिल्ली-1 नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2104/1044/ 75-76--यतः मझे एस० एन० एल० अग्रवाल, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं 1288 (निजी नं 1288-बी) है, जो बारा बाजार, काश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में <mark>भ्रौर पूर्ण</mark> रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 1908 का 16) के प्रधीन ता० जून 1975 को सम्पत्ति के उचित बाजार .. मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनिप्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से

(क) श्रन्तरण से हुई िकसी झायकी बाबत 'उच्त अधि-नियम,' के झझीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर / या

कथिस नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम,' या धन कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः श्रव 'उन्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यन्तियों, श्रथीत:—

- 1. श्री प्रताप सिंह सुपुत्र एल० रघुबीर सिंह जैन (2) श्री अशोक प्रताप सिंह, सुपुत्र श्री प्रताप सिंह, निवासी 3, महारानी बाग, नई दिल्ली इनके ग्रटारनी मेजर जनरल विरेन्द्र सिंह (रिटायर्ड) (3) मेजर जनरल वीरेन्द्रा सिंह, सुपुत्र एल० रघबीर सिंह जैन, निवासी ग्रार० बी० बिल्डिंग, कश्मीरी गेट, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री चन्द्र प्रकाश, सुपुत्र श्री टीका राम, निवासी 1138, प्रेम गली, कश्मीरी गेट, दिल्ली (2) श्री कृष्ण कुमार, सुपुत्र श्री मेवा राम, निवासी 820, छोटा बाजार, कश्मीरी गेट, दिल्ली (3) श्री माहेश चन्द्रा, सुपुत्र श्री विशम्बर दया, निवासी 1416, नाबी गंज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिद्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 154 1/4 वर्ग गज है, श्रीर नं० 1288 तथा निजी नं० 1288-बी है, कश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) त्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी, 1976

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

आयकर अधिनिमम, 1961 (1961का 43) की धारा १६९-म (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन-रेंज 2, 4/14-ए आसफ अली रोड, दिल्ली--1
नई दिल्ली--1, दिसांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एम्यु०/11/2081/1045/ 75-76/प्रतः मुझे, एस० एन० एस० ग्रंग्यवाल, भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें म्रधिनियम' इसके पश्चात् 'उक्त कहा गया है), 269-सा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है भौर जिसकी सं० बी०-23 देगोर रोड है, जो भ्रादर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से काबत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए का, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, 'उम्स ग्रिधिनियम', भी धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उभत श्रिधिनियम', भी धारा 269-भ भी उप-बारा (1) के श्रशीन निम्नितिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:— 10-476 G1/75

- में श्री धर्म याल कींधरी, सुपुत्र ची॰ वनस्यामदास (2) श्री हाकीम राथ, गुपुत्र श्री हेम राज, निजासी 9/16ए, विजय नगर, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कौणत्या देवी, पत्नी श्री पत राम गर्ग (2) श्रीमती उषा गुप्ता, पत्नी श्री रूप चन्द, दोनों निवासी, 2/29, रूप नगर, दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को यह सूचनाजारी कर केपूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक प्लाट जोकि 238 वर्ग गज क्षेत्रफल की भूमि पर बसा हुन्ना है, जिसका नं० बी-23 है, ब्रादर्श नगर, टैगोर रोड़, दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व: प्लाट नं० 25 पश्चिम: प्लाट नं० 21 उत्तर: रास्ता 15 दक्षिण: टैगोर रोड

> एस० एन० एल० ऋक्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई विल्ली-1

ता**रीख**: 4 फरनरी, 1976

प्ररूप आई० टी• एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/2127/1046/75-76--श्रतः मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल, श्रायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-घ के श्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका छित्त बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिविक है और जिसकी सं० 8380/7 के पहली मंजिल का 1/5 भाग है, जो रोशनग्रारा रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-

सूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-

नय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे, वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत: श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :——

- श्री राजिन्द्र सिंह, सुपृत श्री जागीर सिंह, 9, एन० डब्स्यू०
 ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
 (श्रन्सरक)
- 2. मैं० भाटला एण्ड कं० लि०, बी०-2/8, माडल टाउन, दिल्ली इनके डायरेक्टर श्री राम चन्द भाटला के द्वारा (श्रन्तरिती)
- 3. मै॰ ब्लू लाइन फाइनैन्स (प्रा॰) लि॰, 8380/7, रोशनग्रारा रोड़, दिल्ली-7।

(वह ब्यक्ति, जिसके श्रिष्ठिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्अन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविद्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविद्य, जो भी अविद्यं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

पहली मंजिल के कुछ हिस्से का 1/5 भाग जिसका नं ० 8380/7, वार्ड नं ० 12 है, रोशनग्रारा रोड़, दिल्ली-7 में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीब: 4 फरनरी, 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई विल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं०ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/2128/1047/75-76---- प्रतः सुक्षे, एस० एन० एन० ग्रग्नंशल,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन समाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं ० 12/8380 के पहली मंजिल का 1/5 है, जो रोशनग्रारा रोड़, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1975 को पूर्वीक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफूल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्री रवबीर सिंह, सुपुत श्री वाजीर-सिंह, १, एन० अध्य्यू० ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (ग्रेन्सरक)
- मैं० भाटला एण्ड कं० लि०, बी-2/8, माडल टाउन, दिल्ली, इनके डायरेक्टर श्री रामचन्द भाटला के द्वारा। (श्रन्तरिती)
- 3. मैं० ब्ल्यू लाइन फाइनैन्स (प्रा०) लि०, 8380/7, रोशनम्रारा रोड़, दिल्ली-7।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल के कुछ हिस्से का 1/5 भाग जिसका नं० 8380/7, वार्ड नं० 12 है, रोशनग्रारा रोड़, दिल्ली-7 में स्थित है।

> एस० एन० एन० श्र**प्रवाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ब्रारा 269-व (1) के अबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज -2, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनाक 4 फरवरी, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य्०/11/2129/1048/ 75-76--- भ्रतः मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल प्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-से अधिक मुख्य ₹० श्रीर जिसकी सं० 12/8380/7 की पहली मजिल का 1/5 भाग है, जो शोशनग्रारा रोड़, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ भ्रनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य लिखित में बास्तविक रूप से कथित से धक्त भन्तरण नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-थ की उवधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

- श्री मोहिन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री जागीर सिंह, 9-एन० डब्ल्बू० ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. मैं ॰ भाटला एण्ड कं ॰ लि॰, बी॰ 2/8, माडल टाउन, दिल्ली इनके डायरेक्टर श्री रामचन्द भाटला के द्वारा। (श्रन्तरिती)
- 3. मैं० ब्लू लाइन फाइनेन्स (प्रा०) लि०, 8380/7, रोशनआरा रोड़, दिल्ली-7।

(बह व्यक्ति, जिसके ऋभिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोश्वत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बादे में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो 'उन्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पहली मंजिल के कुछ हिस्से का 1/5 भाग जिसका नं० 8380/7, वार्ड नं० 12 है, रोणनभ्रारा रोड़, दिल्ली ~ 7 में स्थित है।

एस० एन० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली⊶1

तारीख: 1 फरवरी 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रात्रेन रेज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली -1, दिनाक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सीं०/एक्यु०/11/2130/1049/75-76--अतः मुझे, एस० एन० एल० अप्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 12/8380/7 की पहली मंजिल का 1/5 भाग है, जो रोशनप्रारा रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उनाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याक्षय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1975 को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-गत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिभियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री जसवन्त सिंह, मृपृद्ध श्री वाजीर सिंह, 9-एन॰ डब्लू० ए०, पजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2 मैं० भाटला एण्ड कं० लि०. बी०-2/8, माइल टाउन, दिल्ली टनके डायरेक्टर थी राम चन्द भाटला के द्वारा। (अन्तरिती)
- 3. मैं० व्लू लाइन फार्नेन्स (प्रा०) लि० 8380/7, रोशनम्रासा रोड, दिल्ली-71

(वह व्याक्त, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

पहली मंजिल के कुछ हिस्से का 1/5 भाग ।जसका नं० 8380/7, वार्ड नं० 12 है, रोशनग्रार। रोड़, दिल्ली--7 में स्थित है।

> एस० एन० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी 1976

प्ररूप भाईं० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)
भार्जन रेज-2, नई दिल्ली~1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एमपु०/11/2131/1050/ 75⊶76--अतः मृझे, एस० एन० एल० अप्रवाल, **भायकर मिम्रिनियम, 1961 (1961 का 43)** इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ठ० से अधिक हैं भीर जिसकी सं० 12/8380/7 की पहली मंजिल का 1/5 भाग है, जो रोशनग्रारा रोड़, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ म्रतसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में निम्नलिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य श्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिगाने में संविद्या के लिए;

भारा अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नणिखित व्यक्तियों, प्रशीत्:—

- 1. श्री सम्पूरण सिंह, सुपुत श्री बाजीर सिंह, 9-एन० डब्लू० ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. मैं० भाटला एण्ड कं० लि०, बी०-2/8, माडल टाउन, दिल्ली, इनके डायरेक्टर श्री राम चन्द भाटला के द्वारा (श्रन्तरिती)
- मै० ब्लू लाइन् फाइमेन्स (प्रा०) लि०, 8380/7, रोमनग्रारा रोड़, दिल्ली-7।

(वह स्यक्ति, जिसके श्रधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल के कुछ हिस्से का 1/5 भाग जिसका नं० 8380/7, बार्ड नं० 12 है, रोशनग्रारा रोड़, दिल्ली-7 में स्थित है।

एस० एन० एल० भग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी 1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2177/1051/75-76--श्रतः मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रिधिक है भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 47, रोड़ नं० 77 का 1/4 भाग है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908

(1908 का 16 के प्रधीन जून 1975
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पण्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि मन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों ग्रथीत्:—

- 1. श्री ईश्वर दास, सुपुत्र श्री हरनाम दास, सी-14, माखल टाउन, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री अवतार सिंह चड्ढा, सुपुत्र श्री अवनाशी सिंह चड्ढा बी-4, माडल टाउन, दिल्ली-1। (श्रन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अबिछ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनयम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सची

एक प्लाट का 1/4 प्रविभाजित भाग विसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 2200 वर्ग गज) है, और नं० 47, रोड़ नं० 77 है, पंजाबी वाग, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरबरी, 1976

परूप० भ्राई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2178/1058/ 75-76--श्रतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से ग्रधिक है **ऋौर जि**सकी सं० प्लाट नं० 47, रोड़ नं० 77 का 1/4 भाग है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय ,दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुन 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भ्रौर ग्रन्सरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय के बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के धनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :—

- १ श्री ईश्वर दाग, मुपुत शी हरनाम वाम, सी०~14, माडल टाउन, दिल्ली! (अन्तरक)
- 2. श्री अवतार सिंह जड्डा, सुपुत श्री श्रवनाशी सिंह चड्डा, बी०-4, माडल टाउन, दिल्ली-।। (श्रश्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ध्रजेंस के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रष्ट होगा, जो उस श्रध्याथ में दिया गया है।

अमुसूची

एक प्लाट का 1/4 श्रविभाजिस भाग जिसका क्षेत्रफल 550 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 2200 वर्ग गज) है, श्रीर नं० 47, रोड़ नं० 77 है, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) त्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी 1976

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनाक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एवयु०/11/2185/1059/75-76-म्प्रतः मुझे, एस० एन० एल० म्रप्रवाल, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से म्रधिक है ग्रोर जिसकी सं० प्लाट न० 47, रोड नं० 77 का 1/4 भाग है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उनावद्ध म्रनु-

स्रोर जिसकी मं० प्लाट न० 47, रोड नं० 77 का 1/4 भाग है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रीर इसमें उनावड़ स्रनु-सूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीत जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या श्रन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भन्-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों श्रथीत :—— 11—476G1/75

- 1. श्री ईश्वर दास, सुपुत्र श्री हरनाम दास, सी०-14, माउल टाउन, दिल्ली-1। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मितर पाल सिंह चड्ढा, सुप्त श्री ग्रवनाशी सिंह चड्ढा वी-4, माडल टाउन, दिल्ली-1। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्परदीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रद्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट का 1/4 भ्रविजित भाग, जिसका क्षेत्रफल 550 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 2200 वर्ग गज) है, और नं० 47, रोड नं० 77 है, पंजाबी वाग, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

कारीख: 4 फरवरी 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन-रेंज 2, दिल्ली-1
4/14-ए, आसफ भ्रली रोड, नई दिल्ली-1
नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2186/1062/75-76-यत: मुझे, एस० एन० एल० श्रप्रवाल, धायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धधीन सक्षम श्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 47, रोड़ नं० 77, का 1/4 भाग है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के हृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों भो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 268-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

- श्री ईक्वर दास, सुपुत्र श्री हरनाम दास, सी-14, माडल टाउन, दिल्ली-1। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मितर पाल सिंह, सुपुत्र श्री ग्रवनाशी सिंह चड्ढा, वी-4, माडल टाउन, दिल्ली-1। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट का 1/4 श्रविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 550 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 2200 वर्ग गज) है, श्रीर नं० 47, रोड़ नं० 77 है, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एन० भग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी, 1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्ट्रायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरीं 1976

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2135/1052/ 75-76---भ्रतः मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 10 रोड़ नं० 52 (52/10-बी०) है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1975 को

पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुत्रिधा के लिए;ग्रीर/या
- (ख) ऐसी भिसी धाय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—

- श्रीमती विद्या वती बाली, पत्नी श्री सोहन लाल वाली, 20-बी/1, देश बन्धु गुप्ता रोड़, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मिलक सिंह, सुपुत्र एस० गंडा सिंह, जी-29, विजय नगर, दिल्ली-9। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्र्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गयों है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका नं० 52/10-बी है ग्रौर क्षेत्रफल 210.94 वर्ग गज है निवासी कालोनी पंजाबी बाग, नई दिल्ली में है।

एस० एन० एल० अभवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी, 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनाक 4 फरवरी 1976

भायकर प्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 10, रोड़ नं० 52 (52/10-ए०) है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दागित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः भ्रवं उक्तं श्रधिनियमं की धारा 269-गं के भ्रनु-सरण, में, में, 'उक्तं श्रधिनियम' की धारा 269-घं की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत :—-

- श्री सोहन लाल बाली, सुपुत्र श्री गंगा राम बाली, 20-बी/
 देश बन्धु गुप्ता रोड़, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मलिक सिंह, सुपुत्र एस० गंडा सिंह, जी-29, विजय नगर, दिल्ली-9। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविव, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रहायणी प्लाट नं० 52/10-ए, पंजाबी बाग, नई दिल्ली मे है तथा क्षेत्रफल 210.94 वर्ग गज है।

> एस० एन० एल० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी, 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन-रेज 2, दिल्ली-1
4/14-ए, ग्रासक अली रोड, नई दिल्ली-1
नई दिल्ली-1, दिनाक 4 फरवरी 1976

निदेश स० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2137/1054/ 75-76-- यत: मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, भ्रायकर श्रधिनिथम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 10, रोड न० 52 (52/10-ई) है, जो पजाकी बाग, नई दिल्ली में स्थिल है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनु-सुची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीनत सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुम्धमान प्रतिफल से, ऐसे दुम्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उयत भ्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क.) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
 को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम,
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
 प्रकट नही किया गया था या किया जाना
 चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रत: अब, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, में उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत:——

- उा० ∵जीन्द्र कुमार बाली, सुपुत्र डा० सोहन लाल बाली,
 20—बी/1, देश बन्धु गुप्ता रोड़, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मलिक सिंह, सुपुत्र एस० गडा सिंह, जी--29, विजय नगर, दिल्ली-9 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन केलिए कार्यबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति क ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से िसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्षि में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्डीकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रिहायणी प्लाट जिसका नं० 52/10-ई है श्रीर क्षेत्रफल 210.94 वर्ग गज है, निवासी कालोनी पजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० भ्रम्रवाल संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, दिल्ली, नई दल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी, 1976

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०~~~

भायक्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976 निर्देश सं० ब्राई० ए० सीं०/एक्यु०/11/2138/1055/75-76/ 308—ब्रत: मुझ एस० एन० एल० श्रग्रवाल, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशितियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के ग्रिधीन सक्षम प्राक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कु० से प्रधिक है

.श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 10, रोड नं० 52(52/10-डी०) है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1975 को पूर्वीक्त

- •सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ब्रधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है.-
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण गे, मै उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के ग्रधीन निस्नलिखित ब्यक्तियो, श्रथीत्

- डा० राजीन्द्र कुमार वाली, सुपुत्र डा० सोहन लाल बाली,
 विश्वी/1, देश बन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री मिलक सिंह, सुपुत्र एस० गंडा सिंह, जी-29, विजय नगर, दिल्ली (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>ग्रर्जन के</mark> लिए कार्पवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अविकास में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जी उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

एक प्लाट जिसका नं० 52/10-डी० है, क्षेत्रफल 210.94 वर्ग गज है, निवासी कालोनी, पंजाबी बाग, नई दिली मंं है।

> एस० एन० एस० ग्रग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी, 1976

प्रहप ग्राई० टी० एम० एम०-----

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2139/1056/75/76/ ---यत: मुझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इक्से इसके प्रश्वात् 'जक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सृत्य 25,000/- क० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 10, रोड नं० 52 (52/10-सी०) है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1975 को पूर्वीक्स

सम्पत्ति के उत्ति दाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत अधिक है धौर यह कि अन्तरक (अन्तरको) धौर अन्तरितों (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गा। दिएहल निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से बारतिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त स्रधि-नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः म्रब उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त म्रधिनियम, की धारा 269म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्

- श्री निरंजन देव बाली, सुपुत डा० सोहन लाल बाली,
 20-बी/1, देण बन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली।
 (म्रन्तरक)
- 2. श्री मलिक सिंह, सुपुत्र एस० गंडा सिंह, जी०-29, विजय नगर, दिल्ली-9। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रानंन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हू।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राखेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अविध या तृत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जाभी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 2,0-क मे यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुमुची

एक प्लाट जिसका नं ० 52/10-सी है और क्षेत्रफल 210.94 वर्ग गज है, निवासी कालोनी, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में है ।

एस० एन० एल० श्रग्रवाल ' सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4-2-1976

प्ररूप आई • टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/2108/1051/ 75-76—यत:, मुझे एस० एन० एस० ध्रमवाल,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/- इ० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 19-बी, कोठी नं० 23, वार्ड नं० 11 है, जो दिर्यागंज, श्रन्सारी रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत: अब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- 1. श्री राम लुभाया, सुपुत्र श्री सालीगराम, 1871, गली खिश्राली राम, मोहला इमली, बाजार सीता राम, दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2, श्री म्रर्जुन लाल तथा श्री गुलाब राय, सुपुत्र श्री नीहाल चन्द, 3354, जतवारा स्ट्रीट, सुभाष मार्ग, दिरया गंज, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्र<mark>जैन के</mark> लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उत्रत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुवत शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट का दक्षिणी भाग जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 221.2 वर्ग गज) है, नं० 19-बी०, कोठी नं० 23, वार्ड नं० 11, श्रंसारी रोड, दिरया गंज, दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित हैं:——

पूर्व : रोड 20' फुट चौड़ी पश्चिम : श्रन्य की जायदाद

उत्तर : 2' फुट घोड़ी लेन तथा ग्रन्य की जायदाद

दक्षिण: ग्रन्य की जायदाद

एस० एन० एल० स्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी, 1976

प्ररूप आई० टी० एम० एस०--

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भारीन सूचना

भारत गररार

कार्यालय, सहायव श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, दिल्ली-।

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश मे० ग्राई० ए० सी०/एस्यु०/11/2173/1060/ 75-76—∼यतः मुझे एस० एन० एल० श्रग्रदालः

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने ना कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रिधक है

श्रौर जिसकी सं ० 12-यू० ए० वा ४/2 भाग है, जो जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इममे - उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण मप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम - 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून, 1975

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ना पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरक) और श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न- विखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से विश्व नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण संदुर्द किसी भाय की बावत उनस श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों बा, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ ग्रन्ति द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण मे, मै, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रयीतः--

(1) श्री सुभाष चन्द्रा, मुपुत्र स्वर्गीय श्री एम० बाल किंगन दाम पोटेवाला. डी-5, कालिन्दी कालोनी, रिग रोड. नर्ड दिल्ली-14।

- (2) श्रीमती सावित्री देवी, पत्नी एल० बाग किशन दास, निवासी डी-5, नालिन्धी कालोनी, रिग रोड, नई दिल्ली-14। (श्रन्तरक)
- (1) श्री ण्याम मनीहर श्रग्रवाल, सुपुत श्री जगत नारा-यण श्रग्रवाल, (2) श्री मानी त्रान्त श्रग्रवाल, सुपृत श्री णियाम मनोहर श्रग्रवाल निवासी-12-यू० ए०, जवाहर नगर, दिल्ली-7। (श्रन्तरिती)

3. (वह व्यक्ति जिसके श्राधिभोग में सम्पत्ति है), न० 12-यू० ए० जवाहर नगर दिल्ली।

i.	दा० एम० सी० मुखर्जी		निम्नः स्तर	र्ग्त्द न ०	5		
2	श्री डी० डी० भरदवाज				4		
3.	थी हरवंस लाल विज		पहली मंजिल	7.1	5		
4.	श्रीमती मेला देवी		j	7,	6		
5	श्री ए० एस० वाही दिवान	3	<i>y</i>	٠,	7		
6.	कुमारी कृष्णा कपूर			,,	8		
7.	श्री एस० के० भाटिया		दूसरी मजिल		9		
8,	श्री एस० ग्रार० बाबर		J	an I	ı ()		
9.	श्रीमती सरीता श्रग्रवाल		7	,,	1 1		
10	श्रीमती भागवती कापिला		•	,, 1	12		
11.	श्री एस० पी० पटनी क		निम्न स्तर	,,	Ţ		
	कानूनी वारीस			त्रथा	2		
को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के ग्रर्जन के छिए।							

का यह सूचना जारा करक पूर्वाक्त सम्पान के श्रजन के छिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के श्रजींस के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---(क) इस स्वता के राजपक्ष में प्रभागन की तारीख से 45 दिन की श्रविधि यो तत्सम्बन्धी क्यक्तियो पर सुचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रवाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विमी श्रन्य व्यक्तित द्धारा श्रधीहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुषो

नीन मजिला मकान का 1/2 भाग जोकि फीहोल्ड प्लाट पर बना हुग्रा है, जिसका नं० 12, ब्लाक न० यू० एस० है श्रीर क्षेत्रफल 361.1 वर्ग गज है, जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एस० अग्रवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख . 1 फरवरी, 1976 मोहर .

प्रस्प भ्राई० टी व्यनव्यम् ----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2230/1061/ 75-76— यतः, मुझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल, श्रायकर श्रिधनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जित्त बाजार मृल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 12-यू० ए० का 1/2 भाग है, जो जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता शिधकारी के वायिलय दिर्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थो या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीन —

- 1. श्री सुभाष चन्द्रा, सुभुन्न स्वर्गीय श्री एल० बाल किणन दास पोटेबाला,डी-5, कालिन्दी कालोनी, रिंग रोड, नई विल्ली-14 (ग्रन्तरक)
 - 2. (1) श्री अशोक श्रग्रवाल, सुपुत्र श्री एस०एम० श्रग्रवाल, (2) श्री सुभाष श्रग्रवाल, सुपुत्र श्री एस० एम० श्रग्रवाल, निवासी 12 यू० ए० जवाहर नगर, दिल्ली। (ग्रन्तरिती) 3. (ध्यक्ति जिसके श्रिक्षशोग में सम्पत्ति है), नं० 12-यू० ए० जवाहर नगर दिल्ली।

1 डा० एम० सी० मुखर्जी निम्न स्तर पर्लेट	न०	3
2 श्री डी० डी० भरदबाज ,,	,,	4
3 श्री हरबंस लाल विज पहली मंजिल	,,	5
4 श्रीमती मला देवी . ,,	2)	6
5 श्री ए० एल० वाही दि यान ,,	,,	7
6 कुमारी कृष्ण कपू र . ,,	,,	8
7 श्री एस० के० भाटिया . दूसरी मंजिल	11	9
८ श्री एस० आर० बाबर . ,,	,,	10
9 श्रीमती सरीता श्रग्रवाल . ,,	,,	11
10 श्रीमती भागवती कपिला . ,,	, ,	12
11 श्री एस० पी० पटनी के निम्न स्तर	,, 1	तथा
कानूनी वारिस		2
		_

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि फ्रीहील्ड प्लाट बना हुआ है, जिसका नं० 12, ब्लाक नं० यू०ए० है और क्षेत्रफल 361.1 वर्ग गज है, जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० स्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1, नई दिल्ली

तारीखाः: 4-2-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, ग्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली-। नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2079/1663/ 75-76---यतः मझे, एस० एन० एस० श्रग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से मधिक है श्रीर जिसकी सं० 725 का दक्षिणी भाग है, जो फाटक धोबिश्रन, फराण खाना, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुन, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए घन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से भिक्षक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त सिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन: ग्रब, 'उम्त प्रिधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उम्त प्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--

- श्रीमती बन्तो बाई, पत्नी श्री जय किशन दास चोपड़ा,
 725, फाटक धोबिग्रन, फराश खाना, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मिराजउद्दीन, सुपुत्र श्री सीराजउद्दीन, 725, फाटक धोबिश्रन, फराश खाना, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह **सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपन में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण--इममे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 725 का दक्षिणी भाग जो 50 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना है, फाटक धोविश्रन, फराश खाना, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० स्रप्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी, 1976

भक्ष आई०टी०एन० एस०----- 1 श्रीमती व

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, गहायक स्नायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनाक 4 फरवरी 1976

निर्देश स० ग्राई० एव सी०/एक्यु०/१1/2080/75-76/ 1064—सन मुझे एस० एन० एन० श्रग्रवाल,

1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधि-नियम' नहां गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी मं० 725 का 1/2 भाग हैं, जो फाटक धोबियन फराश खाना, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय दिल्ली भे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन 1975 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित सही विया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियो, को जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण मे, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियो, अर्थात:—

- शिमती बतो बाई, पत्नी श्री जैय किशन दास चौपड़ा, निवामी 725, फाटक धोबियन फराश खाना, दिल्ली-1! (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मोहम्मव श्रहमद, मुषुत्र श्री मोश्रलवी मोहम्मव, निवासी 834, गली छाह णिरान फराण खाना दिल्ली-1। (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण -इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान जोकि 50 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पेर बना हुआ है, जिसका न० 725 है, फाटक धोबिश्रन, फराण खाना, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० अग्रवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज-2, दिल्ली-1

तारीख: 4 फरवरी, 1976

प्ररूपे माई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-घ (1) के मधीम सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-2, दिल्ली-।

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देण स० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2243/75-76/1065—-- यत मुझे एस० एन० एस० अग्रवास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्राँग ग्रौर जिसकी स० 914/11 का निम्न पत्तोर है, जो कूचा कावल ग्रतर, चादनी चौक, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसके उपायह ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण क्य से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिम्द्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 वा 16) क ग्रधीन जुलाई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रो कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे स्व

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से श्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य म उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप मे कथित नहीं निया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उन्त श्रिधिनयम, के श्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायिखं में कमी करने या उचमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या वनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपान में मुविधा क लिए;

श्रतः श्रव उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के श्रनुगरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:→-

- श्री भगवान दास, सुपुत्र श्री वाजीर चन्द, निवासी 11/
 914 क्चा काबर म्रतर, चादनी चौक दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री पियारा लाल डावर, सुपुत श्री सोहना मल डावर. निवासी 11/914, कूचा कांबर धतर, चादनी चौक, दिल्ली-1। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए नार्यवाहिया करता है।

उस्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनयम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 69 वर्ग गज है जोकि जायदाद न ः 11/914 को निम्म स्तर पर, कूचा काबल, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है/——

पुर्व : रास्तौ

पश्चिम : जायदाद नं० 11/780 उत्तर : जायदाद नं० 11/915 दक्षिण : जायदाद नं० 11/913

> एस० एन० एस० प्रग्नवाल राक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख . 4 फरवरी, 1976 मोहर : प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० थ्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2251/1066/75-76--यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल, श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है भ्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 37 है, जो आउटरम लाइन्म, लिगसवे कंम्प, दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्लं हो भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रीधक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सविधा के लिए;

भ्रतः ग्रम, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:—

- 1. श्री राम प्रकाश कपूर, सुपुत श्री राम सरन कपूर, एच०-20, 20, हडसन लाइन्स, किंगसवे कैंम्प, दिल्ली, ग्रटारनी श्री राम लाल कपूर, के द्वारा, निवासी 8-ए०, साउथ पार्क एवेन्यू, सैक्टर-9, भिलाई (एम० पी०)। (ग्रन्तरक)
- हरीश कुमार, सुपुत्त श्री ग्रमर नाथ, 197, ढाका गांव,
 दिल्ली-9। (ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पित में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

सरकारी बनी दुकान जिसका न० 37 है, आउटरम लाइन्स, किंगसबे कैम्प, दिल्ली में सभी फिटिंग्स, फिक्टर, बिजली, पावर कनैक्शन, बिजली मोटर, सूती मशीनों सहित स्थित है।

> एस० एन० एल० भ्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखाः 4 फरवरी, 1976

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस० ---

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1 4/14ए, आसफ श्रली रोड़, नई दिल्ली-1 नई दिल्ली-1, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/391/1067/75-76--यत:, मुक्षे एस० एन० एल० अग्रवाल, 1961 (1961 श्रायकर प्रधिनियम, (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उम्त अधिनियम' महा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० एफ०-20/12 है, जो कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्विकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भ्रगस्त, 1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नही किया गया ÷ :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अभीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनो इरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत :——

- श्री राम चरन, सुपुत्र श्री श्रांतमा राम, एफ०-20/12, कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शान्ती देवी दिवान, पत्नी श्री देवी दयाल दिवान, एफ०-13/7, कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली-51। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाग्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस यूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब दि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक मकान जोकि 117 वर्ग गज क्षेत्रफल के फ्रीहोल्ड प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं० एफ०-20/12 है, कृष्ण नगर, शहदरा गाव के क्षेत्र, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : रोड़। पश्चिम : रोड़।

उत्तर: एफ०-20/12 का बाकी भाग। दक्षिण: जायदाद नं० 20/13।

> एस० एन० एल० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नारीख: 1 फरवरी, 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, दिल्ली-1 नर्ड दिल्ली-1, दिनाक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एन्यु०/11/2300/1068/ 75-76---यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल. श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- ६० से **श्रधिक** है श्रौर जिसकी स॰ 58 है, जो साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 1975 को को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रीयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त प्रिम्नियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मे, उक्त श्रिक्षिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिक्षीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:---

1. श्री इन्द्रजीत सिंह, सुपुत श्री गुरमुख सिंह, जे०-6/132, राजौरी गाउँन, नई दिल्ली, श्रीमती नानकी देवी के जनरल प्रदारनी. पत्नी श्री एस० हरबंस सिंह, 3, बैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (प्रतरक)

श्रीमनी विषत कोर, पत्नी श्री गुरमख सिंह, जे०-6/132.
 राजारी गार्डन, नई दिल्ली। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक लीजहोल्ड प्रधिकारों सहित प्लाट नं० 58. जिसका क्षेत्रफल 68.333 वर्ष गज है, साउथ पटेल नगर नई दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित हैं:——

पूर्व : सिंबस लेन । पश्चिम : मेन रोड । उत्तर : प्लाट नं० 57 । दक्षण : प्लाट नं० 59 ।

> एस० एस० ए**स० अग्रवा**ल. स**क्षम** प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 फरवरी, 1976 -

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कोचीन-11

कोचीन, दिनांक 31 जनवरी 1976

निर्वेश सं० एल० सी० सं० 50/75-76—यतः मुझे एम० एम० कुरुप,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संश्रमुची के अनुसार है तथा जो चंगनणेट्टि विल्लेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय चंगनाणेरि, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 28-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब 'उनत म्रिधिनियम' की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, में, 'उनत म्रिधिनियम', की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्मिलिखत व्यक्तियों, भर्यात् :---13—476G1/75

- 1. भी मानगा भौगिनाभ पटेस यशोक শ্রেस, पह्लियरा-।।বু, कान्यिन। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती वलगा जोगेप, VIII/166, टाउन क्लय रोड, पृपवत्तू, घंगनाणेटि । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

चंगनाशेटि विल्लेज के सर्वे सं० 45/9 में 17 मेन्ट भूमि श्रौर मकान ।

> एम० एम० कुरुप सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 31-1-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारती सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1976

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल-76-77----ग्रतः मुझे बी० के० सिन्हा,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो हसीनाबाद (राजोरा) में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दुरहानपुर में रिजस्ट्रीकृत श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए।

स्रतः: अब उक्त श्रांधनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रंधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रंधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों श्रंथीन :---

- गर्वेशी (1) जीवन प्रसार, (2) महेण प्रसाद पुन कोमल प्रसाद श्रीवास्तव, निवासी रात्रनार, तहमील बुरहानपुर, (3) रमेण प्रसाद पुत कोमल प्रसाद श्रीवास्तव, निवासो हमीनावाद, (राजोरा) पोस्ट सिरपुर, बुरहानपुर। (प्रतारह)
- 2 श्री रघुनाथ प्रसाद, पृत्न कालीचरन श्रीवास्तव, निवासी हसीनाबाद (राजोरा), बुरहानपुर, पूर्वंनिमाइ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी श्रन्य ध्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण — इसमें प्रयुक्त गढ़दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिष्ठिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

कृषि भूमि एरिया 30.76 एकड़, गांव हसीना (राजोरा) बुरहानपुर।

वी० के० सिन्हा, सक्षमप्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 6-2-76

प्ररूप ग्राई०टी ०एन ०एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कांर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1976

निर्देश सं० श्राई ० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/ 76-77—श्रतः, मुझे बी० के० सिन्हा

ध्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं० में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 11-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है भीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थान्:---

- श्री गम्भीर पुत्र राम पटेल, (2) किशोर पुत्र गम्भीर पटेल, वाली पुत्र गम्भीर पटेल, निवासी एनपुर, तालुका शबेर, जिला जलगांव, महाराष्ट्र।
 (श्रन्तरक)
- 2. श्री मनोहर लाल पुत्र क्षिम्वक पटेल पुत्र शाभु पटेल, नियासी निमदाद, रायजीवारी, बुरहानपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः —इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो ज़क्त श्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि गाँव सखेपुर, बुरहानपुर ग्रौर एक मकान ग्रौर 1 कुग्रां।

> वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख : 6-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1976

निर्देश सं० ध्रार० ए० सी० 256/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० 4-1-938/एल०/म्राई० एल० \times 13 तिलक रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 7-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रयातः :---

- 1. मेसर्स श्री एसेस फर्म, के श्रन्य भागीदार तथा भागीदार श्री भीषानलाल अहुआ द्वारा, एविंड रोड, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रकाण देवी पत्नी गोकुल चन्द परणाद 5-9-30/1/26, बणीरबाग, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)
 - मेसर्ग मोदी मिल्स लिमिटेड, तिलक रोड, हैदराबाद।
 (यह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकेंगे।

हपद्धीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

4-1-938/एल०/ग्राई० एल०imes 13, भीशन लाल मार्केट, तिलक रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के ग्रधीन गूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुवत (निरीक्षण), स्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1976

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० 255/75-76——यतः मुझे के० एस० वेकटरामन म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000-/ रु० से अधिक है भ्रीर जिसकी सं० 5-9-798 गनफौंडरी है, जो हैदराबाद से स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद मे रजिरट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 20-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरका) ग्रौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत .——

- 1. (1) श्री कुणलचंद्र सिधवी, (2) राकेश कुसार, तिलक रोड, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती जे० कलावती पत्नी जे० त्रहाय्या, 5-9-798, गनफोडरी, हैदरायाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 5-9-798, गनफींडरी, हैदराबाद, क्षेत्रफल 275 वर्ग गज।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-2-1976

प्ररूप माई०टी०एन०एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 252/75-76—-यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 147/1 ब्रारकापुरी कालोनी है, जो हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 16-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण जिखात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम', के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रपीत् :--

- श्री के० सत्यामुर्ति, 1-10-15, ब्रशोक नगर, हैदराबाद
- (2) श्रीमती भागीरती देवी, 3-5-141/3/4, किंग कोटी, हैदराबाद।
- (3) श्रीमती णारद। देवी, 21-2-672, उर्द् णरीफ हाल, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- थ्री जी० डी० सुनतानिया, 6-3-883/3 पंजा गुट्टा, हैदराबाद। (भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घ्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 1066 वर्ग मीटर्स जिसका चौहृद्दी दीवार से घिरा हुम्रा है, सर्वे नं० 147/1, ब्रारका पुरी कालोनी हैदराबाद।

> के० एस० बेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1976

प्ररूप प्राई० टी व्यन्वरम्भ०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1
4/14ए, श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/2388/1072/75-76---यतः मुझे एस० एन० एल० ध्रग्रवाल,

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से म्रिधिक है

स्रोधक ह

प्रौर जिसकी सं प्लाट न 21, ब्लाक नं 7 है, जो कीसि नगर, हन्डिस्ट्रयल एरिया, नजफगढ रोड, दिरली में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या अन्य स्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर स्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्रिधिनियम, या धनकर स्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ स्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत:, स्रब, उक्त स्रधिनियम की धारा 269-ग के स्रनुसरण मे, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्:——

- ा शीमती शिवन देवी, पत्नी राय माहित नैराम दारा आवराय, (१) राय माहब ज राम दास आवशय, सुपुत्र श्री मोहरा मल, निवामी 17, खालियर रोड, प्रेम नगर खालियर के सामने, खालियर, (३) श्री प्रेम बुमार आतराय, सुपुत्र श्री राय माहित राम दास आवश्य, निवामी ३ 1/2, ईस्ट पतेल नगर, गई दिल्ली अ (अन्तरक)
- 2 मैं० श्रलफा श्राटोमोबाईलस (इन्डिया), एक फर्म ,4/27, कीर्तिनगर, इन्डस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15, इनके हिस्सेदार, श्री पी०सी० मलहोत्ना के द्वारा, सुपुत्र श्री राम लाल मलहोत्ना, (2) श्री श्ररजन सिंह संधू, सुपुत्र श्री शाम सिंह। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तर्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इन्डस्ट्रियल प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1866.66 वर्ग गज है, श्रीर नं० 21, ब्लाक नं० 7, कीर्ति नगर, इन्डस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में रिथत है।

> एस० एन० एल० श्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखः : 5-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रारा 269-घ (1) के अधीग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1 4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी, 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/401/1071/75-76—-यतः मुझे, एस० एन० एक० प्रग्नवाल आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० बी-6 है, जो कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ण ग्रिधिकारी के कार्याक्य, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन

ग्रगस्त, 1975
को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है
प्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्स अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब 'उथत प्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रधीत्:—

- 1 श्री ओग पकाण, मुपुत श्री पिशोरी घाल, निवासी 331/ 1/11, गली व ०-2, राज गढ़ कालानी, गान्धी नगर, दिल्ली-31 (2) श्री मुदर्शन मिह, सुपुत्र श्री हरदयाल सिंह, निवासी 540, गील कुरंजा, दिल्ली-51। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती जै रानें।, पत्नी श्री दुर्गा दास, निवासी 11, राम पार्क, किशन गज, दिल्ली-31। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ सुरू करता हूं।

उमत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उनत अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

य्र**मुसूची**

डेढ़ मंजिला मकान जो 77.7/9 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० बी०-6, कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : रोड ।

पश्चिम : झील कुरंजा की श्राबादी।

उत्तर : बी-6 का भाग। दक्षिण : मकान नं० बी-7।

> एस० एन० एल० अग्नयाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 5-2-1976

प्ररूप आई० टी० एम० एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्जन रेज-2, दिल्ली-1
4/14-ए, ग्रासफ भ्रली रोड़; नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 5 फरवरी 1976

मिर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/2306/1070/75-76—यतः मुझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान न० 68 है, जो गोखले मार्किट, तीस हजारी, के सामने, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रगस्त, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत निलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या "
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए;

अत: ग्रज 'उम्त अधिनियम' की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपद्यारा (1) के अधीन निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— 14—476QI/75

- 1. श्री कल्याण सिंह, सुपुत्र श्री केवल सिंह, 56, खान मार्किट नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भवतार सिंह खभा, सुपुत्र श्री प्रताप सिंह खन्ना, मी-3/3, राना प्रताप बाग, दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की श्रवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 68, गोखले मार्किट, तीस हजारी कोर्ट के सामने, दिल्ली में 537 वर्ग फुट क्षेत्र पर बनी हुई है, जिसमें से 2/3 भाग निम्न मंजिल का तथा 1/3 भाग पहली मजिल का है।

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 5-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भायां लय, सहायक भ्रायं कर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज-2, दिल्ली-1
4/14ए, भ्रासफ भली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/2335/1069/75-76—यत: मुझे एस० एन० एल० अप्रवाल आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 256 है, जो ब्राजाद मार्किट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्स, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है
और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उम्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचनें में सुविधा के लिए; और/या
- (■) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त प्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, प्रथात् :---

- 1. श्री भगवान दास, सुपुत्र श्री रोशन लाल, 104, ग्राजाद मार्किट, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राविष्टद्र कुमार, सुपुक्ष श्री जय चन्द, 181, गुप्ता कालोनी, विजय नगर के पास, विल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

एक दुकान जिसका नं० 256 है 21.8 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी है, आजाद मार्किट, दिल्ली में है। यह दुकान निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व: दुकान नं० 257 व पश्चिम: दुकान नं० 255 उत्तर: लाइब्रेरी रोड दक्षिण: मेन रोड

> एस० एन० एस० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 5-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-693 (261)/1-1/75-76--यत. मुझे जे० कथूरिया
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है
ग्रीर जिसकी सं० सर्वे न० 262-ए, सब-प्लाट नं० 13, टी० पी०
एस०नं० 14,एफ० पी०नं० 207 तथा 207-ए, है जो गाही-बाग,
ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के ग्रिधीन 19-7-75

के उचित को पूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार कम के के लिए अन्तरिप्त से दश्यमान प्रतिफल है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है - ग्रौर - ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त भ्रधिनियम', के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम', या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं 'उक्त श्रिधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रिधिनियम' की घारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रिधीन, निम्निलेखित व्यक्तियों, श्रर्थातः-

- श्रीमती उर्वशी रोहितभाई मेहता, किंलिक इन्डस्ट्रीयल ग्रेस्टेट, चदीवली, कुरलोपवाई रोड, बम्बई-72। (श्रन्सरक)
- (i) श्रीमती ग्रन्वरबगम बदुद्दीन वजीफदार, कार्क हाउस, पत्थरवाली मस्जिद के पास, शाहपुर, ग्रहमदाबाद।
 - (ii) श्रीमती श्रसामय बीबी विश्ववा समयद्दीन रफीयुद्दीन, सैयद बाङ, दिल्ली-चकला, श्रहमदाबाद।
 - (iii) श्रीमती हुसीनाबीबी विधवा फखरूद्दीन समसुद्दीन, सँयदवाड़, दिल्ली-चकला, घहमदाबाद। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान, जो 665 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 262-ए, एफ० न० 207 तथा 207-ए, सब-प्लाट नं० 13, है तथा टी० पी० एस० नं० 14, है और जो जय जिनेश्वर सोसायटी के पास, शाही-बाग, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण 19-7-75 वाले दस्तावेज नं० 5589 में दिया गया है।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद।

तारीख: 4-2-76

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-्थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1976

न्नायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संव सर्वे नंव -69-1, है जो दाणी-लोमडा, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-7-75

को पूर्जीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्जोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रवं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमु-सरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति:— श्री लहेरखंद स्वरूपचंद शाह, पारी नाथा लाल डाह्या लाल फर्म की ग्रीर से---हाजा पटेल की पोल, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)

2. श्राका को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 7-श्रानन्द बाग, भैरवनाथ रोड, कांकरीया, श्रहमदाबाद। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्रनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 10471 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 69/1 है, जो दाणी-लीम्डा, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 23-7-75 वाले दस्तावेज नं० 10016 में दिया गया है।

जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रह्रमदाबाद।

तारीख : 4-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण),

मर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1976

निदेश सं० भ्राई० 1/1198-2/जून 75—-ग्रतः मुझे ह्वी० भ्रार० भ्रमिन,

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिन्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1/665, 665 है जो मलबार श्रीर कंबाला हिल डिवीजन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 20-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रत: अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत :----

- श्री बद्रुद्दीम तायाबम्नली बरोडावाला श्रीर श्रन्य (भ्रन्तरक)
- 2. दि फ्लोरेन्स को० ग्राप० हा० सो० लि० (ग्रन्तरिती)
- 3. सोसायटी के मेम्बर्स (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिमोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां सरसाहुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तासरी के पास सिखित में भिये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन प्रथवा ग्रंशतः खाली जमीन का वह भाग (पेन्शन ग्रौर टैक्स टेन्योर) जिसपर सूभिन्न (डिस्टोंक्ट) सं० सी दिया हम्रा है तथा जो एक विलेख (टाइटल डोड) पैमाइम में 1757 वर्गगज भ्रथीत 1477 वर्गमीटर के समकक्ष है लेकिन भूमि के एक बड़े भभाग का एक हिस्सा होने के नाते साथ ही बिल्डिंग श्रीर स्टक्चर तथा बंगला श्रीर बिल्डिंग तथा बंगला सहित है, जिस पर भ्रत्टा माऊंट रोड, डी०-वार्ड में स्थित मल<mark>बार श्र</mark>ीर कं**बा**ला हिल डिव्हीजन एन० एस० शीट सं० 294, ई०-225 की केंड्रेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 1/665 स्रौर 665 स्रोंकित है संयुक्त (ज्वाइंट) सर्वे के म्रनसार 1757 वर्ग गज भ्रथीत् 1469 वर्ग मीटर है। इसके पूर्व में बैंडर का उक्त प्लाट प्रापर्टी है जिसका सुभिन्न (डिस्टिक्ट) सं० बी है, उत्तर की ग्रोर प्लाट प्रापर्टी है इस समय उसके मालिक शाह कन्स्ट्रक्शन कपनी लिमिटेड है, दक्षिण की झोर वह उक्त बताया गया प्लाट कामन एप्रोच रोड, पश्चिम में उन्त प्लाट सं बी है जिसके मालिक उक्त वैष्टर है, बम्बई के रजिस्टेशन जिले श्रीर उपजिले।

> क्ही० श्रार० श्रमिन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-2-76

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी, 1976

निदण सं० 83/झार०/झर्जन---- मुझे विशम्भर नाथ आयकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम श्रीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/-२० से अधिक है और जिसकी सं० डी०-52/41 बी है, तथा जो मो० लक्ष्मी कुन्ड, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 30-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रंब 'उन्त ग्रंधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में 'में, 'उन्त ग्रंधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) : श्रंभीन मिम्नलिखित व्यक्तियों शर्थात्:—

1. दौलत राम

(भ्रन्तरक)

2. राम लाल

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उस्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों को, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिकाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० डी-52/41 बी० का पूर्वी हिस्सा जो कि मोहल्ला लक्ष्मी कुन्ड जिला वाराणसी में स्थित है।

विष्यम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज, लखनऊ

तारीख: 4-2-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश स० 110 एम०/अर्जन—श्रतः मुझे बिशम्भर नाथ आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- ६० से श्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डी० 52/41 बी है तथा जो मो० लक्ष्मोकुन्ड वाराणसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 30-9-1975 को

को पूर्वोषत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम कि अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्राधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री दौलत राम

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उम्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अवधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० डी-52/41 बी का पश्चिमी हिस्सा जो कि मोहल्ला लक्ष्मी कुन्ड, जिला बाराणसी में स्थित है।

> बिश्वस्भर नाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-2-1976

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

ब्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी 1976

निदेश सं० 22-सी०/प्रजंन—प्रत. मुझे बिशम्भर नाथ भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भौर जिसकी सं०——है तथा जो ग्राम गुरली तप्पा जिला गोरखपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय महराजगंज (जि० गोरखपुर) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय महराजगंज (जि० गोरखपुर) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के मार्यालय नहराजगंज (जि० गोरखपुर) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के मार्यालय नहराजगंज का गोरखपुर) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के मार्यालय नहराजगंज का गिर्म स्थान तारीख 7-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और सूझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित्ती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत 'उन्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (चा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

धतः धव 'उन्त प्रधिनियम' की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, 'उन्त प्रधिनियम' की बारा 269-म की उपवारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:— 1. श्री हरिहर सिंह व प्रन्य

(भन्तरक)

2. श्री छगुर प्रसाद व प्रन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी वा से 45 किन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जी 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का श्राधा भाग जिसका क्षेत्रफल 95.9 एकड़ है, जो कि ग्राम गुरली तप्पा भारतखन्ड, परगना तिलपुर, तह्सील महराजगंज, जिला गोरखपुर में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखा: 4-2-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० 109 एस०/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से श्रिष्ठिक है और जिसकी सं० 169 है तथा जो ग्राम धतूरी जिला बुलन्दशहर, में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में रिजर्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में रिजर्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 11-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उभत अन्तरण कि खित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात:—— 15—476GI/75 1. श्री नम्नू सिह

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला देवी

(ग्रन्तिरती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्</mark>त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 169, जिसका क्षेत्रफल 17 बीघा, 10 बिस्यान्सी है, का ग्राधा भाग जो कि ग्राम धतृरी पर० बरन जिला बुलन्दणहर में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, लखनऊ

तारीख: 4 फरवरी, 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जनवरी, 1976

निर्देश सं० 81 ग्रार०/ग्रर्जन---ग्रतः, मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसकी चक सख्या 74 व 25 है तथा जो ग्राम मद्रवा तपा बजराह, जिला बस्ती में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नौगढ (जिला बर्म्ता) में रजिस्ट्री हरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारीख 30-10-1975 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपभारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्रीमती बल्देई

(भ्रन्तरक)

2. राम अयल व अन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि नं० 75 स्रीर 25 जिसका क्षेत्रफल क्रमणः 15 बीघा 8 बिस्वा 18 बिस्वान्सी स्रीर 1 बीघा 14 बिस्वा 24 बिस्वान्सी है, जो कि स्राप्त महत्वा, तथ्या बजराह जिला बस्ती में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज, लखनऊ

तारीखा : 30-1-1976

प्रस्प ग्राई० टी० एन० एस०---

श्री के० रन्तकुमार, राजामङ्गी।

(ग्रन्तरक)

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकिनाड।

काकिनाडा, दिनाक 7 फरवरी 1976

निर्देश सं० एक्यु० 311/जे० स० थ्राई० (109) 69/75-76—यतः मुझे बी० बी० सुब्बाराय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- इ०

से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 137, रेइल गली है, जो राजामंड्री में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजामंड्री में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः श्रब 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— 2 के० बी० नरायण, निदेणक, मार्फत मैंनर्स मोटु इन्डम्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड, 'राजामुंद्री। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दी ग्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम' के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमङ्री रिजस्ट्री प्रधिकारी से पाक्षिक प्रंत 31-7-75 में पजीकृत दस्तावेज न० 2778/75में निर्मानत अनुसूची सम्मत्ति ।

> बी० वी० गुब्बाराव, सदीय प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, काकिनाडा

तारीख: 7-2-1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 7 फरवरी, 1976

सं 310/जे वनं I(87) प०गो 75-76--- यत: मुझे, बी० बी० सुब्बाराव आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /- रु० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० 10-51-15 है, जो 9 वार्ड, भीमवरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीमवरम में रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-75 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीकन सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, असके दुश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत के श्रिधक है भीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों)

के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनयम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या धन्य घास्तियों, को जिन्हें भारतीय घाय-कर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिष्ठिनयम', या धन-कर श्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए;

ग्रत: ग्रब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के भ्रतुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-च की उपभारा (1) के श्रधीन, निम्मलिखत व्यक्तिमों अर्थात:—

- श्री जुपूडि वेंकट विजय भास्कर, पिता केशवराज, भीमवरम (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गादिराज, नारायणम्म पति राममूर्तिराज, भीमवरम (ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निकी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो धौर पदों का, जो 'उक्त श्रीधनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भीमवरम् रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 31-7-75 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1503/75 में निगमित श्रनुसुची सम्पत्ति।

बी० वी० सुब्बाराय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, काकिनाडा।

तारीख: 7-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन● एस०-

 श्री भूपतिराजु, वेंकटरामराजु, पिता नारायणराजु, रेलंगी (ग्रन्तरक)

ध्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनाक 7 फरवरी, 1975

सं० प्रार० ए० सी० सं० 309/जे० एन० 1 (89) प० गो०/75-76--यत: मुझे बी० बी० सुब्बाराव, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत धाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 8-1-150 से 152 है, जो 21 वार्ड भीमवरम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वींणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भीमवरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव उक्त धिधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनु-सरण में, मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्थातु:-- भेरगनि पैडम्मा, पति श्रष्पाराव, भीमवरम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भीमवरम रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-7-75 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1442/15 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> बी० बी० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 7-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-ध(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 7 फरवरी, 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 306/एम० ई० सं० 207→-यत: मुझे बी० बी० सुब्बाराव

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11 श्रीर 12 है, जो देसुपालेम गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित [है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जग्गययपेटा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनयम' या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः भ्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रानि निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिधातः—

- श्री कनपति हनुमंत राव पिता पापाराव, देसुपालम। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री नूतुलपाटि रामाराव पिता सुब्बाराव, (2) नूतुलपाटि रामाराव राधाकृष्ण पिता सुब्बाराव। दिरिसेनचेर्ल गांव। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जम्मय्यपेटा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-7-75 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1572/75 में निगमित श्रनुसूची।

> वी० बी० सुडबाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा।

तारीख: 7-2-1976

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश सं० एम० एन० एस० | 250 | 75-76: -- यतः मुझे, वी० श्रार० सगर

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मानसा कलां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मानसा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम,' के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्री बखतौर सिंह सुपुत श्री गुलाब सिंह सुपुत गहना सिंह गांव लोहगढ़ जनरल ग्रटार्नी इन्द्र सिंह, मिहन्य सिंह सुपुत्रान श्री भाग सिंह गांव ग्रादम के तहसील मानसा ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री सितन्द्र दास एडवोकेट सुपुत्र वृज लाल श्रमर-सिह सुपुत्र जोध सिह, सुरजीत कौर पत्नी श्रमर-सिह वासी मानसा।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोंग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (अह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रश्नं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 654 मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मानसा में है

> वी० ग्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 12-2-76

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

· कार्याक्षय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

भ्रमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश नं० श्रमृतसर/251/75-76:---यतः मुझे, वी० भार० सगर

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मानसा कलां में रियत है (श्रौर इसने उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मानसा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ग्रन्तरित लिए है स्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे प्रतिशत से प्रधिक प्रतिफल के पन्द्रह ब्ध्यमान और भन्तरिती है भौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गैंग है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत, 'उन्त श्रिधिनयम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त भ्रधिनियम,' या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—

- (1) श्री बखतावर सिंह सुपुत्र गुलाब सिंह सुपुत्र गहना सिंह गांव लोहगढ़ जी० ए० श्री इन्द्र सिंह व महिन्द्र सिंह सुपुत्रान भाग सिंह वासी भ्रादम के तहसील मानसा। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सन्त राम, श्रमृत लाल सपुतान राम चन्द सुपुत गंगा राम वासी मानसा। श्री रोशन सुपुत्र श्रासा-राम बुडलाढ़ा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

हा यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 655 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मानसा में है।

> वी० स्रार. सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 12-2-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 12 फरवरी, 1976

निदेण सं० एमएनएस०/252/75-76:--यतः मुझे, वी० श्रार० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख न अधीन मक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कि से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो मानसा कला में स्थित है (श्रीर ट्रमरें उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मानसा में रिजस्ट्रं-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1975

को पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से सम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोबत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसने दृष्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृष्यमान प्रतिपत्त के पन्द्रह प्रतिमात से अधिय है और अन्तरफ (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्त्रियक रूप से कथित नहीं विद्या गया है ——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रंथिनियम के ग्रजीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में ग्रमी करने या उससे बचने मेसुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (स) ऐसी फिसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातः——
16—476GI/75

(1) श्री वखतावर सिंह सुपुत्र गुलाब सिंह सुपुत्र गहना सिंह गांव लोहगढ़ जी० ए० श्री इन्द्र सिंह् व महिन्द्र सिंह् सुपुत्रान भाग सिंह वासी गांव ब्रादमके।

(प्रन्तरक)

- (2) श्री सितन्द्र दास गुप्ता एडवोकेट सुपुत्र वृजलाल कस्तूरी लाल सुपुत्र बुध राम गाव रवीवा दयालू वाला, प्रेमलता सुपुत्री किशोरी लाल वासी नरवाना। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 में है तथा कि'राएदार यदि हों (वह व्यक्ति, जिसके श्राधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा. जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 658 मई, 1975 को राजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी मानसा मे है।

> वी० ग्रार० स**ग**र सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 12-2-76

प्रहप श्राई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निदेश नं० एम०एन०एस०/ 253/75-76:~-प्रतः मुझे, बी० श्रार० सगर

ष्मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मानसा कलां में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, मानसा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिक्षक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों. ग्रथीन :---

- (1) श्री बखतावर सिंह सुपुत्न गुलाव मिह सुपुत्न गहना सिंह गाँव लोहगढ़ जी०ए० श्री इन्द्र सिंह व महिन्द्र मिह सुपुत्नान श्री भाग मिह गाव श्रादमके तहसील मानसा । (अन्तरक)
- (2) श्री लक्ष्मन दास सुपुत्र रौनक राम सुपुत्र बन्मी राम नारायण प्रमाद सुपुत्र बनारसी दास सुपुत्र विरीया मल वासी मानसा ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भाविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत ब्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी प्रत्य श्यक्ति द्वारा, स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 673 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मानसा में है।

> वी० श्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 12-2-76

प्रस्प भ्राई०टी०एन०एस०--

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, म्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 12 फरवरी, 1976

निवेश न० एम० एन० एस०/254/75-76.- - यत मुझे, श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० से श्रधिक है भ्रौर जिसकी स० भूमि है तथा जो, मानसा कर्लों में स्थित है (ग्रौर इससे उबाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख मई, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से वम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्राधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राथीत :-

- (1) श्री बखतावर सिह सुपुत्र गुलाब सिह सुपुत्र गहना सिह गाव लोहगढ़ जी० ए० श्री इन्द्र सिह, महिन्द्र सिह सुपुत्रान भाग सिह गाव श्रादमके तहसील मानसा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रोशन लाल सिगला सुपृत्न श्रासा राम वासी बुढ़लाडा ।

(यन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 म है तथा किराएदार यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनकें बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सबध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमे प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम' के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रोंकृत विलेख न ० 674 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भानसा मे है।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर

तारीख : 12-2-76

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

> 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

1816

सहायक भ्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

श्रजन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनाक 12 फरवरी, 1976

ि निदेश नं० बी ० टी ० डी ०/2 5 5/7 5-7 6 :~प्रत: मुझे, वी ० स्नार० सगर

प्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी मं० भूमि का प्लाट है तथा जो सीविधा रोड भटिण्डा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिवारी के पत्रयिलय, भटिण्डा में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनिधम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ध्रत: श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत :—— (1) श्री रामचन्द पुत्र तोता राम, श्री देसराज, बलायती राम, बिरज लाल सुपुत्रान, फुम्मन मल वासी गाव सीविया तहसील भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रगोक कुमार गोयल सुपुत्र सोहन लाल, श्रीमती कमला गुप्ता पत्नी कुलबंत राय गुप्ता वासी मोदी नगर (लोकल पता मार्फत सोम प्रकाण सुपुत्र वलायती राम क्लाथ मर्चेन्ट सदर बाजार, भटिण्डा।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (बह व्यक्तित, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षीप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपस्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो 'उक्त श्रिधिनियम,' के श्रध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1155 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिण्डा में है।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

तारीख: 12-2-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनाक 12 फरवरी, 1976

निदेश न० बीटीडी०/256/75-76ः →—पतः मुझे, वी० आर० सगर

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/— रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमिका प्लाट है तथा जो, सिविया रोड भटिण्डा में स्थित है (श्रीन इससे एपाबड़ अनुसूर्च. में श्रीन पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई, 1975 को

पूर्वोषत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोशत सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विख्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत 'जबत अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में क्मा करने या जसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—— (1) श्रा रामचन्द सुपुत्र तोताराम, मर्व श्री देसराज, वलायती राम व बृजलाल सुपुत्रान फुम्मन मल वासी गांव सीविया तहसीय भटिण्डा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सोम प्रकाण सुपुत्न यलायती राम क्लाय मरचैंट गक्षर वाजार, भटिण्डा।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि न. 2 में है तथा किराएदार यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग से सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (बहु व्यक्ति, जिनके बारे से श्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उदत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्लीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि का 'लाट जसाकि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 1153 मई, 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिण्डा मे है।

> वो० ग्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 12-2-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनाक ७ फरवरी, 1976

निर्देश नं ० एक्यु० 312/जि०न० 1 (96) डब्ल्यू० जी० / 75-76:—यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराव आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रीर जिसकी स० 101/6, 104, 106 स्रीर 222/2 है, जो पामुलपक में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, उन्हीं में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 15-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वाम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है आर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रबं, 'उक्त अधिनियम' को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नोनिधन व्यक्तियों, अधीत:——

- (1) श्रो के० वेकटराव पुत्न वेकटरामस्या, जल्लिकाकिनाड (श्रन्तरक)
- (2) श्री पोन्नगांटि श्रादिलक्षाम परनी वेकटरामय्या दर-सिपक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जागे करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तन्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं। बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उन्दी रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक अन्त 15-8-75 में पजीकृत दस्तावेज न० 1464/75 में निगमित श्रनुसूची सम्पति।

> बी० वी० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 7-2-1976

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 🥆

269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनाक 9 फरवरी, 1976

स्वभारवण्य स्वित्यस्य १९६१ (1961 क्या ४३) (जिसे

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चान 'उवन श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है और जिसकी मं० डोर न० 5-97. 18 लक्ष्मीपुरम है, जो गुंटूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय, गुटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ज्ञतिका की गई है और मुझे यह विज्ञाम करने वा कारण है कि यथापूर्वोन्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरको) श्रीर श्रन्तरिता (श्रन्तरितयो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत श्रन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कश्चित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या िकसी धन या ब्रन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 ा 11), या 'उक्त ब्रिधिनियम', या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चाहिए था, िछपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निस्तिलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :~~

- (।) श्री कोच्चर्ल राजागव ग्रौर दमरो, गुंटूर। (ग्रन्तरक)
- (2) डाक्टर एस० वी० रमना के प्रतिनिधि के० नागिरेड्डी, गूटूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इममे प्रयुक्त शब्दो और पनो का, जा 'उक्त अधिनियम', ने श्रध्याय 20-क से परिभाषित है, यूटी अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

गुटूर रिजम्ट्री प्रधिकारी से 30-6-1975 पाक्षिक ग्रन्त मे पजाकृत दस्तावेज न० 2643/75 मे नियमित ग्रनुसूची सम्पत्ति ।

> बी० वी० मुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख: 9-2-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनाक 9 फरवरी, 1976

सं० प्रार्० एक्यू० 313/ जे० न० 116/7576----- प्रतः मुझे बी०वी० सुब्बाराव

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वाम करते का वारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000 कर से अधिक है

श्रीर जिल्लको सर उन्दर-20, नेइक जगरहै, जो गुटून में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुपूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गृटूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-6-1975

को पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पुझे यह विश्वास वारने का कारण है कि यथा-पूर्वोबत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो तिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए:

श्रतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो श्रथति:—- (1) श्रा कान्द्र तुलसम्मा सुब्बाराव, गुटूर

(म्रन्तरक)

(2) श्रो भ्रल्लूरि विश्वेश्वरराव, कलनत्ता

(ग्रन्तरिक्षे)

को यह सूचना जारी क्षरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ णुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण.--इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे मथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुट्र रजिस्ट्री श्रधिकारी से 30-6-1975 पाक्षिक श्रन्त में पजीकृत दस्तावेज २० 2720/75 से निगमित श्रनुसूर्वी सम्पत्ति।

> बी० वी० सुब्झाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेज, काकिनाडा

तारीख : 9-2-76

प्रस्प ग्राई० टी० एन० एम०-----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 फरवरी 1976

निदेण सं० 66-एम०/ग्रर्जन---यतः मुझे, बिशम्भर नाथ ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रं धिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से ग्रंधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 40/1 है तथा जो मौजा ऐंटपुर पर पिलया जिला लखनपुर खोरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय निधासन मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-2-1975 को पूर्वीक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भ्रीर
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर श्रधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-भरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् 17--476 GI/75 1. था टेह्न मिह

(प्रत्यरक)

2 श्री महेंद्र सिंह व ग्रन्य

(भ्रतरिती) ।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सिए कार्यवाहिया णुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सबध में कोई भी घालेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तृत्मग्रन्थी व्यक्तिया पर
 सूचना की तामील मे 30 दिन की अप्रित, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति हारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदों का, जो उबत ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं 40/1 जिसका क्षेत्रफल 12.50 एकड़ है। जो कि मौजा ऐंटपुर पर पिलया तह निधासन जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है।

> बिणम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 2-2-1976 (

" DÍRECTORATE OF PRÍNTING"

New Delhi, the 4th February 1976

DIRECTORATE OF PRINTING

as General Manager, Govt, of India Press, Minto Road, New Delhi, the 4th February 1976

Delhi, with effect from 12-1-76 (F.N.), until further orders.

No. S (27)/A.11.—The President is pleased to appoint Shii S R. Sethi, Manager, Govt. of India Press, Nasik to officiate

S. M. JAMBHOLKAR Director of Printing

DEPARTMENT OF SUPPLY DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES

AND DISPOSALS

(Admn. Branch A-6)

New Delhi, the 28th January 1976

No. A-6/76(4)/58/XV-The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection. Wing of the Directorate General of Supplies and Disposite substantively in the permanent posts of Assistant Directorate of Inspection (Met. Chem.) in grade-III of the Indian Inspection Service, Met.-Chem. Branch Class-I with effect from the date indicated against the name of each officer :-

S. Name No.		Post held	Post in which confirmed	Date from which co firmed	
S/Shri 1, S. N. Das Gupta		 Dy. Director of Inspection (Met	f Assistant Director of Inspection (Met. Chem.)	30-11-67	Vice Sh. G. V. Halwed retire,
a, w, thream capen		Chem.) Retired. Dy. Director of	Do, f	23-12-69	Against the tempy, post made permanent vide
2. B. B. Banerjee .	•	Inspection (Met. Chem.)			Deptt. of Supply letter No. 42/28/68-ES.II dated 23-12-1969.
3. K. L. Murty .		. Do.	Do.	23-12-69	Do.
4. M. N. Dutta Gupta		. Asstt. Director of Inspection (Met Chem.) retired.		1-3-73	Vice Shri S. N. Das Gupta retired w.e.f. 28-2-73 (A.N.)

SURYA PRAKASH

Dy. Director (Admn.),

For Director Gen, of Supplies and Disposals.

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF STEEL) IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-700020, the 4th February 1976

No. EI-12(58)/71(.).—On completion of his period of deputation as Accounts Officer in the Office of the Iron & Steel Controller, Calcutta Shri S. R. Roy Chowdhury has been granted earned leave for 110 days with effect from 27.11.1975.

2. On the expiry of his leave, the service of Shri S. R. Roy Chowdhury shall stand placed at the disposal of his Parent Department viz., Director of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs, Stores, Workshops and Tele-Check, Calcutta.

T. GHOSH, Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 31st January 1976

No. 2222(SCN)/19A.—Shri Satish Chandra Nautiyal is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 16th December 1975 until further

No. 2222(SNU)/19A. - Shri Surendia Nagraj Upadhye is No. 2222(SNU)/19A.—Stri Surendia (Nagra) Opadayo is repointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of Indial on an initial pay of Rs. 650-/ per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—FB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 5th December, 1975, until further

No 2222(PKR)19A -- Shri Prasanta Kumar Roy is appointed as an Assistant Geologict in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of may of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24th November 1975 until further orders

No. 2222(SSS)/19A.—Shri S. S. Sahasrabuddhey is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22nd December 1975 until further orders.

The 3rd February 1976

No. 2251(MSR)/19B.—Shri M. S. Ramaswamy received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd.. in the same capacity with effect from the forenoon of the 3rd September 1975

No. 2251(MSC)/19B.—Shri Mehar Singh Chowdhury, Senior Drilling Assistant, Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/— in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1.12.1975, until further

V. K. S. VARADAN, Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 27th January 1976

No A19012(47)/72-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri R. M. Umathay to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating canacity with effect from the afternoon of 8th January, 76 until further orders.

> A. K RAGHAVACHARY, Sr. Administrative Officer for Controller

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 11th December 1975

No F 11-17/75-A.1.-Shri Kabir Kausar Assistant Archivist Grade I (oriental Records) is appointed to officiate as Archivist (Oriental Records) (Class II Gazeffed) on purely od hoc basis with effect from the forencom of the 1st Decembe: 1975 and until further orders (vice Shri R R, Agarwal,

Archivist (O.R.) on leave). This ad-hoc appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

S. N PRASAD, Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL. ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 21st January 1976

No. 2/12/75-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shii S. K. Pangasa, S.E.A., A.I.R. Jeypore (Orissa) to officiate in the grade of Assistant Engineer on ad hoc basis with effect from 17-10-75 (Forenoon) at Television Centre, All India Radio, Lucknow.

HARJIT SINGH, Deputy Director of Admn, for Director General

New Delhi, the 2nd February 1976

No. Λ -30014(3)/74-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Charanjit Singh, Extension Officer in a quasi-permanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 16.6.75.

No. A-30014(3)75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoins Shri Charanjit Singh, Extension Officer in a quasipermanent capacity in the post of Extension Officer with effect from 9-5-75.

P. K. SINHA, Deputy Director of Administration for Director General

(PLANNING & DEVELOPMENT UNIT)

New Delhi, the 30th January 1976

No. (28), 68-D(S).—Shri M. V. Ramakrishnan, Accounts Officer in the office of Accountant General, Central Revenues, New Delhi has been appointed on deputation to the post of Accounts Officer in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the office of Regional Engineer (North), All India Radio, New Delhi for a period of two years w.e.f. 15-4-1975.

This supersedes the Directorate's notification No. 2/8/68-D(S), dt. 17-5-75.

The 31st January 1976

No 2(8)/68-D(S).—Shi M. V. Ramakrishnan, Accounts in the office of Accountant General, Central Revenues, New Delhi has been appointed on deputation to the post of Accounts Officer in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the office of Station Engineer, Central Stores, All India Radio, New Delhi for a period of two years w.e.f. 14-4-1975.

This supersedes the Directorate's notification No. 16(37)DS-67-II, dt. 16-5-75.

T. R. SABHARWAL,
Deputy Development Officer of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 23rd January 1976

No. 1-11/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Satya Brata De in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Professor of Sanitary Engineering (Chemical Operation) at the Al! India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta with effect from the 7th April, 1973

The 27th January 1976

No. 19-15/72-Admn.1.—Shri B. Krishnan relinquished charge of the post of Reader in Physics at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research. Pondicherry on the forenoon of the 14th July, 1975.

2. Suri B. Krishnan assumed charge of the post of Lecturer in Physics at the same Institute on the forenoon of the 15th October 1975.

No. 19-16/75-Admn I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. R. Sundaresan in a substantive capacity to the permanent post of Chemist (Non-Medical Assistant) (Bio-chemistry) the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the 6th April 1974.

The 29th January 1976

No 1/-25/74-Admn.-I.- The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. C. Gangal in a substantive capacity of the permanent post of Technical Officer in the Central Drugs Standard Control Organisation, with effect from the 28th August 1973.

No. 16-21/75-Admn.l.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Gurdeep Sinha to the post of Health Education Officer (Field Survey Demonstration Centre) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services on an ad hoc basis with effect from the forenoon of 29th December 1975 and until further orders.

CORRIGENDUM

No. 17-25/74-Admn.-1.—In this Directorate's Notification No. 17-25/74-Admn.I, dated the 10th December 1974 published on page 218 of the Gazette of India, Part III, Section I, dated the 11th January 1975 for the words "28th August 1973" read "29th December 1972".

The 2nd Feburary 1976

No. 18-12/72-Admn.I.—Consequent on his selection for appointment to the post of Deputy Director General, Commercial Intelligence & Statistics (Ministry of Commerce), Calcutta, Shri K. A. D. Sinha relinquished charge of the post of Statistician in the Central Bureau of Health Intelligence, Directorate General of Health Services on the afternoon of 15 th January 1976.

The 4th February 1976

No. 3-1/75-Admn.1.—The President is pleased to appoint Shri K. D. Sharma, Section Officer of the C.S.S. (Department of Cabinet Affairs) to the post of Administrative Officer in the Central Government Health Scheme, New Delhi on deputation basis, with effect from the forenoon of the 22nd January 1976 and until further orders.

2. Consequent on the appointment of Shri K. D. Sharma to the post of Administrative Officer, Shri K. S. Parthasarathy relinquished charge of the post of Administrative Officer in the Central Government Health Scheme, New Delhi with effect from the forenoon of the 22nd January 1976.

The 5th February 1976

No. 19-19/75-Admn.l.—The President is pleased to appoint Shri T. K. Nambinarayanan, Demonstrator, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherly to the post of Lecturer in Physics at the same Institute, with effect from the forenoon of the 5th January 1976 and until further orders.

S. P. JINDAL, Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 6th February 1976

No 40-2/75-CHS.I.—Consequent on his transfer to C.G. H.S., Hyderabad Di. S. Chatterjee an officer of G. D. O. Grade I of the C.H.S. relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director (Medical) at Regional coordinating organisation, N.M.E.P., Hyderabad on the forenoon of the 29th December 1975.

R. N. TEWARI, Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 6th February 1976

No. 41-39/75-D.—The Director General of Health Services hereby appoints Shri Kapii Bhargava as Drugs Inspector in the West Zone, office of the Central Drugs Standard Control Organisation of the Directorate General of Health Services at Bombay in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6th January 1976 and until further order.

S. S. GOTHOSKAR,
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION HEAD OFFICE

Faridabad, the 27th January 1976

No. F.4-5(64)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri A. G. Deshpande has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India, as Marketing Officer, Group I, on the officialing basis in the Directorate of Marketing & Juspection at Bombay with effect from 2 January 1976 (FN) until Eurther orders.

(HEAD OFFICE)

the 28th January 1976

No. F.4-13(36)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Mulkh Raj Grover has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt, of India, as Jumor Scientific Officer in the scale of Ry. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an officiating basis in the Directorate of Marketing & Inspection at Madras with effect from 23-12-1975 (F.N.) until further orders.

No. F.4-5(65)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri M. R. Deshpande, Assistant Marketing Officer, has been appointed by the competent authority as Marketing Officer, Group II on the officiating basis in the Directorate of Marketing & Inspection at Bombay with effect from 18-12-1975 (F.N.) until further orders.

The 2nd February 1976

No. F.4-6(92)/75-A.I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, New Delhi, Shri Bijay Kumar Sinha has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India, to officiate as Assistant Marketing Officer, Group II, in the Directorate of Marketing and Inspection at Bombay with effect from 15-11-1975 (Afternoon) until further orders.

The 3rd February 1976

No. F.4-6(102)/75-A.I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, New Delhi, Shri Rupendra Kumar Shivaraj Pillay has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, to officiate as Assistant Marketing Officer, Group II in the Directorate of Marketing & Inspection at Madras with effect from 10-12-1975 (F.N.) until further orders.

The 5th February 1976

No. F.4-6(106)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Mohammed Hadis, has been appointed by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of the India, to officiate as Assistant Marketing Officer, Group I in the Directorate of Marketing and Inspection at Bhopal with effect from 12-1-1976 (F.N.) until further orders

The 6th February 1976

No. F.4-6(103)/76-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Brij Bihari Singh has been appointed by the competent authority to officiate as Assistant Marketing Officer Group I in the Directorate of Marketing and Inspection at Bhopal with effect from 12-1-1976 & orenoon) until further orders.

V. P. CHAWLA, Director of Administration

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehradun, the 2nd February 1976

No. 4-5/71-Adm.—The Services of Shri T.K.T.S. Ramanujacharyutu, Statistical Officer, Preinvestment Survey of lorest Resources, Denradun are placed at the disposal of P.L. 480 Research Project 01-658-2 'Survival and outcome of a Birth Cohort', Department of Paediatrics, Safdarjung Hospital, New Delhi with effect from the afternoon of 15-1-76, for appointment as Research Officer there on usual deputation basis.

No. 4-3/74-Adm.—The Services of Shri Hans Raj Mishra, Permanent Sr. Statistical Investigator, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) who has been working as Statistical Officer in Preinvestment Survey of Forest Resources are piaced at the disposal of National Atlas Organisation with effect from the forenoon of the 14th January 1976 for appointment as Sr. Statistical Officer.

ROMESH CHANDRA Chief Coordinator

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 20th December 1975

No. PA/81(133)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Ramchandra Ranoji Ransubhe a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of November 1, 1975, until further orders.

The 3rd January 1976

No. PA/81(138)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Ramchandra Ranoji Ransubhe, porary Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre, in on officiating capacity with effect from the forenoon on November 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Maharashtra, the 29th December 1975

No. TAPS/ADM/735-A.—Consequent on the posting of a regular incumbent by the Cadre Authority, Shri R. R. Bandooni, officiating Assistant Personnel Officer on ad hoc basis, relinquished charge of office of Asstr. Personnel Officer, in Farapur Atomic Power Station with effect from the afternoon of 20-12-1975.

K. V. SETHUMADHAVAN, Chief Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 20th January 1976

No. NFC/Adm/22/12/101.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex Appoints the following officials to officiate as Assistant Personnel Officers in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from the dates shown against each, until further orders.

Name & Date of appointment

- 1. Shi T. L. Ramachandran (Personal Assistant, DAE) -1-12-1975 FN.
- Shri K. Ramachandian (Offg. Supdt., AMD)—2-12-1975 FN.
- Shri S. A. Srinivasan (Offg. Assistant, BARC)— 9-12-1975 FN.
- 4 Shri C. V. Gopalakrishnan (Pmt. Stenographer, BARC)—8-1-1976 FN.
 - S. P. MHATRE, Senior Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 28th January 1976

No. 05000/N-54/559.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Natarajan Narayanan to officiate as Labour-cum-Welfare Officer in Heavy Water Project (Futicorin), in a temporary capacity, with effect from January 1 1976 (FN) until furher orders.

T. C. SATHYAKEERTHY, Senior Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 4th February 1976

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director. Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Bibakar Goswami as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from 26th December, 1975 Forenoon, until further orders.

S. RANGANATHAN, Sr. Administrative & Accounts Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 10th January 1976

No. RRC-II-1(25)/72-P445.—Consequent upon his selection for inclusion in the Centralised cadre of Assistant Personnel Officers/Assistant Administrative Officers of the Department of Atomic Energy, Project Director, RRC, hereby a propoints Shri RAGHVACHARYA RAGHUNATHAN, a temporary Selection Grade Clerk of the Madras Atomic Power Project, as an officiating Assistant Administrative Officer in the Reactor Research Centre with effect from the forenoon of November 17, 1975, until further orders.

K. SANKARANARAYANAN, Senior Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 27th January 1976

No. 10/3(86)/75-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint on deputation from the Office of the Accountant General, Tamil Nadu, Madras, Shri K. Ramaswamy, a Section Officer in that office, as Assistant Accounts Officer in the Civil Engineering Division, Department of Space, in an officiating capacity with effect from 1-12-1975 and until further orders.

P. I. U. NAMBIAR, Administrative Officer for Chief Engineer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-110003, the 27th January 1976

No. E(1)04091.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. Basu, prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Thirty one days with effect from the forenoon of 1-1-1976 to 31-1-1976.

Shri Basu, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(1)04261.—The Director General of Observatorics hereby appoints Shri B. Gopinatha Rao, Prof. Assistant Office of the Dy. Director General of Observatories, (Climatology & Geophysics) Poona, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty nine days with effect from the forenoon of 1-1-1976 to 29-3-1976.

Shij Gopinatha Rao, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatorics (Climatology & Geophysics), Poona,

No E(I)04285.—The Director General of Observatories hereby appoints Shii N V. Parameswaran, Prof. Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of forty four days with effect from the forenoon of 1-1-1976 to 13-2-1976.

Shri Parameswaran, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona,

The 28th January 1976

No. E(1)05853.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri T. V. Vaidyanathan, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st January, 1976 and until turther orders.

Shri Vaidayanathan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

The 3rd February 1976

No. E(1)07161.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri Onkari Prasad, Prof. Assistant, Head-quarters office of the Director General of Observatories, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of thirty eight days with effect from the forenoon of 1-1-1976 to 7-2-1976.

Shri Onkari Prasad, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi,

The 5th February 1976

No. E(I)04318.—The Director General of Observatories hereby appoint Shri H. R. Ganesan, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories, (Climatology & Geophysics), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of thirtynine days with effect from the forenoon of 2-1-1976 to 9-2-1976.

Shri H. R. Ganesan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of Dy, Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.

No. E(1)04318.—The Director General of Observatorics hereby appoints Shri S. Rengarajan, Professional Assistant, Meteorological Centre, Trivandrum under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of forty days with effect from the iorenoon of 7-1-1976 to 15-2-1976.

Shri Rengarajan, Offg, Assistant Meteorologist remains posted to Meteorological Centre, Trivandrum under the Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(1)05132.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. L. Ghose, Professional Assistant, Office of the Director. Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of forty-four days with effect from the forenoon of 3-1-1976 to 15-2-1976.

Shri Ghose, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director Regional Meteorological Centre, Calcuta.

M. R. N. MANIAN, Meteorologist, for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 20th January 1976

No. A. 32014/2/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following 38 Technical Assistants (working as Assistant Technical Officer on an ad hoc basis) as Assistant Technical Officer on a regular basis

in the Civil Aviation Department with effect from the 6th January, 1976 and until further orders:—

Name & Station to which posted

- 1. Shri A. Rajagopalan-Bombay.
- 2. Shri Mukhtiar Singh--Calcutta.
- 3. Shr₁ R. Ramamurthy—Calcutta.
- 4. Shri C. N. Mahadev-Palam.
- 5. Shri M. Raghavan—Madras.
- 6. Shri M. Apparao-Madras.
- 7. Shri C. Hrman-Begumpet.
- 8. Shri D. C. Dabgotra-Jammu.
- 9. Shri M. L. Dey-Calcutta.
- 10, Shri M. P. Sama-C.A.T.C.
- 11. Shii S. K. Bhattacharya-Calcutta,
- 12, Shii H. S. Sarna-Palam.
- 13. Shii N. S. Apte-Nagpur.
- 14. Shri G. M. Rao-Calcutta.
- 15. Shri I. M. Krishnan-Calcutta.
- 16. Shri K. C. Devgan-R.C. & D.U.
- 17. Shri V. P. Narang-Safdarjung.
- 18. Shri A. K. Dev-Calcutta,
- 19. Shri R. Vittal Singh-Bombay.
- 20. Shri T. N. Viswanathan-Madras.
- 21. Shri P. C. Jain-Safdarjung,
- 22, Shri V. K. Sharma-Safdarjung,
- 23. Shri Harbhagwan-Bhavnagar.
- 24. Shri T. D. Sharma-Bombay.
- 25. Shri M. K. Chatterjee-Imphal.
- 26. Shri P. K. Sengupta-Calcutta.
- 27. Shri G. D. Kulkarni-Bombay.
- 28. Shri Piayara Singh—Calcutta.
- 29. Shri Inderjit Sharma-C.A.T.C.
- 30. Shri T. R. Menon-Calcutta.
- 31. Shii G. S Kochikar-Bombay.
- 32. Shri K. S. Balasubramaniam-Bombay.
- 33. Shri Manohar Singh-Kud.
- 34. Shri P. N. Nayar-Gauhati.
- 35. Shri M. D. Ranganathan-Madras.
- 36. Shri H. L. Sharma-Palam.
- 37. Shri Y. P. Bhatla-Barapani.
- 38. Shri B. R. Rao-Bombay.

New Delhi, the 23rd January 1976

No. A.-32013/4/75-E.C.—The President is pleased to approve the protorma promotion of the following four Assistant Technical Officers in the Civil Aviation Department and at present on deputation to the country town against each, to the grade of Technical Officer with effect from the 1st December, 1975 (forenoon) and until further orders:—

Si. Name No.			Country to which on deputation	Wath effect from
S/Shri				
1. M. A. Venugopal			Zambia	23-7-75 (A.N.)
2. S. Venkateswaran	•		Democratic Repub- lic of Yemen	6-6-74
3. K. Srinivasan			Do.	1-6-74
4. D. S. Srivastava		•	Zambia	14-5-75 (A.N.)

The 29th January 1976

No. A 38013/1/75-EC.—The Director General of Civil Avaation is pleased to permit Shri H. S. Bhardwaj, Assistant Communication Officet, A.C.S., Safdarjung Airport, New Delhi to retire from Government service in terms of the provisions of J.R. 56(k) with effect from the 31-12-1975 (A.N.) No. A.32014/2/74-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shii P. C. K. Nair, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Bangalore as Assistant Communication Officer with effect from 24-12-1975 and to post him at the same station until further orders.

H. L. KOHLI, Dy. Director of Admn. for Director Gen, of Civil Aviation

New Delhi, the 31st January 1976

No. A. 32013/4/75-EC.—The President is pleased to appoint Shn B. K. B. Nair, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station Nagpur as Technical Officer in the Civil Aviation Department with effect from the 9th January, 1976 (AN) until further orders and to post him in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, New Delhi.

No. A. 38012/1/75-EC.—The following two Communication Officers retired from Government service on 31-12-1975 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

- S. No., Name & Station of Posting.
 - 1. Shri P. B. Syamiay-A.C.S., Calcutta.
 - Shri K. K. Das—A.C.S., Sacdarjung Airport, New Delhi.

The 2nd February 1976

No. A. 32013/2/75-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/2/75-EC, dated the 26th/28th July, 1975, the President is pleased to extend the ad-hor promotion of Shri B. B. Bandhopadyay, as Controller of Communication. Calcutta Airport, Dum Dum for a further period from 1-9-1975 to 29-2-1976.

H. L. KOHLI,

Dy. Director of Admn.

New Delhi-110022, the 4th January 1976

No. A-41012/1/74-E(H).—The services of Air Commodore A. F. Gama, an officer of the Indian Air Force, who was appointed on deputation with the Civil Aviation Department as Examiner of Flying with effect from the 17th September, 1973, and on his retirement from the Indian Air Force, reemployed in the same capacity with effect from the 7th October, 1973, stand terminated with effect from the forenoon of the 17th September, 1975. Air Commodore A. F. Gama was granted carned leave for 60 days with effect from the 17th September, 1975 to the 15th November, 1975, in terms of Rule 39(7) of the C.C.S. (Leave) Rules, 1972.

The 29th January 1976

No. A-32013/15/75-E(H).—The President has been pleased to appoint Shri R. Narasimhan, permanent Senior Scientific Officer as Deputy Director of Research & Development in the Civil Aviation Department, New Delhi purely on an ad-hoc basis for a period of six months with effect from the forenoon of the 22nd January, 1976, or till Shri P. R. Chandrasekhar, Deputy Director of Research & Development, who has been deputed for training for the study on the subject of F.A.A. airworthiness design and testing requirements and procedures for different types of aircrafts and helicopters in the United States of America, resumes duty on return from deputation, whichever is earlier.

T. S. SRINIVASAN Assistant Director of Administration

New Delhi, the 24th January 1976

No A.32013/5/75-EA—The President is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of the following officers, as Aerodrome Officer upto the 31st March, 1976 or

till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier

Name and Station of posting

- 1. Shii K. P. V. Menon-Mangalore
- 2. Shii V. R. Vishwanathan-Bhopal
- 3. Shri S. C. Joshi-Hqrs, A.O. (AIS)
- 4. Shri O. P. Dhingra-Hqrs. T.O. (P)
- 5. Shri M. P. Khosla-Udhampur
- 6. Shri J. S. R. K. Sharma--Madras
- 7. Shri K. S. Prasad--Mohanbari
- o chai N. B. Cl. 1 B. B.
- 8. Shri N. D. Ghosh-Dum Dum
- 9 Shri Ravi Tankha-Safdarjung
- 10. Shi C R. Rao-Rajkot
- 11. Shri Kundan Lal-Aurangabad
- 12. Shri J. K. Sardana-Srinagar
- 13. Shri K. C. Misra-Santacruz
- 14. Shri G. B K. Nair-Santacruz
- 15. Shii D. D. Sardana-Safdatjung
- 16. Shri K. N. Venkatachalliah-Santacruz
- 17. Shri S Dayal—Hqrs. T.O. (AS)
- 18. Shri S. C. Sekhri--- Udaipur
- 19. Shri M. P. Jain-Safdarjung
- 20. Shri S. K. Jain-Palam
- 21. Shri D. Ramanujam-Safdarjung
- 22. Shri A. T. Verghesc-Kumbhirgram
- 23. Shri K. V. S. Rao-Madras
- 24. Shri N. P. Sharma-Safdarjung
- 26. Shri R. Kothanadaraman-Trichirapalli.
- 26. Shri R. Kothanadaraman—Trichirapalli.

C. K. VATSA Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 3rd February 1976

No. 1/403/76-EST.—Shri Vidya Shankar Pandey, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of he 1st January, 1976, and until further ordels.

The 3rd February 1976

No. 1/399/76-EST.—Shri P. N. Sundaram, Permanent Senior Foreman, Madras Branch is appointed as Chief Mechanician in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 1st January, 1976, and until further orders.

P. G. DAMLF Director General

Bombay, the 31st January 1976

No. 1/397/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri F. C. Agonso, Senior Foreman, Bombay Branch, as Chief Mechanician in an officiating capacity in the same Branch for the period from the 1st December, 1975 to 3rd January, 1976 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY Administrative Officer for Director General

Bombay, the 31st January 1976

No 1/395/76-FST.—The Director General, has accepted the resignation from Government service, of Shii Jasbir Singh Sodana, Temporary Assistant Engineer, Bombay Branch, with effect from the afternoon of the 17th January, 1976,

P. K. G. NAYAR Dy. Director (Admn.). for Director General

CENTRAL BUREAU OF NARCOTICS

OFFICE OF THE NARCOTICS COMMISSIONER OF INDIA

(NARCOTICS DEPARTMENT)

Gwalior-6 (M.P.), the 31st January 1976

S. No. 39.—Shri A. K. Dass, District Opium Officer, Mandsaur I Division is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 810/- in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1-9-75

A. SHANKER

Narcotics Commissioner of India

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 24th January 1976

No. A-19012/558/75-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chairman Central Water Commission is pleased to appoint Shri D. K. Sharma, Research Assistant of this Commission, to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group in the CWC in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a regular basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 15th December, 1975, until further orders.

Shri D. K. Sharma will be on probation in the grade of Assistant Research Officer (Chemistry). Central Water Commission, for a period of two years, with effect from the above date viz. 15-12-1975 (forenoon).

No. A-19012/557/75-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri G. M. Kotawar, Research Assistant of this Commission, to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group), in the Central Water and Power Research Station, Poona, on a purely temporary and ad-hoc basis, in the pay scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the 17th December, 1975 (forenoon), upto 29-2-1976 or till such time as the vacancies in the grade are filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 29th January, 1976

No A-19012/197/70-Adm.V.—In par'ial modification of this Commission's Notification No. A-19012/197/70-Adm.V dated the 6th May. 1970. the Chairman, Central Water and Power Commission (now Central Water Commission) is pleased to appoint Shri G. C. Wadhwa, Supervisor to officiate notionally in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Fingineer/Assistant Research Officer, (Engineering) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) now the Central Water Commission, on an ad-hoc basis in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 (preserved) with effect from 22-1-1969.

Shri G. C. Wadhwa. may be deemed to have taken over charge of the post of Extra-Assistant Director, in the Central Water and Power Compilision (Water Wing), New Delhi with effect from the above date

K. P. B. MENON Under Secretary for Chairman, C.W. Commission

New Delhi-22, 2nd February 1976

No. A-19012/546/75-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman. Central Water Commission is pleased to appoint Shri Nathi Singh to the post of Assistant Research Officer (Physics Group) in the Central Water Commission in the scale of Rs 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB 1200 with effect from the forenoon of 5th January, 1976.

2 Shri Nathi Singh will be on probation for a period of two years with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON Under Secretary Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD,

N.H. IV, Faridabad-121001, the 5th February 1976

No. 3-368/75-CH(Estt.).—Shii D M. Rama Rao is appointed as Assistant Hydrogeologist, G. C. S. Class-II (Gazetted) in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad hoc and temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Bangalore w.e.f. 10th March 1975 (F.N.) to 24th Oct 1975 (A.N.).

No. 3-350/74-CH(Estt.).—Consequent on his selection by U.P.S.C. Shi D. B. Shetye is hereby appointed to the post of Asstt. Hydrogeologist, G.C.S. Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Sholapur w.e.f. 1st January 1976 (F.N.) till further orders.

D. S. DESHMUKH

Chief Hydrogeologist & Member.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 28th January 1976

No. 5/6/75-ECI.—The President is pleased to appoint the following candidates in the results of the Engineering Services Examination 1974 on probation in the CES Class I/CEES Class I in the CPWD against temporary posts of Asstt. Ex. Engineers (Civil)/Asstt, Ex. Engineer (Elect.) with effect from the dates mentioned against their names.

CES Class I

S/Shri

- 1. Rakesh Misra-26th December 1975
- 2. N. K. Sinha-6th January 1976
- 3. Ranveer Singh-6th January 1976.

CEES Class I

- 1. A. C. Suri-3rd January 1976
- 2. G. Nelson Raj-9th January 1976.

P. S. PARWANI Dy. Director of Administration for Engineer-in-Chief

New Delhi, the 2nd February 1976

No. 27-E/P(14)/70-E.C.-II—The following Officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation have retired from Govt. service on 31-1-76 (A.N.)

Name		Present Designation.
1. Shri P. R. Puri .		Executive Engineer on deputation to All India Radio (Civil Constn. Wing) Bombay.
2. Shri D. R. Chopra		Executive Engineer on deputation to University of Delhi, Delhi.
3. Shri f. J. Khianey .	٠	Surveyor of Works, Office of the SSW(Ayn.), CPWD, New Delhi.

P.S. PARWANI Dy. Director of (Admn.)

CENTRAL GROUND WATER BOARD

New Delhi-110022, the 30th January 1976
No. 6/2/75-Adm.II.—The Chairman, Central Flectricity
Authority hereby appoints Spri S. A. Khan, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the forenoon of 31st December, 1975.

JANGSHER SINGH Under Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 27th January 1976

No. 74/RE/161/1.—It is notified for the information of general public that in connection with the introduction of 25 Kv A. C. electric traction in the Section Khurja Junction (Excl) to Ghaziabad (Inc) Structure No. 1371/23-24 to Structure No. 18/24 on Down Main Line and 18/29 on Up Main Line (Km. from New Delhi side) height gauges have been erected at all level crossings with clear height of 4.67 metres (15 ft. 4 in.) above road level, with a view to preventing loads of excessive height from coming into contact with or in dangerous proximity of live traction wires. Public are hereby notified to observe the height specified above, for the purpose of loading vehicles and to ensure that loads carried in road vehicles do not infringe the helght gauges under any circumstances.

The dangers involved in a load of excessive height are:

- (i) the height gauge would be thrown out causing construction to the road as well as to the Railway line;
- (ii) the materials or equipment carried (or the vehicle itself) may be damaged;
- (iii) fire may be caused involving risk to life, due to the contact or dangerous proximity with the live conductor.

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A. C. Overhead Traction wires will be energised on 25 Kv on or after 2nd February 1976 in the Section Ajaibnur Sectioning Post to Ghaziabad (incl.) Structure No. 1403/17-18 to Structure No. 18/24 on Dn Main Line and 18/29 on Up Main Line (Km from New Delhi side) on and from the same date the overhead traction line shall be treated as live at all times, and no unauthorised persons shall approach or work in the proximity of it.

The 28th January 1976

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A. C. Overhead Traction Wires will be energised on 25 KV on or after 12th Jánuary 1976 in the Section Khujra (excl.) to Aiaibnur Sectioning Post (incl.) (Structure No. 1371/23-24 to Structure No. 1403/17-18). On and from the same date the overhead traction line shall be treated as live at all times and no unauthorised persons shall approach or work in the proximity of it.

A. L. GUPTA Secretary, Railway Board.

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 17th December 1975

No. 17.—The following officers of Mcch. Engg. Deptt of Northern Railway have retired from Rly. Service finally from the dates noted against each

- Shti Bhim Sain Sharma, AWM/Klka w.e.f. 30th November 1974.
- Shii Sant I al Malik, ofig AME (MR) Hd, Qrs. Office from 31st October 1975.

V. P. SAWHNEY General Manager.

NORTH-FAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 20th January 1976

No. E/55/III/94Pt.III(O).—The following Junior Scale officer of the Civil Engineering Department are confirmed in the Scale with effect from the date noted against each.

Sl No, Name of Officers & Date from which Confirmed

- 1. Shri Tuath Piakash-18th June 1973.
- 2. Shri S. K. Kanjilal-15th July 1973.
- 3. Shii B E Guha Biswas-1st April 1974.

H L VERMA General Manager.

CENTRAL RAH WAY

Bombay, the 29th January 1976

No. HPB/220/G/I(W).—Shi R. K. Singh who was appointed as Probationer in the Indian Railway Service of Engineers is confirmed as Assistant Engineer in the Junior Scale with effect from 17th April, 1975.

B. D. MEHRA General Manager.

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF REHABILITATION)

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Jeypore-764003, the 24th January 1976

No. PF/G/63.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, SHR1 RAMPRAKASH CHANDER is appointed to the post of Assistant Engineer in the scale of Rs 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—10001—EB—40—1200 in the Rehabilitation Reclamation Organisation we f. the forenoon of 16th January 1976, until further orders.

2. Shri Chander assumed the charge of the post of Assistant Engineer FMU-14, RRO at Hutbay (Little Andamans) on the forenoon of 16th January 1976.

N. SATHYAMURTHY Operational Engineer.

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Bombay, the 12th November 1975

No. 7935/TA/247(5).—Whereas M/s, Orient Chit Fund Limited, having its registered office at Room No. 62, Bombay Mutual Building, 1st floor, Hornby Road, Bombay-1, is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no Liquidator is acting and that the statement of Accounts (Returns) + required to be made by the Liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now therefore, in pursuance of the provisions of subsection (5) of Section 247 of the Indian Companies Act, 1913 notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of M/s. Orient Chit Fund Limited, will unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved. 18—476GI/75

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Hotel Palace Ajanta Private Limited

Bombay-2, the 23rd January 1976

No. 14573/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Hotel Palace Ajanta Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Satara Swadeshi Commercial Bank Limited

Bombay, the 2nd February 1976

No. 259/560(3).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 500 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Satara Swadeshi Commercial Bank Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s Bank of Nagpur Limited

Bombay, the 2nd February 1976

No. 12089/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Bank of Nagpur Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s Patiala Goods Booking Agency Pyt. Ltd.

Delhi, the 5th January 1976

No. 3127/328.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Patiala Goods Booking Agency Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. K. IAIN Asstt. Registrar of Companies, Delhi.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Kashmir Power Industries Private Limited, Nilofar Manzil, Barjala, Srinagar

Sringar-190008, the 9th January 1976

No. PC/369/97.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kashmir Power Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. N. KAUL

Registrar of Companies, Jammu and Kashmir, Srinagar

In the matter of the Companies Act 1956 and of Roshini Hire Purchasing Company and Chit Fund
Private Limited

Jaipur the 7th January 1976

No. Stat/1477.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Roshini Hire Purchasing Co. and Chit Fund Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s, Shri Ganganagar General Exchange Limited

The 17th January 1976

No. Stat/1343.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shri Ganganagar General Exchange Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KUREEL Registrar of Companies, Rajasthan, Jaipur.

In the matter of the Companies Act 1956 and of City Taxi Service Private Limited

Hyderabad-1, the 28th January 1976

No. 1058/(560).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of City Taxi Service Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN Registrar of Companies, Andhra Pradesh.

In the matter of the Companies Act 1956 and of Karur Sri Lakshminarayana Private Limited

Madras-6, the 29th January 1976

No. DN/1281/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Karur Sri Lakshminarayana Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

. S. SRINIVASAN Assistant Registrar of Companies, Tamil Nadu

In the matter of the Companies Act 1956 and of The Binod Data Processing Services Private Limited

Gwalior, the 30th January 1976

No. 1069-Tech/2397.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Binod Data Processing Service Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

MAHESH PRASAD Registrar of Companies, M. P., Gwalior.

In the matter of the Companies Act 1956 and of New Angarpathra Colliery Company Private Limited

Patna, the 2nd February 1976

No I(900)/75-76/58509.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the New Angarpathra Colliery Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL Registrar of Companies, Bihar Patna.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Lamrin Private Limited,

Ernakulam, the 3rd February 1976

No. 1902/Liq/560/1962/76.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies

Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Lamrin Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Venadu Bank Limited

Ernakulam, the 4th February 1976

No. 1299/Liq/560/1953/76.—Notice is hereby given pursuant of sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Venadu Bank Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Venadu Agricultural Grain Company Limited

Ernakulam, the 4th February 1976

No. 1300/Liq/560/1951/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Venadu Agricultural Grain Company I imited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

P. S. ANWAR Registrar of Companies Kerala

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Gauhatl Bank Limited

Shillong, the 4th February 1976

No. 317/560/4916.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Gauhatl Bank Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved on its having been amalgamated with the Purbanchal Bank Limited under section 44A of the Banking Regulation Act, 1949.

S. P. VASHISHTHA
Registrar of Companies
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh & Mizoram, SHILLONG.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sagarmal Spinning and Weaving Mills Limited, Indore

Gwalior, the 7th February 1976

No. 288/Liqn./2455.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that Sagarmal Spinning and Weaving Mills Limited, Indore has been ordered to be wound up by an order dated 20th October, 1975 passed by the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh, Bench at Indore and the Official Liquidator Indore has been appointed as Liquidator of the Company,

MAHESH PRASAD Rogistrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shri Brahma Ayurved Bhawan Private Limited

Calcutta, the 4th February 1976

No. 23787/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shri Brahma Ayurved Bhawan Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Premier Stock & Share Dealers Private Limited

Calcutta, the 4th February 1976
No. 12435/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the Premier Stock & Share Dealers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Apeejoy Cosmetics Private Limited.

Calcutta, the 4th February 1976

No. 25680/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Apeejoy Cosmetics Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Western Art Process Private Limited

Calcutta, the 4th February 1976

No. 25823/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Western Art Process Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

> S. C. NATH Asstt. Registrar of Companies, West Bengal

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 20th January 1976 INCOME-TAX

No. 1. No. JUR-DL1/1/75-76/32562.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-1, New Delhi hereby directs that the following new Income-tax Circle shall be created with effect from the 20-1-1976.

(1) Special Circle-XV (Addl) New Delhi.

No. F. No. JUR-DL1/1/75-76/33012.—In the powers conterred by sub-section (1) of Section 124 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that Income-tax Officer, Special Circle XV (Addl.) New Delhi shall exercise his functions in respect of the cases of all persons assigned to him u/s 127 of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall have effect with effect from 20-1-1976.

No. F. No. JUR-DLI/1/75-76/33462.—In exercise the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf the Commissioner of Incometax Delhi-I, New Delhi hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax mentioned in colum 1 of the Schedule herein below shall perform all the func-tions of an Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax tux under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax officer of the District/Circle mentioned in column 2 of the said Schedule:—

Circle mentioned in column 2 of the said Schedule:-

SCHEDULE

Range

Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, H. Qrs. I, New Delhi. Income-tax District/Circle/

- 1. Special Circle-XIV, New Delhi.
- 2. Special Circle-XV (Addl.), New Delhi. This notification shall take effect from 20-1-76.

Sd/- 20-1-1976 AVTAR SINGH Commissioner of Income-tax Delhi-I, New Delhi

New Delbi, the 20th January 1976

No. JUR-DLI/II/75-76/34362.—In exercise of the powers No. JUR-DLI/II/75-76/34362.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and in Modification of this office order No. JUR-DLI/II/75-76/11852 dated 20-8-1975, the Commissioner of Incometax, Delhi-II, New Delhi, hereby directs that the Incometax officer Dist. VI (10) Addl. New Delhi, shall and the Incometax officer, Dist. VI (9), New Delhi, shall and the Incometax officer, Dist. VI (9), New Delhi, shall and the Incometax officer Dist. VI (10) Addl. Delhi, shall not, exericse his functions in respect of the assessees whose names commence with letter 'S' and within the jurisdiction of the Income tax Officer, Distt. VI (10) Addl. New Delhi, prior to 20-8-75 and the jurisdiction over which has been transferred to the I.T.O., VI (9), in terms of the aforesaid order dated 20-8-75.

This order shall take effect from 20-1-1976.

No. JUR-DLI/II/75-76/33912.—In exericse of the powers No. JUR-DLI/II/75-76/33912.—In exericse of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) and in modification of this office order No. JUR-DLI/II/74-75/20556 dated 13-11-75, the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi, hereby directs that the Income-tax Officer, Disstt. VI (12), New Delhi, shall and the Income-tax Officer Distt. VI (1), New Delhi shall not, overlies his functions in contract of the section behalf not. exericse his functions in respect of the assessees whose names commence with any of the letters O.P. or Q and who were within the jurisdiction of the Income-tax Officer, Distt. VI (10), New Delhi, prior to 15-11-75 and the jurisdiction over which had been transferred to the I.T.O. VI (1), in terms of the aforesaid order dated 13-1-1975.

This order shall take effect from 20-1-1976.

The 2nd February, 1976 INCOML-TAX

No. JUR.-DLI/II/75-76/38087---In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous orders/ notifications on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-Il, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in column 2 of the Schedule here-in-below shall perform, their functions in respect of persons of classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned or may hereafter be assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax Officer.

S1. Designation of the ITO Jurisdiction No. 1 2 1. Income-tax Officer, Contrac- (a) All persons or classes

- tors Circle Ward A. New Delhí.
- of persons, incomes or classes of income and cases or and cases or classes of cases falling within jurisdiction the Income-tax Officer, Contractors Circle, whose names begin with any of the alphabets from A to M (both inclusive).
- (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.

		=		
1		2		3
2	Income tax tors Circle Delhi			(a) All persons of classes of persons, incomes of classes of income and cases or classes of cases of cases falling within the jurisdiction of the Income-tax Officer, Contractors Circle Delhi whose names begin with any of the alphabets from N to Z (both inclusive)
				(h) All persons being part- ners of films falling in item (a) abave
3	Income-tax tors Circle Delhi	Officer Ward	Contrac- C. New	All persons or classes of persons, incomes or classes of income and

Delhi

Act, 1961 4 Income-tax Officer, Contrac tors Circle Ward D, New Sons, incomes or classes of income and cases or crasses of cases which are assigned u/s 127 of the Income-tax Act, 1961

cases or classes of cases which are assigned u/s 127 of the Income-tax

This notification shall take effect from 2-2-1976

No JUR DLI/II/75-76/37886—In exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 124 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf and in partial modification of Notification No JUR DLI/11/75 76/20924 dated 14-11-75, the Commissioner of Income tax Delhi-II New Delhi hereby directs that the following two new wards are created in the Contractors Circle, Delhi,

- Contractors Cucle Ward C Contractors Cucle Ward D
- This order shall come into force we f 2 2-1976

JAGDISH CHAND, Commissioner of Inome-tax, Delhi-11, New Defhi

> the status of registered hi m

New De'hi, the 23rd January 1976

INCOME-TAX

No JUR DLI/III/75-76/35849—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of this office order/Notification No JUR-DLI/III/74-75/15 dated the 31-10 1974, the Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi-Barabu direct that the Income tax, Delhi-III, New Delhi-Barabu direct that the Income tax, Delhi-III, New Delhi-Barabu direct that the Income tax of The Income tax. Delhi hereby directs that the Income tax officer mentioned in column 1 of the Table herein below shall and the Income-tax officer mentioned in column 2 of the Table shall not exercise jurisdiction in respect of all persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases as mentioned in column 3 of the Table below -

TABI E-2

1		3
Income-tax officer, Distr III (16) Addi, New Delhi	Income-tax officer Survey Circle III, New Delhi	All new cases not hitherto assessed, but assessable by the ITO Survey Circle III where total income returned till 31-12-75 for latest assessment year 1975-76 exceeds;

(ii) Rs 15,000/ 111 the status of In-dividual HUF, AOP, URF etc. (m) All new cases of partners not hitherto assessed of the firms as will fall in item No (i) above iirespective of their mcome

This notification shall take effect from 24-1-1976

S S SETH, Commissioner of Income-tax, Delhi III. New Delhi

New Delhi, the 2nd February 1976

INCOME-TAX

No JUR-DLI/V/75 76/37209 -In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Dociois Circle, Delhi, shall be bifurcated into two Circles as under -

- 1 Doctors Circle-I
- 2 Doctors Circle--II

This order shall come into force wef 2 2-1976

No JUR-DLI/V/75-76/37410-In exercise of the powers Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous orders/notifications on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi horeby directs that the Incometax Officer mentioned in column 2 of the Schedule herein below shall perform their functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases of classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of porsons, income or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned or may hereafter be assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax Officer

SI No	Designation of the ITC	Jurisdiction
1	2	3
1	Income-tax Officer, Doctors Circle-I, New Delhi	All cases of Medical Practitioners (including practitioners of allopathic Homeopathic, Unain Ayurvedi or any other system of medicine) Raddologists and Pathologists, and including in the cases of firms, the partners having income chargeable to tax under the head 'Business' or 'Profession' Othe than those assigned to the ITO, Doctors' Circle-I New Delhi
2	Income-tax Officer, Doctors' Circle-II, New Delhi	Cases assigned u/s 127 of th I F Act, 1961

This notification shall take effect from 2-2-1976,

A C JAIN, Commissioner of Income-tax Delhi-V, New Delhi

Cochin-16, the 4th November 1975

INCOME-TAX

ORDER NO. 1/75-76

No. C. No. 1 (9) (B) GL/75-76/1.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section (1) and (2) of section 124 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-I. Ernakulam hereby direct that with effect from the forenoon of 10-11-75 the following amendments should be made to the Schedule appended to the order No. 1/73-74 (C. No. 1 (9) B/GL/73-74 dated 12-7-73) as amended by notification No. 18/74-75 dated 4-3-75.

 In col. 3 under Item 12 (TVM) page 8, substitute "Incometax Officer, F-ward" in the place of "Incometax Officer Collection"

ORDER NO. 2/75-76

No. C. No. 1/9(B)/GL/75-76/1.—In exercise of the powers conferred on me under section 124 (2) of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) I, the Commissioner of Incometax, Kerala-I, Erankulam bereby direct that with effect from the forenoon of 10-11-1975 the following amendment should be made to the order No. 2/73-74, dated 12-7-73 (C. No. 1 (9) (B), GL/73-74) as amended by order No. 2/74-75 dated 4th March 1975.

- 1. In page 4 under Incometax Circle, Irivandrum substitute "Incometax Officer E-ward, Trivandrum" in the place of "Incometax Officer, Collection, Incometax Circle, Trivandrum".
- 2. All the Incometax Officer in the Incometax Circle Trivandrum will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the schedule to the order No. 2/73-74 referred to above.

The 11th December 1975

INCOME-TAX

ORDER NO. 5/75-76

No. C. No. 1 (9) (B)/GL/75-76/L.—In excrices of the powers conferred on mc under sub-section (2) of Section 124 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) I, the Commissioner of Incometax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 10-12-1975 A, N, the following amendments should be made to the schedule appended to the order No. 1/73-74 (C. No. 1 (9) (B) GL/73-74 dated 12-7-73) as amended from time to time.

1. In Col. 3 under item 9 (Alleppey) page 6 add "Income-tax Officer, D-ward" as item no. IV.

ORDER NO. 6/75-76

- C. No. 1(9)(B)/GL/75-76/I.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section (2) of section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) I, the Commissioner of Incometax, Kera'a-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 10-12-1975 A.N. the following amendments should be made to the order No. 2/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)/GL/73-74) as amended from time to time.
 - 1. In page 3 under Income-tax Circle Alleppey add "Income-tax Officer, D-ward, Alleppey" after Incometax Officer, C-ward, Alleppey.
 - 2. All the Officers in the Incometax Circle, Alleppey wi'll exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the schedule to the order No. 2/73/74 referred to above.

The 14th January 1976

INCOME-TAX

ORDER NO. 9/75-76

C. No. 1(9) (B) GL/75-76/1.—In exercise of the powers conferred on me under Sub-Section (2) of Section 124 of the Incometax Act 1961, (43 of 1961) I, the Commissioner of Incometax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect

from 19-1-76 FN the following amendments should be made to the schedule appended to the order No. 1/7374(C. No. 1(9)(B)/Gl/73-74), dated 12-7-73 as amended from time to time.

- 1. In Col. 3 under Item 6 (Ernakulam) Page 4 add "Incometax Officer D-ward" as item number (iv).
- 2. Renumber the present items (iv) to (ix) as (v) to (x).

ORDER NO. 10/75-76

C. No. 1(9) (B) GI /75-76/I.—In exercise of the powers contented on me under Section 124(2) of the Income-tax Act 1964 I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 19-1-1976 FN the following amendments should be made to the Order No. 2/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)GL/73-74) as amended from time to time.

- In page 2 under Incometax Circle Ernakulam add "Incometax Oflicer D-ward Ernakulam" after Incometax oflicer C-ward, Ernakulam.
- 2. All the officers in the Incometax Circle Ernakulam will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the schedule to the Order No. 2/73-74 referred to above.

P. SADAGOPAN. Commissioner of Income-tax, Kerala I, Ernakulam.

Cochin-16, the 4th November 1975

WFALTH-TAX

ORDER NO. 3/75-76

- C. No. 1(9)(B)/GL/75-76/1.—In exercise of the powers conferred on me under section 8A of the Wealth-tax. Act, 19.7 1, the Commissioner of Wealth-tax, Kerala-1, Ernakulam hereoy direct that with effect from the F. No. of 10-11-1975 m. tollowing amendments should be made to the order No. 3/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)GL/73-74) as amended by the order No. 20/74-75 dated 4-3-1975.
 - 1. In page 4 under Incometax Cucle, Trivandrum substitute "Incometax Officer, E-ward, Trivandrum" in the place of "Incometax Officer Collection, Incometax Circle, Trivandrum."
 - 2. All the officers in the Incometax, Circle, Trivaudrum will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the Schedule to the order No. 3/73-74 referred to above.

The 11th December 1975

WUALTH-TAX

ORDER NO. 7/75-76

- C. No. 1(9)(B)/GL/75-76.—In exercise of the powers conferred on me under Section 8 of the Wealth-tax Act 1957 1, the Commissioner of Wealth-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 10-12-75 A.N. the following amendments should be made to the order No. 3/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)GI/73-74 as amended from time to time.
 - In page 4 under Incometax Circle, Alleppey add 'Income-tax Officer, D-ward, Alleppey' after Incometax Officer, C-ward, Alleppey.
 - All the Officers in the Incometax Circle Alleppey will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the Schedule to the order No. 3/73-74 referred to above.

The 14th January 1976

WEALTH-TAX

ORDER NO. 11/75-76

C. No. 1(9)(B)GL/75-76/I.—In exercise of the powers conferred on me under Section 8 of the Wealth-tax Act 1957

I, the Commissioner of Wealth-tax, Ketala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 19-1-76 FN the following amendments should be made to the Order No. '3/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)GL/73-74) as amended from time to time.

- In Page 2 under Income tax circle Ernakulam add "Incometax Officer D-ward, Ernakulam" after Incometax Officer C-ward, Ernakulam.
- All the officers in the Incometax circle, Ernakulam will
 exercise the functions mentioned in Col, 2 and 3 of the
 Schedule to the Order No. 3/73-74 referred to above.

P. SADAGOPAN, Commissioner of Dealth-tax, Kerala I, Ernakulam.

Cochin-16, the 4th December 1975

GIF1-TAX

ORDER NO. 4/75-76

- C. No. 1(9)(B)/GL/75-76/I.—In exercise of the powers conferred on me under section 7A of the Gift-tax, I, the Commissioner of Gift-tax, Kerala-I, Ernakulam hereby direct that with effect from 10-11-75 FN the following amendments should be made to the order No. 4/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)GL/73-74) as amended by the order No. 21 74-75 dated 4-3-1975.
 - In page 4 under Incometax Circle, Trivandrum substitute "Incometax Officer, E-ward, Trivandrum" in the place of "Incometax Officer, Collection Incometax Circle, Trivandrum."
 - All the Officers in the Incometax Circle, Frivandrum will exercise the functions mentioned in Col, 2 and 3 of the schedule to the order No. 4/73-74 referred to above.

The 11th December 1975

GIFT-TAX

ORDER NO. 8/75-76

- C. No. 1(9)(B)/GL/75-76/1.—In exercise of the powers conferred on me under section 7 of the Gift-tax Act 1958 I, the Commissioner of Gift-tax, Kera'a I, Ernakulam here by direct that with effect from 10-12-75 A.N. the following amendments should be made to the order No. 4/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)B/GL/73-74) as amended from time to time.
 - In page 3 under Income-tax Circle, Alleppey add "Incometax Officer, D-ward, Alleppey after Incometax Officer, C-ward, Alleppey,
 - 2. All the Officers in the Incometax Circle, Alleppey will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the Schedule to the order No. 4/73-74 referred to above.

The 14th January 1976 GET-TAX ORDER NO. 12/75-76

C. NO. 1(9)(B)GL/75-76.—In exercise of the powers conferred on me under Section 7 of the Gift Act, 1958 I, the Commissioner of Gift-tax, Kerala-1, Ernakulam hereby direct that with effect from 19-1-76 FN the following amendments should be made to the Order No. 4/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)GL/73-74) as amended from time to time.

- In Page 2 under Incometax Circle. Emakulam add "Incometax Officer D-ward, Ernakulam" atter Incometax Officer C-ward, Ernakulam.
- 2. All the officers in the Incometax Circle, Ernakulam will exercise the functions mentioned in Col. 2 and 3 of the Schedule to the Order No. 4/73-74 referred to above

Sd/-P. SADAGOPAN, Commissioner of Gift-Tax Kerala-1, Ernakulam

CORRIGENDUM TO NOTICE U/S. 269D(1) NO. AP-146/I.A.C -AR IV/74.75 DATED 18TH APRIL, 1974 OF THE I.T. ACT, 1961 IN THE CASE OF M/S. WESTERN ROLLING MILI'S PVT. LID. PUBLISHED IN PART III SECTION 1, PAGE 3332 OF THE GAZETTE ON 25TH MAY, 1974

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-400 020.

Ref. No. AR.V/21/18/74.—The schedule to the above-mentioned notice is hereby substituted as under .—

Bombay-400 020, the 22nd October 1975

All that piece and parcel of Agricultural land admeasuring according to the survey recently made 69175 sq. yards equivalent to 57645 sq. metres or thereabouts and situate lying and being on and to the west of Lal Bahadur Sastri Marg lying and being on and from to the west of Lal Bahadur Shastri Marg in village Nahur (in Greater Bombay Taluka Kurla District Bombay Suburban Registration Sub-District Bandra and District Bombay Suburban and bearing the tollowing survey numbers.

Survey No. 89 (Part) 151 (A) (Part) 158 (Part) 168 (Part)

and bounded as follows; That is to say, on or towards the North partly by S. No. 151(A) Part, porperty belonging to Messrs. National Scharader Soonill Duncan Ltd, and patly by S. No. 172 A (Part) and on or towards South proposed Municipal Development Road on or towards the West by Municipal Water Pipe Line and on or towards the East by the Public Road known as Lal Bahadur Shastri Marg (Bombay Agra Road).

I. M. MEHRA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acqn. Range V. Bombay. FORM ITNS

(1) Shri Tahel Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Mahendar Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd February 1976

Ref No. 77-M/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBIIAR NATH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Khasra No. 40/1 situated at Mauza Ainthpur Pargana, Pallia. District Lakhimpur Kheri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nighasan on 20-8-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 40/1 measuring 12.50 Acres, situated at Mauza Ainthpur, Paragana Pallia, Tehsil Nighasan, District Lakhimpur Kheri.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 2-2-1976.

Seal:

FORM ITNS--

 Ilsibegam Wd/o Dr. Saiyed Fakruddin, Nawabwada, Raopura, Baroda

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahemadabad-380009, the 31st January 1976

Ref. No. P.R. No. 280 Acq.23-631/6-1/75-76—Whereas, I, P. N. Mittal

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and and bearing

Tika No. 2, S. No. 12-K Plot No. 1, 2 & 3 signated at Nawabwada, Raopura, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Baroda in June. 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s, Motibhai Patel & Co. Partner · Patel Motibhai Chhotabhai, Kumbhai wada Naka, Salatwada, Baroda.

(Transferee)

(3) Vali Unisa Begam,
 d/o Di, Saiyed Fakruddin Husseinkhan,
 Nawabwada, Raopura, Baroda.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

12xplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and old building bearing Tika No. 10-2, Sur. No. 12'Ka' Plot No. 1, 2 & 3—admeasuring in aggregate 5400 Sq. ft. in Nawabwada, Raopura, Baroda, as described in sa'e Deeds bearing registration No. 3424, 3425 and 3427 of June, 1975 of the Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 31st January, 1975

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Shantilal Maganlal Patel. Shastribag, Opp, Baroda College Sayaji Ganj, Baroda,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahemadabad-380009, the 31st January 1976

Ref. No P.R. No 281 Acq 23-632/6-1/75-76 -- Whereas, I, P. N. Mittal.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a 1an market value exceeding Ry, 25,000/2 and

bearing Census No S 4-153 and New C. No. 13-357 situated at Shastribag Opp. Baroda College, behind L.M.P., Building Sayangani, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda in June, 1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent ' of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--19-476 GI/75

(2) Shri Shanijam Maujijam Yadav, Yakutpura, Patel Faha. Baroda

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building bearing C. No. S-4-153 and New C. No. S. 13-357 in Shriji Co-operative Housing Society Ltd. Block No. A-1. Shastribag, Opp. Baroda College, Sayajiganj, Baroda, admeasuring 760 Sq. tt. as described in the sale deeds bearing registration No. 3583, and 3586 of June. 1975 of the Parcitating Officer Baroda. of the Registering Officer, Baroda,

> P. N. MITTAL, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Date: 31st January, 1976

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND Floor,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 2nd February 1976

Ref. No. P.R. No. 282 Acq. 23-467/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal.

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

B-Tika No. 10-2, S. No. 12-C Plot No. 4 & 5 situated at Nawabwada, Raopura. Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Usibegam Wd/o Sairod Fekruddin Hulenkhan Nambudda Baroda

(Transferor)

- (2) Sailesh Chambers Co-op Housing Society Ltd. Nawabwada, Baroda, Through
 - President Shir Bhailalbhar N. Pate¹ Krushnakrupa Housing Society, Old Padra Road, Baroda.
 - Secretary
 Shir Kanchantal Hirabhar Patel,
 8-B, Harr Society
 Ajwa Road, Baroda

(Transferce)

(3) Vali Unisabegam, D/o Dr Saiyed Fakiuddin Husenbhai (Decd.) Nawabwada Baroda.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazet e.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Nawabwada, Vadodata Kasba Blaka No. 10-2 S. No. 12-C Plot No. 4 & 5 admeasuring 4356 Sq. 1t. as described in the sale deed registration No. 3407 and 3409 of June 1975 Registration of Baroda-II.

P. N. MITTAl
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 2nd February, 1976

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME FAX,

ACQUISITION RANGE IF 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE ASTRAM ROAD

AHMED ABAD-380009

Ahmedabad 380009 the 2nd February 1976

Ref No PR No 283 Acq 23-467/6-1/75 76—Whereas I, P N MITTAL

being the competent authority—under section 269B—of—the Income tax Act—1961—(43 of 1961)—(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the ammovable property having a fan market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

B Tika No 10.2 S No 12-B situated at Nawabwada Baroda

(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda in June 1975

for an apparent

consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) ficilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 2690 of the 'said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ifore and property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely—

Valı Unisabegam,
 D/o Dr Saiyed Fakı uddin Huseinkhan (decd)
 Nawabwada, Baroda

(Transferor)

(2) Sailesh Chambers Co op Housing Society Ltd, Nawabwada, Baroda Through

1 President
Shri Bhailal N Patel,
Krushna Krupa Housing Society
Old Padra Road, Baroda

2 Secretary
Shir Kanchanlul Hirabhar Patel
8 B. Harr Society
Ajwa Road, Baroda

(Transferee)

(3) Ilsibegam Wd/o Saiyed Fakruddin Huseinkhan, Nawabwada, Baioda

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

I and and building at Nawabwada Vadodara Kasba, B-Tika No. 10.2 S. No. 12-B Parki admeasuring 3960 Sq. ft, as described in the sale deed registration No. 3410 and 3412 of June, 1975—Registering Office Baroda I

P N MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 2nd Lehnung, 19/6

Seal

autamannes e cula su cesul

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ÖFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380009 the 31d February 1976

Ref No PR No 284 Acq 23-633/6-1/75 76 —Whereas I, P N Mittal

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

5 No 78, Plot No 53, of Baroda Kasha situated at Hair bhakti Colony Near Race Course Circle, Baroda (and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officei ac

Baroda in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fif een per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or whigh ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

(1) Shri Arvind Dahyabhai Patel 127-129 Nagdin Street, Bombay 400003

(Fransleioi)

(2) Fejas Flat Owners Coop Housing Society Ltd C/o Bombay Shopping Centre Race Course Baroda

(Iransferce)

(3) Shri Vinod Sura Bombay

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chaptel XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Piece of parcel of land of ground situate at Ictalpui, Baroda Kasba bearing Plot No 53 of Sir No 78 (Old Survey No 82) admeasuring 10710 Sq. ft as discussed in the sale deed—Registration No 3778 of June 1975 Registration Office Baroda I

P N MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date 3rd February, 1976 Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASHFAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-3800009, the 5th February 1976

Ref. No. Acq. 23-I-800(263)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 517-2-B, T.P. S. No. 3 situated at Ashram Road, Near Nehru Bridge, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis-

tration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 7-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namery .—

(1) 1. Shri Sadhuram V. Andanı, 2. Shri Gordhanlal S. Andani,

Shri Kishanlal S. Andani.
 Kumari Bhagyawanti S. Andani, for and on behalf of the firm of M/s. Sadhunam Gordhanlal. Netaji Cloth Market, Kalupur. Kotinirang, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Ransons Corporation, through its partner: Shri Jyot sh. A. Shah, 426, Chokha Bazar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDÜLE

An immovable property being office No. A-52 in block 'A' on fourth floor of Capital Commercial Centre, bearing Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated near Nehru Bridge, Ashiam Road, Ahmedabad,

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-2 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR. HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1976

No. Acq. 21-I-665(264)-1-1-75-76,-Whereas I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 24, F.P. No. 29, S.P. No. A, TPS No. 18 situated at Rajpur Hirput, Ahmedabad

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 24-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (11 of 1922) or the said Acts, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) The Ahmedabad New Cotton Mills Co. Ltd.. through its Directors :

-_-· · _=- , _==-__ · _

- 1. Shri Ramesh Chandulal, 2. Shri Bipin Chandulal, 3. Shri S. K. Bhimwala, Secretary. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shree Mahavir Cloth Market, Owners Association, through its President: Shri Rasiklal Balabhai Shah, Vice President: Shri Rasiklal Dolchand Shah, Secuetary: Shri Jitendiakumar Jithubhai Kantilal Patel, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

INPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter $XX\Lambda$ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 2942 Sq. yards bearing Survey No. 24, T.P.S. No. 18, Final Plot No. 29, Sub-Plot No. A, situated at Rajpur Hirput. Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 8774 dated 24-6-1975.

> J. KATHURIA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 5-2-1976

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONFR
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1976

Ref. No. Λcq. 23-J-670(265)/1-1-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 336 TPS No. 2 FP No. 24 and 25, S.P. No. 2, situated at Rajpur-Hirpur, outside Astodia Darwaja, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 17-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

 Shii Vinubhai Apabhai Patel, Ranchod Bhuvan, Prankunj Society, Kakaria Road, Raninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

Shri Rajkumar Gangaram Vijani,
 Smt, Kiran Prem Vijani,
 Prem Kutir, 34 Main Avenue,
 Santaciuz, Bombay-54.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANALION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of an immovable property standing on land admeasuring 487 sq. yds. bearing Survey No. 336, T.P.S. No. 2, F.P. No. 24 and 25, S.P. No. 2, situated at Rappur-Hirpur, outside Astodia Darwaig, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 5000 dated 17 6-1975.

I. KATHURIA,
Competent Authority,
nspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated - 5-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-670(266)/1-1-75-76.—Whereas, I, J. Kathuria.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 336 TPS No. 2 FP No. 24 & 25, S.P. No. 2, situated at Rajpur-Hirpur, outside Astodia Darwaja, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 17-6-1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the rtansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Aravindhhui Anabhai Patel, Ranchhod Bhovan, Prankunj Society, Kakarin Road, Rannagai,

(Transferor)

Rajkumar Gangaram Vijani,
 Smt. Kiran Piem Vijani,
 Prem Kutir,
 Main Santaciuz,
 Bombay-54.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of an immovable property standing on land admeasuring 487 sq. vds. bearing Survey No. 336, T.P.S. No. 2, F.P. No. 24 and 25, S.P. No. 2, situated at Rajpur-Hirpur, outside Astodia Darwaja, Ahmedabad and as fully described in the sale dead No. 5001 dated 17-6-1975.

J. KATHURIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 5-2-1976

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th Feburary 1976

Ref. No. Acq 23-1-670(267)/1-1/75-f6.—Whereas, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 336, TPS No. 2, F P. No. 24 and 25, S.P. No. 2, situated at Rajpur-Hirpur, outside Astodia Darwaja, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 17-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

20-476GI/75

(1) Shri Jesubhai Apabhai Patel. Ranchod Bhuvan, Prankun Society Kakaria Road, Ahmedabad.

(Transleror)

(2) 1. Shri Rajkumar Gangaram Vijani, 2. Smt. Kiran Prem Vijani, . Prem Kutir, 34 Main Avenue, Santacruz, Bombay-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPI MATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

1/3rd share of an immovable property standing on land admeasuring 487 sq. yds. bearing Survey No. 336, T.P.S No. 2, P.P. No. 24 and 25, S.P. No. 2, situated at Rajpur-Hirpur, outside Astodia Darwaja, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 4999 dated 17-6-1975.

J. KATHURIA.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated 5-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD

VHMFDABAD 380009

Ahmed ibad 380009, the 6th February 1976

Ref No Acq 23 l-801(268)/1 1/75-76 —Whereas I J KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

Survey No 39, 40, 52 to 55, 62, 60 1, Original Plot No 38 38-A Survey No in Record 39 A Plot No 75 TPS No 22 of P No 172 situated at Paldr Ahmedabad (and more fully

described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afores in exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) of the Sild Act of the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the initiation property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following as in a rimely—

- (1) l Shri Vadilal Dalsukhbhai Gandhi, Khotar Palni Pole, Manekchowk Ahmedabad
 - 2 Shir Pravinch india chimaidal Gandhi Self and as Manager of HUI of Pravinchandri Chimanlal, Purnuna Park Society, Paldi Ahmedabad
 - 3 Shii Himitlat Chimanlal Gandhi, Self and as Manager of HUI of Himatlal Chimanlal Gandhi Amlini Pole, Raipui Ahmedabad
 - 4 Shii Rajendrabhai Chimanlal Gandhi, Self and as Managei of HUF of Rajendrabhai Chimanlal Gandhi Nagji Bhudeini Pole Manekchowk, Ahmedabad
 - 5 Smt Bhuriben widow of Chimanlal Dalsukhiam Gandhi Ahmedabad
 - 6 Smt Savitaben Chimanlal Gandhi Ahmedabad
 - 7 Smt Niruben Chimanlal Gandhi, Ahmedabad
 - 8 Smt Pannaben Chimanlal Gindhi Ahmedabad

(Transferor)

(2) Shii Sevakshah Dhanjishah Green 'Green Villa', Miizapui Ahmedabad

(Transferee)

(3) Shri Balvantrai Naimadashankai Trivedi, Naimada Colony Shahibaug, Ahmedabad

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable prope ty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I APLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULT

An open plot of land admeasuring 932 sq yards bearing Survey No 39 40, 52 to 55 62 60-1 original plot No 38 38 A, Survey No according to record 49-A Plot No 75 1 P.S. No 22 Final Plot No 172 structed at Paldi, Ahmedabad and as fully described in the ale deed of Registration No 8018 dated 17 6 1975

J KATHURIA

Competent Authority,

In peeting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II Ahmedabad

1) itc 6-2 1976

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380003

Ahmedabad-380009, the 27th January 1976

Acq. 23-I-695(260)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. No. KATHURIA

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act.

1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing No. Survey No. 88, 89 and 100 of village Vadej, T.P.S. No. 29, New Sub-Plot No.3 situated at Shankar Society, Narayanpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Ahmedabad on 17-7-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the puiposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Ramprasad Prahladji Patel, 3, Shankar Co-op. Ltd., Naranpura Char Rasta, Housing Society Ahmedahad. (Transferor)

(2) (i)Shri Harish Ambalal Kapasi, (ii) Shii Hemant Ambalal Kapasi, 4, Navin Park, Neat Railway Crossing Ahmedabad-13. (Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double-storeyed building standing on land admeasuring 180 sq. yards beating S. Nos. 88, 89 and 100 of Village Vadej, T.P.S. No. 29, New Sub-Plot No. 3, signated at Shanker Society, Naranpura, Char Rasta Ahmedabad.

> J. KATHURIA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 27-1-1976

(1) Smt Shantaben Jethalal Swammarayan Mandir Towervalo Khancho, Maninagar, Ahmedabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th February 1976

No Acq 23-1-802(269)/1 1/75 76 -Whereas Ref J KATHURIA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No TPS No 3 Final Plot No 931 SP No 3 situated at Ellisbudge Ahmedabad

and more fully

described in the Schedule annexed hereto) has been transterred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18 6-75

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appa rent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the putposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following reisons, namely

(ii) Sint Kamlaben Natwailal, Village Zolapai Taluka Sanand Distt Ahmedabad

(2) (1) Smt Manguben Ratilal,

(Liansferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette

LXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the at said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

3/4th share of undivided immovable property of open land (3/4th of 604 sq yds) admeasuring 453 sq yds bearing TPS No 3 Final Plot No 931 Sub Plot No 3 situated at Lllisbridge Paldi Ahmedabad and as fully described in the sale deed No 8545 dt 18-6 1975

> J KATHURIA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 7-2 1976 Scal

 Shri Rasiklal Purshottamdas, Swaminarayan Mandir vale, Khancho, Maniungar, Ahmedabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGEJI, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th February 1976

Ref. No. Acq. 23-I-803(270)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T.P.S.No. 3, F.P.No. 931, SP.No 3 situated at Ellisbridge, Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) (i) Smt. Manguben Ratilal,
 (ii) Smt. Kamlaben Natwarjal, Village Zolapur,
 Taluka Sanand, Distt Ahmedabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of undivided immovable property of open and (1/4th of 604 sq. yds.) admeasuring 151 sq. yds. bearing T.P.S.No. 3, FP.No. 931, SP.No. 3, situated at Ellisbridge, Paldi, Ahmedabad as fully described in the sale deed No. 8546 dated 18-6-1975.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-trix,

Acquisition Range-II,

Ahmedabad.

Date: 7-2-1976

(1) Shri Ratna Saha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mst. Zarina Begum

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Janab Ash Mahammad (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Calcutta, the 4th Febtuary 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. TR-57/C-69/CAL-1/75-76.--Whereas, I, S. K. CHAKRAVARJY

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of

being the Competent Authority, under Sec-

publication of this notice in the Official Gazette.

tion 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'),

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning

as given in that Chapter.

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 28-6-75

No. 16 situated at Territa Bazar St., Cal.

has been transferred under the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

the transfer; and/or

(27 of 1957);

- THE SCHEDULE
- Undivided 1/6th share of partly constructed one storeyed brick-built house together with land containing an area of 6 Cottahs 3 Chittacks and 22 Sq. ft, being premises No. 16 Ferrita Bazar Street, Calcutta.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from

> S. K. CHAKRAVARTY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-J. 54, Rali Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 4-2-76

(1) Oriental Estate and Manufacturers P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Narendra Nath Saha,

(2) Birendra Nath Saha,

(3) Ratanlal Saha,

(4) Sailendranath Saha &

(5) Manicklal Saha.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 4th February 1976

Ref No. TR-43/C-32/CAL-1/75-76—Whereas, f, S. K CHAKRAVARJY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34/1, 34/1B & 35 situated at Acharya Prafulla Chandra Rd, & 46/, Surya Sen St. Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at 5, Gove Place North, Cal. on 11-6-75

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wea'th Tax Act. 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(1) Brick-built structures on 17 Cottah 11 Chirtack & 13 Sq. It being premises No. 34/1, 34/1B & 35 Acharya Prafull, Chandra Road (2) Brick built structure on 3 Cottahs 2 Ch. 37 Sq. ft. being premises No. 46/1, Surya Scn Street, Calcutta,

S. K. CHARRAVAR FY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-1
54 Raff Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 4-2-76

وربين أفروه وميرمورمواء ومرجومون ومراها فالفاقع المتقدة المتفاقة والمتفاقة والمتفاقة والمتفاقية والمتفاد المتفاد

1352

FORM ITNS -- -

(1) Kumari Krishna Chafterjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Kalyani Gose

(Iransterce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 4th February 1976

Ref No. TR-60/C-72/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY

being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 166 situated at Bauthak Khana Road, Calcutt (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at 5, Govt. Place North, Calcutta on 25-6-75 for an apparent consideration which

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 166, Baithak Khanna Road, Calcutta-9.

S. K. CHAKRAVARIY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Augustion Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 4-2-76 Seal :

(1) 1. Chandika Prasad Banerjee2. Gouri Prasad Banerjee3. Tara Prasad Banerjee

Sankari Prasad Bancrjee
 Bhagabati Prasad Bancrjee

6 Kripamayee Mukherjee 7. Gita Chatterjee 8. Rama Chatterjee, and

9. Annapurna Debi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd February 1976

Ref. No. TR-62/C-74/Cal-1/75-76,---Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6 situated at Totee Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at 5, Govt. Place North, Calcutta on 17-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

21-476GI/75

(2) 1. Ambika Prasad Bancrjee

Amal Kumar Banerjee
 Ashoke Kumar Banerjee

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Measuring 16 Cottahs more or less together with pucca two storeyed and one storey house at 6, Tottee Lane, Calcutta. The Vendors have undivided 1/6th of -/10/- as share.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date · 4-2-76

(1) Shrimati Santi Debi Gupta

(2) Shrimati Ganga Debi Kulthia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd February 1976

Ref No. AC-232/R-IV/Ca!/75-76.—Whereas, I, A. K BATABYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 38A situated at Chorebagan Lane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16th June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the porperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of trans-

for with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ cottahs of land & building thereon at 38A. Chorebagen Lane, Calcutta-7.

A. K. BATABYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 3-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, LAC, ACQUISITOIN RANGE-II 54, RAHI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 4th February 1976

Ref No AC 40 R II/Cal/75-76 --- Whtreas I. R LALMAWIA

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No 22/1A situated at Mohan Chand Road, P S Watgunj, Cal 23

(and mole fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officei at

at Sub Registrat on 27-6 75 Alipore Sadar, 24 Prgs

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons marnely .-

(1) Kamal Krishna Gosh represented by his constituted guardian Smt Debarati Ghosh, 22/1A, Mohan Chand Road, Kidderpore, Cal-23.

(Transferor)

(2) Bholanath Ghosh & Sm Shantilata Ghosh, 44/C, Cucular Garden Reach Road, PS Ekbalpore, Cal-23 (I ransferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (,) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette

LXI LANATION -The terms and expressions næd herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant tent free land measuring 5 cottahs, 11-chittacks mote or less together with delapidated building thereon being the cistein portion of 14, Hem Chandra Street now 22/1A, Mohan Chand Road P S Watgunj, Cal-23

R V LALMAWIA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date 4-2 1976 Seal

(1) Major Sachindra Narain Rai Deb Barma.

(Transferor)

(2) Shri Amitava Basu.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta the 4th February 1976

Ref. No. AC-233/R-IV/Ca¹/75-76 —Whereas, f. A. K. BATABYAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 267 situated at Lake Town, Dum Dum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 25-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-Tax Act, 1957) (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot of land measuring 5 kottahs 5 chittak, 13 sq. fc. at Mouja:—Patipukur. Plot No. 267, Block B, Lane Town, P.S:—Dum Dum Dist. 24. Parganas.

A. K. BATABYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date 4 2-1976

(1) Amita Ray

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohammed Salim

(3) Janab Ash Mahammed

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Calcutta, the 4th February 1976

RANGE-I, CALCUTTA

Ref No. TR-58/C-70/CAL-1/75-76.—Whereas. I. S. K. CHAKRAVARTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

No. 16 situated at Teritta Bazar St., Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at 5, Govt. Place North, Cal on 28-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly constructed one storeyed brick-built house together with land containing an area of 6 Cottahy 3 Chittacks and 22 Sq. ft. being premises No. 16 Territa Bazar Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date: 4-2-1976

(1) Kamala Ranı Şaha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Sultana Begum

(3) Janab Ash Mahammad

(Transferee)

(yCfp

[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta the 4th February 1976

Ref No FR-59/C-71/CAI-1/75-76 -- Whereas, I, S K CHAKRAVARTY.

being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 16 situated at Terita Bazar St., Cal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

5, Govt Place North, Cal on 28-6-75

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction of evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-

perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of partly constructed one storeyed brick built house together with land containing an area of 6 Cottah, 3 Chitacks and 22 Sq ft being premises No 16 territa Bazar Street, Calcutta

S K CHAKRAVAR'I Y,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date 4-2-1976 Seal

FORM JTNS-

(1) Shri Balbir Singh s/o Shri Kahla Singh, Village Ranbirpura, Tehsil Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF

INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156. SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1976

Ref. No. PTA/1181/75-76.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land, measuring 49 bighas 17 biswas situated at Village Ranbir Pura, Tehsil Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer,

at Patiala in September 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of

the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (2) Sarvshri
 - (i) Gurmit Singh,
 - (ii) Amarjit Singh,
 - (iii) Harmit Singh,
 - (iv) Harjit Singh, sons of Balbir Singh,

Residents of Village Ranbirpura, Tehsil Patiala.
(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 49 bighas and 17 biswas, situated at village Ranbirpura, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2873 of September, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 4th February 1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156. SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1976

Ref. No. PTA/317/75-76.—Whereas, I, V. P. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 78 kanals 17 marles alongwith tube-well, rooms and engine, situated at Village Bakhshiwala, Telisil Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transférred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Sarvshri

- (1) (1) Gurdip Singh
 - (ii) Mohinder Singh,
 - (iii) Joginder Singh, (iv) Swaran Singh,
 - (v) Parduman Singh, sons of Isher Singh, Residents of Village Bakhshiwala. Tehsil and Distt, Patiala.

(Transferor)

 (2) (i) Shri Mohinder Singh,
 (ii) Shri Joginder Singh,
 sons of Shri Mohan Singh, Residents of Village Bakhshiwala, Teh.; and Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 78 kanals and 17 marlas alongwith tube-well, rooms and engine, situated at village Bakhshiwala, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1259 of June, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

> V. P. MINOCHA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 4th February 1976.

(1) Smt, Kundan Kaur, wd/o Shri Sadhu Singh, R/o Village Kauli, Tehsil Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harpal Singh s/o Shri Partap Singh R/o Village Ihill, Tehsil Panala

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156 SECTOR 9-B

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Chandigarh, the 4th February 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. PTA/1150/75-76—Whereas f. V. P. Minocha Inspeatinf_k Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

half same meaning as given in that

Chapter,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Land, 44 bigha and 10 biswas situated at Village Kauli, Fehsil Patiala,

(and more fully described in the Schedu'e annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

Land measuring 44 brehn and 10 biswa situated at village Kauli, Fehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2423 of August, 1975 of the Registering Officer, Patiala)

Inspecting Assit Commissioner of Income-tax

V. P. MINOCHA

Competent Authority.

Acquisition Range Chandigarh

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following person namely:—

Date 4th February 1976 Seal.

22-476GI/75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156. SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1976

Ref. No. PTA/1151/75-76.—Whereas, I V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 44 bigha and 9 biswa, situated at village Kauli, Tehsil Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in August, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gurbachan Kaur, d/o Shri Bakhtaur Singh, R/o Village Kauli, Tehsil Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Hardial Singh s/o Shri Partap Singh, Village Jhill, Tehsil Patiala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 44 bigha and 9 biswa, situated at village Kauli, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2423 of August, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Chandigarh.

Date: 4th February 1976.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1976

Ref. No. PTA/614/75-76.-Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, measuring 103 kanal and 10 marlas, alongwith tube-well. 5 H. P. motor and connection, situated at village Bakhshiwala, Tehsil Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ Qr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Smt. Amar Kaur, wd/o Shri Hardial Singh, R/o Nabha Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) (i) Shri Bhupinder Singh, s/o Shri Gajjan Singh,

Smt. Nachhattar Kaur, w/o Shri Gurnam Singh.

S/o Shri Gajjan Singh, (iii) Shri Virinder Singh, s/o Shri Gurnam Singh, R/o Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 103 kanal and 10 marlas, alongwith tubewell 5 H. P. motor and Electric connection, situated at village Bakhshiwala, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1420 of June, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

V. P. MINOCHA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 4th February 1976.

(1) Smt. Amar Kaur, wd/o Shri Hardial Singh, R/o Nabha Gate, Patiata.

Rs/o Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Shri Bhupinder Singh, s/o Shri Gajjan Singh, (ii) Smt. Nachhattar Kaur, w/o Shri Gurnam Singh, (iii) Shri Virinder Singh, s/o Shri Gurnam Singh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigath, the 4th February 1976

Ref. No. PTA/1499 '75-76.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the imovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,000/- and bearing

No. Land, measuring 97 kanals, and 8 marias, situated at Village Bakhshiwala, Tehsil Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land, measuring 97 kanals and 8 marlas, situated at Village Bakhshiwala, Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1421 of June, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 4th February 1976.

Seal: -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 4th February 1976

Ref. No. CHD/226/75-76.—Wheteas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. SCF No. 8. Sector 19-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1975.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Saraswati Devi, w/o Shri Jugal Kishore C/o M/s Kanhiya Lal Jugal Kishore Cloth Merchants,
 Gandhi Chowk, Hissar through her general attorney Shri Jugal Kishore, s/o Shri Kanhiya Lal.
 (Transferor)
- (2) (i) Major Gurmit Inder Singh Grewal, 8/0 Shri Devinder Singh Grewal
 - (ii) Smt. Sukhleen Grewal, w/o Major Gurmitinder Singh Grewal Residents of Bassi Afgana (Bassi Pathanan), Tehsil Sirhind, District Patiala.
 (Transferee)
- (3) (1) Shri Kushan Singh, s/o Shri Balwant Singh, 683. Sector 20-A, Chandigarh.
 - (ii) Shri Surinder Kumar
- (nii) Shri Phillips, C/o SCF No. 8, Sector 19-D, Chandigarh. (Person in occupation of the property).
- (4).

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Shop cum-flat No. 8, Sector 19-D. Chandigarh.

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigath

Date: 4th February 1976. Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SION OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

Notice No. 99/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYA-NARAYANA RAO Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisiton Range Dharwar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6 called Maria Pereira situated at Gaspar Dias within the Panjim Municipality Limits (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Panjim under Document No. 383 on 2nd June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully state

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Confrarias Reunidas da Igreja De. Panjim Represented by its President, Attorney and Treasurer, All residing at Panjim.

(Transferor)

(2) (1) Mr. Fida Hussain, (2) Mrs. Fatima Merchant,
 (3) Mr. Feroze Hussain Merchant.
 All Residents at flat No. 12 Building 2, 5 Star Apartments, Bund Garden Road, Poona-1.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land known as Plot No. G-6 of the property called "Maria Pereira" situated at Gaspar Dias within the Municipality of Panjim, Admeasuring 500 square metres and is bounded:

East—Plot No. G-5. West—Plot No. G-7

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Dharwar.

Date: 31-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

Notice No. 100/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANA-RAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property havng a far market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Plot No. G-3 called Mara Fereira situated at Gaspar Dias within the Municipality Limits of Panjim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panaji under Document No. 438 on 13-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Confrarias Reunidas Da Igreja De Panjim, Represented by its President, Attorney and Treasurer, All residents from Panjim.

(Transferor)

(2) (1) Franco Agostinho Menezes, residing at St. Estevam, Goa,
 (2) Mrs. Sabina Rima Rodrigues, residing at St. Estevam, Goa.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. G-3 of the property called "Maria Pereira" slutated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim, measuring 500 square metres and is bounded by:

North—Internal Road, South—Open space, East—Plot No. G-2 West—Plot No. G-4.

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Dharwar

Date: 31-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dhaiwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 101/75.76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYA NARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissione of Income-tax, Acquasition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. C-8 called MARIA FEREIRA

situated at Gaspar Dias within the Panjim Municipality Limit, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panjim, under Document No. 439 on 13-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely.—

- (1) Confrarias Reunidas Da Igreja De, Panjim Represented by its President, Attorney and the residing at Colva (Goa)

 (Transferor)
- (2) Mrs Filomena Fernandes D/o Jone Xavier Almeida W/o Shri B S Fernandes oesiding at Colva (Goa) cutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TYPLYNATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. C-8 of the property called "MARIA PEREIRA" situated at Gaspur Dias, within the Municipality of Panjim, measuring 500 Square Metres and bounded by:

North: Plot No. C-7 South: Plot No. C-9 East: Internal Road West Open Space

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Dharwat

Date 31-1-1976 Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 102/75 76/ACO.—Whereas, I. NARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. D-6 called "MARIA PEREIRA" situated at Gaspai Dias within the Panjim Municipality Limits (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panjim under Document No. 545 on 22-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of he 'Said Act', to the following persons, namely .-23-476G1/75

- (1) Confrarias Reunidas Da Igreja De Panjim Represented by its President, Attorney and Freasurer, all residing at Panjim (Goa), (Transferors)
- (2) Mis. Maria Fafalda D'Souza, residing at Baga, Velim, Salcete (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. D-6 of the property called "MARIA PEREIRA" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim, measuring 480 Square Metres and bounded by:

North: Plot No. D-7 South: Plot No. D-5

East: Remaining portion of property "Maria Pereira" West: Internal Road.

P. SATYANARYANA RAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax. Acquisition Range, Dharwar.

Date: 31-1-1976

FORM ITNS-----

(1) Confrarias Reunidas Da Igreja De Panjim Represented by its President, Attorney and Treasurer, all residing at Panjim (Goa). (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwai, the 31st January 1976

NOTICE No. 103/75.76/ACQ.—Whereas, I. P. SATYA-NARAYANA RAO, Inspecting Assis'ant Commissione of Income-tax, Acquasition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. C 5 called MARIA FEREIRA

situated at Gaspar Dias within the Panjim Municipality Limits (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offices at

Paniim under Document No. 465 on 18-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indain Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- Mrs. Josephine Souza-Roy, D/o Jonathas Vaz, Teacher.
 Mr. Anthonoy John Souza Lawyer S/o Constantiono De Souza, Lawyer.
 - Kum. Ashwin Peter Souza-Roy, all are residents of Panjim at Present, Bombay

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

All that piece of land known as plot No. C-5 of the property called "MARIA PFRIIRA" situated at Gaspar Dias within the Municipality of Panjim, measuring 578 Square Metres.

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date: 31-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 \(\lambda \) AC 1, 1901 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONLR OF INCOME-LAX, ACQUISITION RANGE,

DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 104/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. SATYA-NARAYANA RAO Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C-14 called "MARIA PEREIRA" situated at Gaspar Dias within the Panjim Municipality Limits (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panjim under Document No. 466 on 19-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(1) Confrarias Reunidas Da Igreja De Panjim Represented by its President, Attorney and Treasurer, all residing at Panjim (Goa).

(Transferors)

(2) Shri Domingo Manuel Rodrigues also known as Domnic Rodrigues, S/o Hilario Rodrigues, Commercial Employee, residing at Santana Ilhas, Goa, (At present in Arabian Gulf).

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. C-14 of the property called "MARIA PEREIRA" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim, measuring 500 Square Metres and is bounded by:

North: Open Space South: Internal Road Fast: Open Space West: Plot No. C-15.

P. SATYANARAYANA RAO,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date: 31-1-1976

F3**=** - -2-2-2-

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 105/75.76/ACQ —Whereas, I, P. SATYA-NARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. C-15 called 'MARIA PEREIRA"

situated at Gaspar Dias within the Municipality of Panjim (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panjim under Document No. 478 on 21-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the education or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the perposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Conferences Reunidas Da Igreja De, Panjim Represented by its President, Attorney an Treasurer, all residing at Panjim (Goa). (Transferor)
- (2) Mr. Shaik Hussein, S/o Shaik Issac, Businessman. Panjim,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No C-15 of the property called "MARIA PFREIRA" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim, measuring Panjim, 500 Square Metres and bounded by:

North: Open Space & Place No. C-17 South: Internal Road East: Plot No. C-14 West: Plot No. C-16.

P. SATYANARAYANA RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar.

Date: 31-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, **DHARWAR**

Dharwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 106/75-76/ACQ.-Whereas, I, P. SATYA-NARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. A-7 called "MARIA PEREIRA"

situated at Gaspar Dias within the Municipal Limits of Panjim (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Panjim under Document No. 498 on 26-6-1975

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Confrarias Reunidas Da Igreja De, Panjim Represented by its President, Attorney and Treasurer, all residing at Panjim (Goa).

(Transferor)

(2) Mr. Mario Roberto Mesquita, s/o Jose Roberto Evaristo F. No. Do Espirito S. Mesquita, working in all India Radio Office, Panjim,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. A-7 of the property called "MARIA PERITRA" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim, measuring within the Municipality 550 Square Metres and bounded by:

North: Property of Cotta Xeta of Dr. Aleixo X. Martins.

South: Internal Road.

Fast: Plot No. A-6. West: Property Cotta Xeta of Dr. Aleixo X. Martins,

> Ρ. SATYANARAYANA RAO Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar.

Date: 31-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 26911 OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 107/75,76/ACQ.—Whereas, I. P. SATYA-NARAYANA RAO, I specting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. F-4 called 'MARIA PEREIRA"

situated at Gaspar Dias within the Municipal Limits of Panjim (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Panjim under Document No. 499 on 28-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

- (1) Conferarias Reunida, Da Igreja De, Panjim Represented by its President, Attorney and Treasurer, all residing at Panjim (Goa). (Transferor)
- (2) M1. Fidelis Calisto Perenta, S/o Diogo Francisco Perenta, Merchant Navy Officer, residing at St. Estevam (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. F-4 of the property known as "MARIA PEREIRA" situated at Gaspar Dias, within the Municipality of Panjim measuring 500 Square Metres and bounded by:

North: By Plot F-3 South: By Plot F-5 East: Internal Road

West: Bund of the Samr part of the property MARIA
Fereira and paddy field of Dr. Aleixo Xavier
Montine

Martins.

P. SATYÁNARAYANA RAO

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Dharwar.

Date: 31-1-1976

Scal :

FORM ITNS-------

(1) Mrs. Nína Rebelo Pinto, (2) Mrs. Xacuntala Pinto markhita mrl (3) Mr. Fernando Pinto, All residing at Campal, Panjim (Goa).

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs Belmina Rita Sousa Gomes, residing at "Sea Breeze" building Minamar, Panjim (Goa).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 31st January 1976

NOTICE No. 108/75-76/ACQ—Whereas, I, P. SATYA-NARAYANA RAO Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter tere red to as the 'said Act') have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No -- property situated at Santa Inez within the Municipal Limits of Paniim

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panjim under Document Number 497 on 28th June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income alising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in willing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) he any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property described in document No. 497, Registered in the Registration Office, Panjim on 28th June 1975.

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely.—

Date: 31-1-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd January 1976

C.R No. 62/4408/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Vacant House Site No. 143 situated at Vth Block, Jayanagar, Extension, Bangalore (7th Main Road)

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Λ ct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jayanagar, Bangalore Doc. No. 886/75-76 on 5-6-75

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri B. Visveswariah, Head Master, Govt, High School, Gudibande, Kolar District, (2) Smt. Lalithamma, W/o late Shri B. Ramakrishnaiah. (3) B. R. Satyanarayana, (4) B. R. Krishnamurthy. (5) B. R. Prasad (Minor) Represented by Guardian his mother Smt. Lalithamma, All residing at No. B-80, Sameerapuram, Kempegowda Nagar, Bangalore-18.

(Transferor)

- (2) (1) Shri B. S. Madhava, (2) Smt. Kamala Madhava W/o Shri Madhava. (3) Kumari Subha Madhava, D/o Shri B. S. Madhava all Residing at No. 78, Ranoji Rao Road, Basavanagudi, Bangalore-4. (Transferee)
- (3) Nil—(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Shri B. R. Bhagawan, S/o Late Shii B. Ramakrishnaiah, R/o E 262, Amar Colony, New Delhi. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 886/75-76 dated 5-6-75]

Vacant House site No. 143, Vth Block Jayanagar Extension, Bangalore (7th Main Road).

Site Area

East to West 90' } 4050 Sq. ft.

Boundaries .

East Road West Site No. 88 North Site No. 144 and South Site No. 142

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore

Date: 22-1-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS. SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE **BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 20th January 1976

62/4414/75-76/ACQ/B.—Whereas I, R. C.R. No. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ':said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site bearing No. 145, Formed in Survey No. 87/1 situated at Audugodi, Bangalore (Division No. 62)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Jayanagar, Bangalore Document No. 1013/75-76 on 13-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparrent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

24-476G1/75

(1) Shrimati Muniamma, W/o Chickka Ramiah, Suddaguntapalya, Tavarckere, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamala Devi, W/o Sri Sampath Raj, No. 17, Berlie Street, Longford Road, Bangalore. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1013/75-76 dated 13-6-1975] Site bearing No. 145, Formed in Survey No. 87/1 situated in Audugodi, Bangalore (Division No. 62)

Site area

Boundaries: East: Road

West, Mico Factory land. North: Rama Reddy's site and South: Yellamma's House.

> R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-1-1976

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE **BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 22nd January 1976

62/4484/75-76/ACO/B—Whereas I. R. C.R. No. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing the property being a corner vacant site bearing No. 22/9 situated at Grant Road, Civil Station, Bangalore (formerly a portion of 'OORGAUM HOUSE' old No. 31, Grant Road,

Bangalore) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer Shivaji Nagar, Bangalore, Document No. 1115/75-76 on at Shivaj 27-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

 (1) (1) Mr. Anthony Alexis D'Souza, S/o Mr. P. G. D'Souza (2) Mrs. Dorothy Sabina D'Souza, W/o Mr. A. A. D'Souza both residing at No. 22, Grant Road, Bangalore,

(Transferor)

(2) (1) Miss Jayasheela Pillai, (2) Miss Jayamala Pillai (Minors) Represented by their father and guardian Sri K. P. Pillai, Serpentine Street, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1115/75-76 dated 27-6-75] The property being a corner vacant site bearing No. 22/9, Grant Road, Civil Station, Bangalore (formerly a portion of Oorgaum House', Old No. 31, Grant Road, Bangalore). Slte area

East to West: 77'
North to South: 98'

7,546 Sq. ft.

Boundaries'.

North: Neighbouring plot South: Site No. 22/8
East: Road and
West: Neighbouring plot.

R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-1-1976

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd January 1976

C.R. No. 62/4498/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tex, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Vacant Site Nos. 11/1 and 11/1-2 situated at Wilson Garden, Bangalore-27 (formerly known as Arekempanahalli) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jayanagar, Bangalore. Document No. 933/75-76 on 10-6-1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition at the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following perons namely:—

(1) (1) Sri A. Ramakrishna, S/o K. Appa Reddy (2) Sri Appa Reddy alias Babu alias Anil Kumar (3) Sri Anand (4) Sri Arun Minors, Represented by their father and natural guardian Shri A. Ramkrishna All are residing at Harapanahalli Grama Jughi Hobli, Anekal Taluk, Bangalore Dist, and also residing at No. 119 to 124 East End Road, Visweswarapuram, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shrimati D. Manoranjithamma, W/o Shri D. Venugopal, No. 43, 10th Cross, Park Area, Wilson Garden, Bangalore or No. 62, Vth Main, Wilson Garden, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 933/75-76 dated 10-6-75] Vacant site Nos. 11/1 and 11/1-2 situated in Wilson Garden, Bangalore (formerly known as Arekempanahalli) Site Area:

East to West 70' \\
\ \rangle \quad \quad

Boundaries:

East: Government land West: Ramaiah's land

North, Narasimhaiah's land and

South: Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore

Date: 22-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd January 1976

C.R. No. 62/4541/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have renson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant Site bearing Municipal No. 49/3 situated at Charles Campbell Road, Cox Town, Civil Station, Bangalore (Division No. 49)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar Bangalore, Document No. 1172/75-76 on 19-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri A. S. Venugopal, S/o Late A. S. Srinivasa Iyer, No. 28, Sindhi Colony, Bangalore.

(Transferor)

(2) (1) Sri A. S. Srinivasan S/o A. K. Sivarama Iyer (2) Smt. Radha Srinivasan W/o Sri A. S. Srinivasan both residing at: No. 6, Da Costa Layout, Cooke Town, Bangalore-5.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1172/75-76 dated 19-675] Vacant site bearing Municipal No. 49/3, situated in Charles Campbell Road, Cox Town, Civil Station, Bangalore (Division No. 49)
Site Area

East to West $50^{\circ}6^{\circ\prime\prime}$ North to South $40^{\circ\prime}$ $\right\}$ 2020 Sq. ft.

Boundaries:

East: House No. 49/4 West: House No. 49/2

North: Southern Railway Truck and

South: 25 feet wide Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore

Date: 22-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd January 1976

C. R. No. 62/4627/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

The property being a corner vacant site bearing No. 13-A, Forming a portion of premises No. 1/21, situated at Rajamahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore-560006

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1250/75-76 on 16-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vishvarama Hotels Ltd. No. 1/21, Bellary Road, Bangalore-560006,

Registered Office

No. 1, Hanuman Road, Marshall House, New Delhi-1, (Transferor(s)

- (2) Shri M. S. Ramachandra, S/o Late Sri A. Srirangaiah Setty, No. 1137, Eastern Extension, Mandya. (Transferee(s)
- (3) Nil [Person(s) in occupation of the property]
- (4) M/s Redors, No. 42, Kasturba Road Cross, Bangalore-560001. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1250/75-76 dated 16-6-75] The property being a corner vacant site bearing No. 13-A, Forming a portion of premises No. 1/21, Rajamahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore-560006. Site Area

East to West: 45' } 2700 Sq, Ft. North to South: 60' }

Boundaries

East Plot No. 14

West Road

North Plot No. 13-B and

South Road.

R KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore

Date: 22-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20nd January 1976

C.R. No. 62/4628/75-76/ACQ/B.—Whereas. I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

The property being a vacant site bearing No. 13-B, forming a portion of premises No. 1/21, situated at Rajamahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore-560006

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1252/75-76 on 16-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transference for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vishvarama Hotels Ltd., No. 1/21, Bellary Road, Bangalore-560006.

Registered Office

No. 7, Hanuman Road, Marshall House, New Delhi-1.

(Transferor)

 Shrimati P. Sathyakumari, W/o Sri A. V. Paramashivan, No. 573, Palace Upper Orchards, Bangalore-560006.

(Transferee)

- (3) Nil [Person(s) in occupation of the property]
- (4) M/s Redors, No. 42, Kasturba Road Cross, Bangalore-560001.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1252/75-76 dated 16-6-75]
The property being a vacant site bearing No. 13-B Forming a portion of premises No. 1/21, Rajamahal Vilas Extension, Bellary Road, Bangalore-560006.

Site Area

East to West 45'

North to South 60'

Boundaries:

East: Plot No. 14 West: Road North: Plot No. 12 and South: Plot No. 13-A

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range
Bangalore.

Date: 20-1-1976

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20nd January 1976

No.

62/4630/75-76/ACQ/B.-Whereas, KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and hearing Property being old Municipal Nos. 27 and 39 Present Nos. 58 and 61 situated at Chowdeswari Temple Street, Bangalore-2 (Division No. 41) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in th office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1267/75-76 on 17-6-1975

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :---

(1) Shri Sri K. Narayanaso, S/o K. Chickakrishnasa, Prop. Kabadi Textiles, No. 58, Chowdeswari Temple Street, Bangalore-2.

(Transferor)

- (2) Shrimati Rukmini Bai, D/o No. 10, Darjipet, Bangalore-53. D/o Sri Habeeb Harisa,
 - (Transferee (s)
- (3) M/s Kahadi Textiles, (2) Sri M. P. Shah, (3) Belgaum Bank (Ist Floor), (4) Belgaum Bank (Ind Floor), (5) Prakash Textiles, (6) Sri Subbaiah Sastry (IIIrd Floor), (7) Sri Shamsunder (IIIrd IV Floor), (Person(*) whom the undersigned knows Floor). (Person(4) whom the to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1267/75-76 dated 17-6-1975] The property bearing old Municipal Nos. 27 and 39 and present Nos. 58 and 61, si uated at Chowdeswari Temple Street, Bangalore-2 (Division No. 41).

Site area

East to West . 33'9" North to South: 29'6" As per sale deed.

Plinth area

Ground Floor: 550 Sq. Ft. Ist Floor: 550 Sq. Ft.

Ind & III Floor: 550 Sq. Ft.

IVth Floor: 450 Sq. Ft.

Approximately As per the proforma reply filed by the transferec.

Boundaries

East: Chowdeswari Temple Street,

West: Conservancy Road and Private Property.

North: Chowdeswari Temple Street and South: Shops belonging to Shri See belonging to Shri Seetharama Setty of Nelamangala.

> R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-1-1976

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th January 1976

C. R. No. 62/4639/75-76/ACQ./B.—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property bearing Municipal No. 1075/36, 12th A Cross, Kodandaramapuram, situated at Vyalikaval Extension, Bangalore-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1561/75-76 on

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A. Chinnaswamy Raju, S/o Sri Akkal Raju, No. 294, Upper Palace Orchards, Bangalore-560006. (Transferor) (2) Shrimati Sharadamma, W/O Sri K. Narayana Shetty, No. 1572, 2nd Cross, Nagappa Block, Srirampuram, Bangalore.

(Transferee

*(3) 1. Thodani Rao 2. Thomas 3. Banu Nair 4. P. L. Dass 5. Veer Raju 6. Shantakumar 7. N. R. Maney 8. Kasinatha Shastry and 9. M. A. Subbaraya. (Person(s) in occupation if the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1361/75-76 dated 24-6-1975] Property bearing Municipal No. 1075/36, i2th A Cross Kodandarampuram, Vyalikaval Extension, Bangalore-3, Site area

East to West, 30'

North to South: 65'

As per Sale Deed.

Plinth

Ground Floor: 1120 Sq. Ft.

Ist Floor: 1120 Sq. Ft.
Ind Floor: 1120 Sq. Ft.
Total.

3360 Sq. Ft.

As per the proforma reply filed by the transferee.

Boundaries

East: Property belonging to Smt. Aladal Madamma

West: House constructed on sile No. 13

North: Road and

South: Property belonging to Shri Venkataramaiah,

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore

Date: 20-1-1976

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq. II/365/1041/75-76.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 89 (122-39, Plot No. 34) situated at Shanker Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---25-476GI/75

- (1) Shri Massa Singh s/o Shri Bhagat Singh, r/o G-16, Radheypuri, Gondli Nagar, Delhi.
 (Transferor)
- (2) S/Shri 1, Satya Pal Malhotra
 2. Nand Kishore Malhotra
 3. Ashok Kumar Malhotra
 4. Vinod Kumar Malhotra

 - 5. Rajinder Kumar Malhotra
 - 6. Satish Kumar Malhotra, all sons of Sh. Lal Chand Malhotra, residents of 1255, Subhash Road, Gondli Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storyed house constructed on a plot of land measuring 120 sq. yds situated at House No. 89 (122-39 plo; No. 34) Shanker Nagar, Near Azad Nagar, Shahdara. Delhi.

> S. N. L. AGARWALA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11,

> 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2195A/1042/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-3/8 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Pritam Singh Lamba s/o
 Sunder Singh,
 r/o F-9/5, Model Town, Delhi-9 self and General power of attorney of Smt. Sneh Lata w/o
 Rajinder Singh.

 (Transferor)
- (2) Naresh Kumar Jain s/o Shri Parkash Chand Jain, now r/o B-3/8, Model Town, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 storeyed house constructed over a land measuring 82.2 sq. yds. situated at plot No. 8, Block B-3. (B-3/8), Model Town. Delhi.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-2-1976

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DFLHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.11/2117/1043/75-76.—Whereas, 1 S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

1/4th share of 6/18 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kundan Lal Sehgal s/o Late Rai Bahadur L. Chaman Lal Sehgal 1/o 6/18, East Patel Nagur, New Delhi.

(Transferoi)

(2) Shii Jagdishwat Lal Schgal s/o Shri Kundan Lal Schgal r/o 6/18, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of a single storcycd house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds bearing plot No. 18 Block 6 Fast Patel Nagar, New Delhi and bonded as under:---

North: Road South: Service lane East: House No. 6-E/19 West: House No. 6-E/17.

5. N. L. AGARWAI A
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Dc!hi

Date : 4-2-1976 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2104/1044/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1288 (Pvt. No. 1288-B)

situated at Bara Bazar, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975 Delhi in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Pratap Singh s/o L. Raghubir Singh Jain,
 - Sh. Ashok Pratap Singh s/o Sh. Pratap Singh, r/o 3 Maharani Bagh, N. Delhi through their attorney Major General Virendra Singh (Retd.)
 - Major General Virendra Singh (Retd.) s/o L. Raghubir Singh Jain, r/o R.B. Building, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferor)

- Sh. Chander Prakash s/o Shri Tika Ram, r/o 1138, Prem Gali, Kashmere Gate, Delhi,
 - Sh. Kishan Kumar s/o Shri Mewa Ram, r/o 820, Chota Bazar, Kashmmere Gate, Delhi.
 - Shri Mahesh Chander s/o Shri Bishamber Daya, r/o 1416 Chabi Ganj, Kashmere Gate, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1541 sq. yds, bearing No. 1288 and private No. 1288B, Kashmere Gate Delhi,

S. N. L. AGARWALA Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax.

Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Λcq. II/2081/1045/75-76—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₅, 25,000/- and bearing No.

B 23, situated at Tagore Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Shri Dhalam Paul Chowdhry 5/0 Ch. Ghanshyam Dass,

Ch, Ghanshyam Dass,

2 Sh. Hakim Rai s/o Sh. Hem Raj,
1/o 9/16-A. Vijay Nagar,
Delhi,

(Transferor)

 Smt. Kaushalya Devi w/o Sh. Pat Ram Garg.
 Smt. Usha Gupta w/o Shri Roop Chand, both 1/o 2/29, Roop Nagar, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ihe terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 238 sq. yds. situated at No. B-23 Adarsh Nagar, Tagore Road, Delhi and bounded as under:—

East: Plot No. 25 West: Plot No. 21 North: Passage 15 ft. South: Tagore Road.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-2-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. 1AC/Acq.II/2127/1046/75-76.—Whereas I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/5th share in F. F. of XII/8380/7

situated at Roshan Ara Road, Delhi-7

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajinder Singh r/o Shri Jagle Singh, r/o 9 N.W.A. Punjabi Bagh, New Delhi, (Transferor)
- (2) M/s Bhatla & Co. Ltd. B-2/8, Model Town Delhi through its Director Shri Ram Chand Bhatla (Fransferce)
- (3) M/s Blue Line Finance (P) Ltd., 8380/7, Roshan Ara Road, Delhi-7. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

ENPINATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of portion in first floor of property No. 8380/7 Ward No. XII, situated in Roshan Ara Road, Delhi-7.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 4-2-1976 Seal.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14. ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DFLHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2128/1047/75-76 —Whereas, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing 1/5th in F. F. of XII/8380/7 situated at Roshan Ara Road, Delhi-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instru-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

ment of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

- (1) Shri Raghbir Singh s/o Shri Wazir Singh, r/o 9 N.W.A. Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Bhatla & Co. Ltd B-2/8, Model Town, Delhi through its Director Shri Ram Chand Bhatla. (Transferee)
- (3) M/s Blue Line Finance (P) Ltd. 8380/7, Roshan Ara Road, Delhi-7. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of portion in first floor of property No. 8380/7 Ward No. XII. situated in Roshan Ara Road. Delhi-7

S. N. L. AGARWALA Competent Authority

Inspecting Assistant Commisoisner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

4 A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NFW DELHI

New Delhi the 4th February 1976

Ret No IAC/Acq II/2129/1048/75-76 —Whereas 15 N L AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing No

1/5 share in F 1 of XII/8380/7
situated at Roshan Ara Road, Delhi-7
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred as per deed registered
under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at

Delhi in June 1976

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fif teen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 's aid Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons maintely —

(1) Shri Mohinder Singh s/o Shri Jagir Singh, 1/0 9 N W A Bagh New Delhi

(Transferor)

(2) M/s Bhatia & Co Lid B 2/8, Model Town, Delhi through its director Shi R im Chand Bathla

(Transferee)

(3) M s Blue Line Finance (P) Ltd 8280 7 Roshanan Road Delhi-7 [Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice 11 the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of pointon in first floor of property No 8380/7 Ward No XII situated in Roshan Ara Road, Delhi 7

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date 4-2-1976

Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4 A/14. ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2130/1049/75-76.—Whereas, I, S. N. I. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/5 share in F.F. of XII/8380/7 situated at Roshan Ara Road, Delhi-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in th said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—476GI, 75

- Shri Jaswant Singh r/o Shri Wazir Singh, r/o 9 N.W.A. Punjabi Bagh, New Delhi.
- (2) M/s Bhatla & Co. Ltd. B-2/8, Model Town, Delhi through its director Shri Ram Chand Bathla.
- (3) M/s. Blue Line Finance (P) Ltd. 8380/7, Roshanara Road, Delhi-7.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of portion in first floor of property No. 8380/7 Ward No. XII situated in Roshan Ara Road, Delhi-7.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2131/1050/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/5 share in F.F. of XII/8380/7 situated at Roshan Ara Road, Delhi-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sampuran Singh S/o Shri Wazir Singh, 1/o 9 N. W. A. Punjabi Bagh, New Delhi, (Transferor)
- (2) M/5 Bhatla & Co. Ltd. B-2/8, Model Town, Delhi through its director Shri Rum Chand Bathla.

(Transferce)

(3) M/s. Blue Line Finance (P) Ltd. 8380/7, Roshanara Road, Delhi-7.
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of portion in first uoor of property No. 8380/7 Ward No. XII situated in Roshan Ara Road, Delhi-7.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

(1) Shri Ishwar Dass s/o Sh. Harnam Dass, r/o C-14, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Awtar Singh Chadha s/o Shri Abnashi Singh Chahda :/o B-4, Model Town, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX, ACOUISITION RANGE-II.

ACQUISITION RANGE-II, 4 A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.Il/2177/1057/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of Plot No. 47 Road No. 77 situated at Punjabi Bagh. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in plot of land No. 47 on Road No. 77 measuring 550 sq. yds (total measuring 2200 sq. yds) situated in the colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

(1) Shri Ishwar Dass s/o Sh. Harnam Dass, C-14, Model Town, Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2178/75-76/1058.—Whereas, I.S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1/4th share of Plot No. 47 Road No. 77 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely .—

(2) Shri Awtar Singh Chahdha s/o Shri Abnashi Singh Chahdha, r/o B-4, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in plot of land No. 47 on Road No. 77 measuring 550 sq. yds (total measuring 2200 sq. yds) situated in the colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

(1) Shei Jahwar Dass s/o Sh. Harnam Dass. 1/0 C-14, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mittar Pal Singh Chahda s/o Shri Abnashi Singh Chahda, r/o B-4, Model Town, Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2185/1059/75-76.--Whereas, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 1/4th share of Plot No. 47, Road No. 77 situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are definned in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in plot of land No. 47 on Road No. 77 measuring 550 sq. yds (total measuring 2200 sq. yds.) situated in the colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

> S. N. L. AGARWALA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

Seal •

FORM ITNS----

(1) Shri Ishwar Dass 5/0 Sh. Harnam Dass, C-14, Model Town, Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2186/1062/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share of Plot No. 47 Road No. 77 situated at Punjabi Bugh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Mittar Pal Singh s/o Shri Abnashi Singh Chahda. r/o B-4, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in plot of land No. 47 on Road No. 77 measuring 550 sq. yds (total measuring 2200 sq. yds.) situated in the colony known as Punjabi Bagh. New Delhi.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

(1) Smt, Vidya Vati Bali w/o Shri Sohan Lal Bali, 1/0 20-B/1 Desh Bandu Gupta Road, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Malik Singh s/o S. Ganda Singh, r/o G-29, Vijay Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2135/1052/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 10 Road No. 52 (52/10-B) situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explical later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 210.94 sq. yds bearing portion of plot No. 10 Road No. 52 marked 52/10-B situated in Residential colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2136/1053/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under section

- 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 10 Road No. 52 (52/10-A) situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975,
- for an apparent consideration which is less than
 the fair market value of the aforesaid property and I
 have reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer
 as agreed to between the parties has not been truly stated
 in the said instrument of transfer with the object of—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the followine persons, namely —

(1) Shii Sohan Lal Bali s/o Shii Ganga Ram Bali, r/o 20-B/1, Desh Bandhu Gupta Road, New Delbi

(Transferor)

(2) Shri Malik Singh
 s/o Shri Ganda Singh
 r/o G-29, Vijay Nagar
 Delhi-9

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any, [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.

 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 210.94 sq. yds. bearing portion of plot No. 10 Road No. 52 marked 52/10-A, situated in residential colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi the 4th February 1976

Rel No. IAC/Acq.II/2137/1054/75-76.—Whereas, I, S. N. I. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 10 Road No. 52 (52/10-E)

situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi in June 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27-476GI/75

 Dr. Rajinder Kumar Bali s/o Dr. Sohan Lal Bali, r/o 20-B/I, Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Malık Singh s/o Shri Ganda Singh, 1/o G-29, Vijay Nagar, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 210.94 sq. yds bearing plot No. 18 on Road No. 52 marked 52/10-E, in the residential colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2138/1055/75-76,—Whereas, IS. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 10 Road No. 52 (52/10-D) situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Rajinder Kumar Bali s/o Dr. Sohan Lal Bali, r/o 20-B/1, Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Malik Singh 5/0 S. Ganda Singh, r/o G-29, Vijay Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXI of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 210.94 sq. yds. bearing portion of plot No. 10, Road No. 52 marked 52/10-D situated in residential colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II,

4-A/14, ASAF ALL ROAD, 3RD FLOOR,

NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref No IΛC/Acq II/2139/1056/75-76—Where is, I, S N L AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Λ ct)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Plot No 10 Road No 52 (52/10-C)

Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in June 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the sud Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Shii Niranjan Dev Bali, s/o Dr Sohan Lal Bali, i/o 20-B/1, Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Malik Singh s/o S Ganda Singh, r/o G-29, Vijay Nagar, Delhi

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichevel period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 210 94 sq yds bealing portion of plot No 10 Road No 52 marked 52/10-C situated in residential colony known as Punjabi Bagh, New Delhi

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 4-2-1976

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2108/1051/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19-B Kothi No. 23 Ward No. 11

Darya Ganj, Ansari Road, Delhi

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in June 1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ram Lubhaya s/o Shri Salig Ram, r/o 1871, Gali Khiali Ram, Mohalla Iuli, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Arjun Lal and Shri Gulab Rai sons of Shri Nihal Chand, r/o 3354, Jatwara Street, Subhash Marg, Darya Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of plot of land No. 19-B, situated in Kothi No. 23 Ward 11. Ansari Road, Darya Ganj, Delhi measuring 100 sq. yds. out of total plot admeasuring 221.2 sq. yds. and bounded as under:—

East: Road 20 ft, wide. West: Others property.

North: 2' wide land and then others property.

South: Others property.

S. N. L. AGARWALA Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, ASAF AII ROAD, 3RD FLOOR, NEW DFLHI

New Delhi the 4th February 1976

Ref No IAC/Acq II/2173/1060/75-76—Whereas I, S N L AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

1/2 share of 12 UA

situated at Jawahai Nagai, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) 1 Shri Subhash Chandin Gupta s/o late L Bal Kshan Dass Potwale
 - 2 Smt Savitri Devi w/o 1 Bal Kishan Dass, i/o D 5 Kalindi Colony Ring Road, New Delhi-110014

(Transferoi)

- (2) 1 Shii Shiam Minohai Agarwal 8/0 Sh Jagat Narain Agarwal,
 - 2 Mrs Rama Agarwal w/o Sh Shiam Manohai Agarwal, and
 - 3 Sh Mani Kant Agaiwal, s/o Sh Shiam Manohar Agarwal r/o 12 U/Λ Jawahai Nagai Delhi 7

(Transferee)

(3) List of tenants in property No 12 UA, Jawahar Nagar, Delhi Fiat No

1	Dr M C Mukherjee Ground floor	3
2	Sh D D Bhardwaj, Ground floor	4
3	Sh Harbans Lal Vij Γ floor	5
4	Smt Mela Devi, First floor	6
5	Sh A L Wahi Dewan first floor	7
6	Miss Krishna Kupooi first floor	8
7	Sh S K Bhatia 2nd floor	9
8	Sh S R Babbar, 2nd floor	10
9	Smt Sarita Agaiwal 2nd floor	11
10	Smt Bhagwati Kapila, 2nd floor	12
11	Legal heirs of Shii S. P. Patni	
	ground floor	1 & 2

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/2 share of a 3 storeyed constructed house on a freehold plot of land measuring 3611 sq yds bearing plot No 12 in Block UA Jawahar Nagar, Delhi

5 N. L AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 4-2-1976 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq. II/2230/1061/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing 1/2 share of 12-UA

situated at Jawahar Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1975.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Subhash Chandra s/o Late L. Bal Kishan, Dass Potewaln, r/o D-5, Kalindi Colony, Ring Road, Nagar, Delhi.

(Transferor)

Shri Ashok Agarwal s/o Mr. S. M. Agarwal.
 Sh. Subhash Agarwal s/o Shri S. M. Agarwal, r/o 12-U/Λ, Jawahar Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

(3) List of tenants in property No. 12 UA. Jawahar Nagar, Delhi.

	Flat No.
1. Dr. M. C. Mukherjee, Ground floor	3
2. Sh. D. D. Bhardwaj, Ground floor	4
3. Sh. Harbans Lal Vij first floor	5
4. Smt. Mela Devi, First floor	6
5. Sh. A. L. Wahi Dewan, First floor	7
6. Miss Krishna Kapoor, First floor	8
7. Sh. S. K. Bhatia, 2nd floor	9
8. Sh. S. R. Babbar, 2nd floor	10
9. Smt. Sarita Agarwal, 2nd floor	11
10. Smt. Bhagwati Kapila, 2nd floor	12
11. Legal heirs of Shri S. P. Patni,	
Ground floor	1 & 2

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a 3 storeyed constructed house on a free-hold plot of land measuring 361.1 sq. yds. bearing plot No. 12 in Block UA, Jawahar Nagar, Delhi.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2079/1063/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Southern half portion of 725 situated at Phatak Dhobian, Farash Khana, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

(16 of 1908) in the Office of Registering Officer at

Delhi in June 1975,

7-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indain Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons.

 Smt. Vanto Bai w/o Shri Jai Kishan Das Chopra, r/o 725, Phatak Dhobian, Farash Khana, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Miraj-ud-din s/o Siraj-ud-din, r/o 725 Phatak Dhobian, Farash Khana, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern half portion of property No. 725 Phatak Dhobian, Farash Khana, Delhi constructed on a plot of land measuring 50 sq. yds.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commiss.oner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

 Smt. Vanto Bai w/o Shri Jai Kishan Das Chopra, r/o 725, Phatak Dhobian, Farash Khana, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

NFW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. 1AC/Acq II/2080/1064/75-76 -- Wheracs 1 S. N. L. AGARWAI Δ,

being the Competent Authority under Sction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

725 Phatak Dhobian, (1/2 share)

situated at Frash Khana, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be di-closed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely.—

(2) Shri Mohamad Ahmad s/o Maulvi Mohamad, r/o House No. 934, Gali Chhah Shirin, Farash Khana, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11 storeyed house constructed on a plot of land measuring 50 sq. yds. situated at 725 Phatak Dhobian Farash Khana, Delhi.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date . 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR. NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq. II/2243/75-76/1065.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ground floor of 914/II situated at Kucha Kabal Attar, Ch. Chowk, Delhi (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in June 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-28-476GI/75

(1) Shri Bhagwan Dass s/o Shri Wazir Chand r/o II/914 Kucha Kabar Attar, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Piara Lal Dawar. s/o Sohna Mal Dawar r/o II/914, Kucha Kabar Attar, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of the entire property No. II/914 constructed on a plot of land measuring 69 sq. yds situated at Kucha Kabal Attar, Chandni Chowk, Delhi and bounded as under:-

North: Property No. II/915 South: Property No. II/913 East: Passage

West: Property No. II/780,

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

> > New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/ACQ.II/2251/1066/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 37

situated at Outram Lines, Kingway Camp, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in June 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Parkash Kapoor s/o Shri Ram Saran Kapoor, H-20 Hudson Lines, K W Delhi through special attorney Sh. Ram Lal Kapoor, r/o 8A South Park Avenue, Sector-9, Bhilai (MP)

(Transferor)

(2) Shri Harish Kumar, s/o Shri Amar Nath, 'r/o 197, Village Dhaka, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt, built shop No. 37 situated at Outram Lines, Kingsway Camp, Delhi with all fittings, fixtures, electric connection, power connection, electric motor, ginning cotton machine.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-JI, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 4th February 1976

Ref. No. IAC/Acq JI/391/1067/75/76.—Whereas, 1, S. N. L. AGARWALA, A

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

F-20/12, situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or_any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- Shri Ram Chand. s/o Shri Atma Ram, r/o F-20/12, Krishan Nagar, Delhi-51. (Transferor)
- (2) Smt. Shanti Devl Dewan, w/o Shri Devi Dayal Dewan, r/o F-13/7 Krishan Nagar, Shahdara, Delhi-51. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on a free-hold plot of land measuring 117 sq. yds. situated at No. F-20/12, Krishan Nagar, area of Village Shahdara, Delhi and bounded as under :---

North: Remaining portion of F-20/12, South: Property No. F-20/13

East : Road. West · Road.

S. N. L. AGARWALA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.11/2300/1068/75-76.—Whereas, IS. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

58, situated at South Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Inderjit Singh, s/o Shri Gurmukh Singh, r/o J-6/132, Rajouri Garden, New Delhi as General Regd. Attorney of Smt. Nanki Devi w/o S. Harbans Singh, 3 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Tripat Kaur, w/o Shri Gurmukh Singh, r/o J-6/132, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold rights of the land measuring 68.333 sq. yds. bearing plot No. 58 situated in South Patel Nagar, New Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. 57. South: Plot No. 59 East: Service Lanc. West: Main Road.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-2-1976

(1) Shri Bhanumal Bhogilal Patel, Ashok House, Palliarakavu, Cocbin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Valsa Joseph, VIII/166. Town Club Road, Puzhavathu, Changanassery.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JYOTHI BUILDINGS, GOPALAPRABHU ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-11

Ernakulam, the 31st January 1976

Ref. No. L. C. No. 50/75-76 —Whereas I. M. M. KURUP, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Changanasserry Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Changanasserry on 28-7-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same messing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17 cents of land with building in Sy. No. 45/9 of Changanasserry village.

M. M. KURUP
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 31-1-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th February 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1 -6 20 76 acres at Village Hasinabad

agricultural land of 30.76 acres at Village Hasinaba (Rajora) Teh. Burhanpur situated at Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Burhanpur on 10-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Jeevanprasad,

 Shri Maheshprasad S/o Komalprasad Shrivastav, r/o Khaknar Kala, Post Khaknar Kala Teh. Burhanpur, Distl. East Nimar,

 Shri Rameshprasad s/o Komalprasad Shrivastava r/o Hassinabad (Rajora) P.O. Sirpur, Teh. Burnhpur.

(Transferor)

 Shri Raghunathprasad s/o Kalicharan Shrivastava, r/o Hassinabad, (Rajora) Teh. Burhanpur, East Nimar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land of 30.76 acres at Village Hassinabad (Rajora) Teh. Burhanpur.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-2-1976

 Shri Gambheer S/o Ramu Patel, 2. Shri Kishore (Minor) S/o Shri Gambheer Patel, Vali S/o Shri Gambheer Patel. R/o Aenpur, Taluka Raveer, Distt, Jalgaon, Maharashtra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manoharlal (Minor) S/o Trimbak Patel, S/o Shamu Patel, R/o Village Nimandad, Raiyatwari, Teh. Burhanpur.

(Transfer••)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL

Bhopal, the 6th February 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77,—Whereas, 1, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

agricultural land at Village Shekhpur, Tch. Burhanpur alongwith one house, 1 well on the land

situated at Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 11-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Village Shekhapur, Teh. Burhaapur alongwith one house, and 1 well.

V: K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-2-1976

(1) M/s 3-Aces, partnership Firm represented by its 6 partners, Sri Bishenlal Ahuja, at Abid Road, Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt Prakash Devi w/o Gokulchand Pershad, H. No. 5-9-30/1/26 at Basheerbagh, Hyderabad.

(3) M/s Modi Mills Ltd, Tilak Road,

Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1976

Ref. No. RAC. No. 256/75-76,--Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said, Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4-1-938/L/12 & 13 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 7-6-1975

rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- '(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the the same meaning as given in that hapter.

THE SCHEDULE

Property: Premises bearing No. 4-1-938L/12 and 13 in Bishenial Market, at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1976

Sri Kushalchand Singhavee, and
 Sri Rakesh Kumar,
 both are residing at Tilak Road,
 Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDFR SFCTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. J Jalavathi W/o J. Brahmaiah, 5-9-798 at Gunffoundry, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1976

Ref. No RAC No 255/75-76—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred of as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-9-798 situated at Gunfoundry, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 20-6-75

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 5-9-798 at Gunfoundry, Hyderabad admeasuring 275 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now therefore in pursuance of Section 269C of the $s_{\rm d}$ d Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

29-476GI/75

Date: 10-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 4th February 1976

Ref No RAC No 252/75-76 -- Whereas, I, K S VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000/and bearing No 147/1 situated at Dwarakapuri Colony Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 16-6-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the pro perty as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly in the gaid of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :-

(1) 1 Sii Valvakolamu Satyamuthy, H No 1-10 15 at Ashoknagar, Hyderabad

Smt. Bhagirathi Devi H. No. 3-5 141 3/4 at Kingh Koti, Hyderabad Smt Shorda Devi H No 21-2 672 at Urdu Shareef Hall, Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri G D Sultania, H No 6-3 883/3 at Panjagutta, Hyderabad

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHFDULE

Open land measuring 1066 Sq. Mets with compound wall, in S No 147/1 at Dwarakapuri Colony, Hyderabad Property

> K S VENKATARAMAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date 4-2 1976

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JI, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 5th February 1976

Ref. No. IAC/Acq. II/2388/1072/75-76,—Whereas, J, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 21 Block 7

situated at Kirti Nagar Industrial Area, Najafgarh Rond, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in September, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) I. Smt. Shiwan Devi Oberol w/o Rai Sahib Jai Ram Dass Oberoi,
 - Rai Sahib Jai Ram Dass Oberoi s/o Shri Mohra Mal both r/o 17, Gwalior Road, Opposite Prem Nagar, Gwalior.
 - Sh. Prem Kumar Oberoi s/o Shri Rai Sahib Ram Dass Oberoi, r/o 34/2, East Patel Nagar, New Delhi-8.

(Transferor)

(2) M/s. Alfa Automobiles (India), a firm 4/27, Kirti Nagar Industrial Area, Najafgarh Road, N. Delhr-15 through its partners Sh. P. C. Malhotra s/o Sh. Ram Lal Malhotra. 2. Sh. Arjan Singh Sandhu s/o Shri Sham Singh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial plot of land bearing No. 21 in Block 7 in Kirti Nagar Industrial Aica, Najafgaih Road, New Delhi measuring 1866.66 sq. yds.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 5-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 5th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/401/1072/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-6, situated at Kishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) 1 Shri Om Parkash s/o Sh. Pishori Lal, r/o 331/1/11, Gali No. 2, Raj Garh Colony, Gandhi Nagar, Delhi-31

2. Shri Sudarshan Singh s/o Sh. Hardyal Singh, r/o 540, Jheel Kuranja, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Smt. Jai Rani, w/o Shri Durga Dass, r/o 11, Ram Park, Kishan Ganj, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11 storyed house built on a plot of land measuring 77.7/9 sq. yds situated at No. B-6, Krishan Nagar Shahdara, Delhi and bounded as under:—

North: Portion of B-6 South: House No. B-7

East Road West Abadi of Jheel Kuranja.

S. N. L. AGARWALA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 5-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2306/1070/75-76.—Whereas, 1, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 68, situated at Gokhle Market, Opp, Tis Hazari Court, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Sald Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Shri Kalyan Singh,
 s/o Shri Kewal Singh,
 r/o 56, Khan Market, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Avtar Singh Khanna, s/o Shri Partap Singh Khanna, r/o C-3/3, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 68 situated at Gokhle Market, Opp. Tis Hazari Court, Delhi constructed on a plot of land measuring 537 sq. ft. charged 2/3rd to ground floor and 1/3rd to first floor).

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 5-2-1976

(1) Shri Bhagwan Dass s/o Shri Roshan Lal, r/o 104, Azad Market, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME. TAX ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

NEW DELHI

New Delhi, the 5th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/2335/1069/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 256, situated at Azad Market, Delhi (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in August, 1975

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Ravinder Kumar, s/o Shri Jaj Chand, r/o 181, Gupta Colony, Near Vijay Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 256 situated at Azad Market, Delhi on lease-hold plot of land measuring 21.8 sq. yds bounded as under:—

East: Shop No. 257 West: Shop No. 255 Nothr: Library Road South: Main Road,

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 5-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th February 1976

Ref. No. Acq. 23-I-693(261)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

Survey No. 262-A, Sub-Plot No. 13, T.P.S. No. 14, F.P. No. 207 & 207-A, situated at Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—-

(1) Smt. Urvashi Rohitbhai Mehta, Kilik Industrial Estate, Chandivali, Kurlopvai Road, Bombay-72.

(Transferor)

- (2) (i) Smt. Anvarbegam Badruddin Vajifdar, Chork House, Near Patharwali Masjid, Shahpur, Ahmedabad,
 - (ii) Smt. Asamathbibi, widow of Samsuddin Rafiyudin Saidwad, Delhi Chakla, Ahmedabad.
 - (iii) Smt Husainabibi widow of Fakurudin Samsudin, Saidwad Delhi Chakla. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two storeyed building standing on land admeasuring 665 sq. yards bearing Survey No. 262-A, Final Plot No. 207 and 207-Λ, Sub-Plot No. 13 of T.P.S. 14, situated near Jai Jineswar Society, Shahibaug, Ahmedabad and as fully describe, I in the sale deed No. 5589 dt 19-7-1975.

J. KATHURIA Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisiton Range-II, Ahmedabad.

Date: 4-2-76

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Laherchand Swaroopchand Shah, for and on behalf of the firm of Pari Nathalal Dahyalal Haja Patel ni Pole, Ahmedabad.
 (Transferor)

(2) Asha Co-op Housing Society Ltd. 7-Anand Baug, Bhairavnath Road, Kakaria, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th February 1976

Ref. No. Acq. 23-I-703(262)/1-1/75-76,—-Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 69-1, situated at Danilimda, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 10471 sq. yards bearing Survey No. 69/1, situated at Danilimda, Ahmedabad and as fully described in the sale deed No. 10016 dt. 23-7-1975.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-I,

Date . 4-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-I'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th February 1976

Ref No. ARI/1198-2/June 75. — Whereas, I. V. R. AMIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 1/665, 665 Malabar & Kumballa Hill Divn situated at off Altamount Rd

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act'. or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, by the following person, namely:—

30-476GI/75

- (1) Shri Badruddin Tyabally Barodawalla & Ors.
 (Transferor)
- (2) The Florence Co-op. Hsg. Soc. Ltd. (Transferee)
- (3) Members of the Society.
 (Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or partly vacant land (pension and tax tenure) bearing distinct No C admeasuring 1957 sq. yards equivalent to 1477 square Meters to site deeds but 1757 square yards, 1469 square Meters according to joint survey being a part of a large portion of the land bearing cadastral S. No. 1/665 and 665 of Malabar and Cumballa Hill Division N. S. Sheet No. 294 F 225 situated off Altamount Road, D-Ward Together with building and structures and bungalow and building and bungalow, on the East of the said plot property bearing distinct No. B of the Vendors, on or north of the plot is property owned by Shah Construction Co. Ltd. at present, on the south of the said Plot is common approach road on the west of the said Plot No B owned by the Vendors. Registration District and Sub-District of Bombay.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 5-2-76.

(1) Shri Daulat Ram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Lal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1976

Ref No. 83R/ACQISITION —Whereas, I. BISHAMBHAR NATH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. D-52/41-B situated at Moh. Luxmikund Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub Registering Officer at Varanasi on 30-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fast portion of a house No. D-52/41-B situated in Moh. Luxmikund Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
I ucknow

Date: 4-2-76,

(1) Shri Daulat Ram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1976

Ref. No. 110-S/Acquisition.—Whereas, I. BISHAMBHAR NATH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the imovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-52/41-B situated at Moh. Luxmikund, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Reg stering Officer at Varanasi on 30-9-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

West portion of a house No. D-52/41-B situated in Moh. Luxmikund Distt. Varanasi,

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Lucknow

Date: 4-2-76.

(1) Shri Harihar Singh and others.

(Transferor)

(2) Shri Chhangur Prasad and others,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1976

Ret' No. 22-C/ACQUISITION.—Whereas, I. BISHAMBHAR NATH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Village Gurli Tappa, Distt. Gorakhpur has been transferred under the Registration Act, 1908 (6 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Maharaj-Ganj (Dist: Gorakhpur) on 7-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any o fthe aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of agricultural land measuring 95-9 acres, Situated in Village Gurli Tappa Bharat, Khand, Pargana-Tilpur, Tehsil-Mahraj-ganj, Distt. Gorakhpur.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 4-2-76.

(1) Shri Nannoo Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntla Devi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow the 4th February 1976

Ref. No. 109 S/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-BHAR NATH, being the Comptent Authority under Section 269B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 169, Khasra, situated at Village Dhaturi, Bulandshahr (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Bulandshahr on 11-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of agricultural land Khasra No. 169, measuring 17 Bigha 10 Biswanai, situated in Vill. Dhaturi, Pargana Baran, Distt. Bulandshahr.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Lucknow

Date: 4-2-76.

(1) Smt, Baldal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Achal and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th January 1976

Ref. No. 81-A/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-BHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter

refered to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Chak No. 75 and 25 situated at Village Marwa Tappa Bajraha, Distt. Basti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Naugarh (Distt. Basti) on 30-10-75

for an apparent consideration,

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section of 1922) or the said act or the Wealth-tax act, 1957

namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wilting to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Nos. 75 and 25 measuring 15 Bigha, 8 Biswa, 18 Biswansi and 1 Bigha, 14 Biswa 24 Biswansi respectively situated in Vi'lage Marwa Tappa Banjhara Distt. Basti.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Comissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 30-1-1976

FORM ITNS—

(1) Shij K. Ratnakumar, Rajahmundiy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 311/J. No. 1 (109) /Eg/75-76. Whereas, I. B. V. SUBBARAQ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. No. 137 situated at Rail Road, Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundiy on 31-7-1975

fer an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Ac', 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following person, namely:—

 Shri K. V. Natayana, Director, M/s Motu Industries Private Ltd., Rajahmundry.
 (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publica ion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 2778/75 of the S.R.O. Rajahmundry during the fortnight ended on 31-7-1975,

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range,
Kakinada

Date: 7-2-1976,

Seal;

(1) Shri Jupudy Venkata Vijaya Baskar, S/o Kesavaraju, Bhimavaram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shrimati Gadiraju Narayanamma, W/o Ramamurthy Raju, Bhimayaram.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires

Kakinada, the 7th February 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq. File No. 310/J, No. I(87)/WG/75-76.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1051-15 stuated at Ward No. 9 Bhimavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhimayaram on 31-7-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1503/75 of the S.R.O., Bhimavaram during the fortnight ended on 31-7-1975.

(a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Kakinada

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

Date: 7-2-1976

(1) Shri Bhumatiraju Venkataramaraju, S/o Narayanaraju, Relangi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Meragani Pydamma, W/o Apparao, Bhimavaram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 399/J, No. 1(89)WG/75-76.—Whereas, J. B. V. SUBBARAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 8-1-150 to 152 situated at 21st Ward Bhimavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on 31-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C. of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

31-476GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1442/75 of The S.R.O. Bhimavaram during the fortnight ended on 31-7-1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Kakinada

Date: 7-2-1976

(1) Shri Kanaparty Hanumantharao, S/o Paparao, Desupalem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1976

306/ME. Ref. No. Acq. File N Whereas, I, B. V. SUBBARAO, File 207 -No. No. being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing D. Nos. 11 & 12 situated at Desupalem Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaggaiahpeta on 31-7-1975

Jaggaiahpeta on 31-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Ac to the following persons, namely:—

 1. Shri Nutulapati Ramarao, S/o Subbarao
 2. Shri Nutulapati Radhakrishna, S/o Subbarao Dirisenacherla Village. (Transfice)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1572/75 of the S.R.O. Jaggarahpeta during the fortnight ended on 31-7-1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Kakinada

Date: 7-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1976

Ref. No. MNS/250/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing Land situated at Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Mansa in May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-Said exceeds the apperent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Bakhtaur Singh s/o Shri Gulab Singh s/o Shri Gehna Singh V. Lohgarh GA Inder Singh, Mohinder Singh ss/o Shri Bhag Singh, V. Adamke Tch. Mansa. (Transferor)
- (2) Shri Satinder Dass, Advocate s/o Shri Brij Lal, Amar Singh s/o Jodh Singh, Surjit Kaur w/o Shri Amar Singh r/o Mansa.

(Transferec)

- (3) As at S. No. 2 above, and tenant (s), if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 654 of May, 1975 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-2-76.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amitsar, the 12th February 1976

Ref. No. ASR/251/75-76.--Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Land situated at Mansa Kalan

(and morefully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mansa in May 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration there for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persions, namely:-

(1) Shri Bakhtwar Singh s/o Shri Gulab Singh s/o Shri Gehna Singh V. Lohgath GA Shri Inder Singh, and Shri Mohinder Singh ss/o Sri Bhag Singh. r/o Adamke Teh. Mansa.

(Transferor)

(2) Shri Sant Ram, Amrit Lal ss/o Shri Ram Chand s/o Shri Ganga Ram r/o Mansa Shri Roshan o/o Shri Asa Ram Budhlada

(Transferce)

- (3) As at No. 2 above, and tenant (s), it any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested) in the property)
 Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act'. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 655 of May, 1975 of the Registering Authority, Mansa.

> V. R. SAGAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-2-76.

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1976

. Ref No. MNS/252/75-76.—Whereas, I, V., R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Mansa Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Mansa in May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth -tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bakhtawar Singh s/o Shri Gulab Singh s/o Shri Genha Singh V. Lohgarb GA. Shri Inder Singh, Mohinder Singh Ss/o Shri Bhag Singh, V. Adamke. (Transferor)
- (2) Shri Satinder Dass Gupta Advocate s/o Shri Brij Lal Kasturi Lal s/o Shri Budh Ram V. Khiwa Dialu Wala, Prem I ata d/o Kishori Lal r/o Naiwana. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above, and tenant (s), if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 658 of May, 1975 of the Registering Authority, Mansa,

V. R. SAGAR, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-2-76.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRI'ISAR

Amritsai, the 12th February 1976

Ref. No. MNS/253/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Mansa Kalan

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa $1_{\rm H}$ May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Bakhtawar Singh s/o Shri Gulab Singh s/o Shri Gehna Singh V. Lohgarh GA Shri Inder Singh, Mohinder Singh Ss/o Shri Bhag Singh, V. Adamke Teh. Mansa.

(Transferor)

(2) Shri Lachhman Dass s/o Shri Raunaq Ram s/o Shri Bansi Ram Natain Patshad s/o Shri Banarsi Dass s/o Shri Biria Mal r/o Mansa.

('Transferce)

- *(3) As at S No. 2 above, and tenant(s), if any. (Person in occupation of the property)
- "(4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as men ioned in the Registered Deed No. 673 of May, 1975 of the Registering Authority, Mansa,

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsur

Date: 12-2-76.

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amiltsar, the 12th February 1976

Ref. No. MNS/254/75-76.—Whereas, I, V, R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot No.

Land situated at Mansa Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in May 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bakhtawar Singh s/o Shri Gulab Singh s/o Shri Gehna Singh V. Lohgarh GA Shri Inder Singh Mohinder Singh Ss/o Shri Bhag Singh, V. Admke Teh. Mansa.
 - (Transferor)
- (2) Shri Roshan Lal Singla s/o Shri Asa Ram r/o Budhlada,

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, and tenant (s), if any. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 674 of May, 1975 of the Registering Authority, Mansa,

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-2-76,

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT O FINDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1976

Ref. No. BTD/255/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land, situated at Sivia Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in May 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1958 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Ram Chand s/o Shri Tota Ram, Shii Des Raj, Shri Walaiti Ram & Shii Biraj Lal ss/o Shri Phuman Mal 170 V. Sivia Teh Bhatinda.

Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Goel s/o Shri Sohan T.al, Smt. Kamla Gupta w/o Shri Kulwant Rai Gupta, r/o Modi Nagai (Local address c/o Shri Som Parkash s/o Shii Walaiti Ram Cloth Merchant, Sadar Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1155 of May, 1975 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-2-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th February 1976

Ref. No. BTD/256/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land, situated at Sivia Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in May 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, name'y—
32—476GI/75

(1) Shri Ram Chand s/o Shri Tota Ram, Shri Des Raj, Shri Walaiti Ram & Shri Biraj Lal ss/o Shri Phuman Mal r/o V. Sivia Teh. Bhatinda.

(Transferor)

 Shi Som Parkash s/o Shri Walaiti Ram, Cloth Merchant, Sadar Bazar, Bhatinda,

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), If any, [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1153 of May, 1975 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-2-1976

Seal -

 Shri K Venkateswarlu, S/o Venkataramaiah, Jallikakinada,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ponnaganti Adilaxmi, W/o Venkataramaiah, Darsiparru.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1976

Ref. No. Acq. File No. 312/J. No. I(96)WG/75-76.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 101/6; 104; 106 and 222/2 Pamulaparru Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at UND1 on 15-8-1976

(for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1464/75 of the S.R.O.. Undi during the fortnight ended on 15-8-75.

B. V. SUBBA RAO

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Kakinadu

Date: 7-2-1976

(1) Shri Kotcherla Raja Rao and Others, Guntur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. S. V. Ramana Represented by the General Power attorney holder Sri K. Nagi Reddy, Guntur. (Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 9th February 1976

Ref. No. AcqlFile No. 314/J. No. 1 (122)/ GTR.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO

being 'he Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Door No. 5-87, 18

situated at Laxmipuram, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 30-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considera-

for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trnasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 2643/75 of the S. O. R., Guntur registered during the fortnight ended on 30-6-75.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1976

Seal ·

(1) Kandru Tulasamma, Subba Rao, Guntur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Alluri Visweswara Rao, Calcutta-73, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th February 1976

Ref. No. J. No. I(116)/GTR/75-76/Λcq. File No. 313.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/4 and bearing No.

8-8-20 situated at Nehru Nagar, GTR.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on 30-6-75

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 2720/75 of the SRO, Guntur registered during the fort night ended on 30-6-75.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 9-2-1976